इंटरनेट पर देखें
www.dainikdawa.com

संस्कारधानी से प्रकाशित मध्यभारत व छत्तीसगढ़ अंचल का सर्वप्रसारित लोकप्रिय हिंदी समाचार पत्र

भारत सरकार व छत्तीसगढ़ शासन से विज्ञापन के लिए अधिकृत

दैनिक प्रातः संस्करण

" यो आत्मानं वेति, सर्वं स वेति "॥

दावा

आर.एन.आई.नं. 58841/93
डाक पंजीयन छ.ग./दुर्ग/14/2024-26

सम्पादक - दीपक भाई बुद्धदेव

वर्ष- 45 | अंक - 196 | राजनांदगांव, गुरूवार 04 जून 2026 | पृष्ठ - 8 | मूल्य - 4.00 रुपए

दिल्ली के होटल में आग से 21 मौतें, मालिक हिरासत में: मरने वालों में 11 विदेशी, आठ राजस्थान-हरियाणा के

नई दिल्ली। दिल्ली के मालवीय नगर में आज 3 जून बुधवार को एक रेस्टोरेंट में आग लग गई। इस घटना से इलाके में हड़कंप मच गया। मामले के बारे में पता लगने पर दिल्ली फायर सर्विस कर्मचारी मौके पर पहुंच गए, जिसके बाद राहत बचाव कार्य शुरू किया गया। इस हादसे में 21 लोगों की मौते हो चुकी है। वहीं घायलों को अस्पताल में भर्ती करवा दिया गया है। हालांकि आग लगने के कारणों का अभी पता नहीं लग पाया है, जिसकी जांच की जा रही है। वहीं इस हादसे में बचाव कार्य में लगे दिल्ली पुलिस के 10 जवान भी घायल हुए हैं, जिन्हें इलाज के लिए AIIMS दिल्ली के बर्न्स और ट्रॉमा विभाग में भर्ती करवा दिया गया है। जानकारी के मुताबिक, पूरा मामला मालवीय नगर के लेमन ग्रीन रेस्टोरेंट का बताया जा रहा है। फायर ब्रिगेड को आज सुबह करीब 8 बजकर 50 मिनट पर आग लगने की सूचना मिली थी। जिसके बाद DFS (दिल्ली फायर सर्विस) की टीम मौके पर पहुंचकर रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया है।

बेसमेंट में फंसे थे लोग

ऐसा कहा जा रहा है कि रेस्टोरेंट के बेसमेंट में आग लगी थी, उस दौरान वहां पर लोग फंसे हुए थे। DFS कर्मियों ने तुरंत घायलों को बाहर निकालकर CATS (केंद्रीकृत

दुर्घटना और आघात सेवा) एंबुलेंस से पास के अस्पताल पहुंचाया। घायलों की हालत अभी गंभीर बताई जा रही है।

47 लोगों को बचाया गया

अपने विधानसभा क्षेत्र मालवीय नगर में आग लगने की एक बड़ी घटना पर, बीजेपी विधायक सतीश उपाध्याय कहते हैं, अब तक 21 लोगों की मौत हुई है और 47 लोगों को बचाया गया है। उन्होंने आगे कहा कि यह घटना सुबह 8.51 बजे हुई। हम सुबह 9 बजे से यहाँ मौजूद हैं। कुछ ही समय में, दमकल विभाग और बचाव दल ने कार्रवाई शुरू कर दी। पुलिस और स्थानीय लोगों ने लोगों को बचाने में मदद की। अब तक 47 लोगों को बचाया जा चुका है। 21 लोगों की मौत हुई है। आग कैसे लगी, यह जाँच का विषय है। यह एक बहुत ही दुखद घटना है। सरकारी एजेंसियाँ खोज और बचाव अभियान में लगी हुई हैं। अगर एजेंसियों ने समय पर कार्रवाई न की होती, तो यह घटना और भी ज़्यादा गंभीर हो सकती थी।

15 मरीज आईसीयू में भर्ती

मालवीय नगर अग्निकांड में मैक्स हॉस्पिटल, साकेत में लाए गए 39 मरीज़ों में से 18 को मृत अवस्था में लाया गया था, 15 ICU में भर्ती है, जिनमें 8 मरीज़ वेंटिलेटर पर हैं और उनकी हालत गंभीर है। मामूली चोट वाले 5 मरीज़ों का प्राथमिक उपचार किया गया और उन्हें छुट्टी दे दी गई। एक मरीज़ को गंभीर रूप से जलने के कारण सफदरजंग हॉस्पिटल में शिफ़्ट कर दिया गया।

3 लोगों ने लगाई छलांग

AIIMS में मालवीय नगर अग्निकांड से 13 मरीज़ों को लाया गया है। इनमें से तीन मरीज़ों को ऊंचाई से गिरने (कथित तौर पर कूदने) के कारण चोटें आई हैं, जबकि 10 मरीज़ दिल्ली पुलिस के बचावकर्मी हैं। (शेष पृष्ठ 6 पर...)

मालवीय हादसे पर दिल्ली सरकार की आपात बैठक: एलजी का महा-एक्शन प्लान, कल से सिस्टम के सफेदपोशों पर चलेगा हंटर

नई दिल्ली। मालवीय नगर में हुई भीषण अग्नि त्रासदी ने प्रशासन को हिलाकर रख दिया है। इस घटना के तुरंत बाद उपराज्यपाल तरनजीत सिंह संधू और दिल्ली के गृह मंत्री आशीष सूद ने एक आपात बैठक बुलाई, जिसमें भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए जीरो टॉलरेंस नीति की घोषणा की गई है।

प्रशासन ने न केवल हादसे की मजिस्ट्रेट जांच के आदेश दिए हैं, बल्कि बृहस्पतिवार यानी 4 जून से पूरी दिल्ली में एक महीने का सघन प्रवर्तन अभियान शुरू करने का फैसला लिया है। बैठक में निर्णय लिया गया कि 4 जून से शुरू होने वाला यह अभियान दिल्ली के सभी होटलों, लॉज, नर्सिंग होम, कोचिंग संस्थानों और रेस्टोरेंट्स में फायर सेफ्टी मानकों की जांच करेगा। दिल्ली सरकार के गृह विभाग को इस पूरे अभियान के लिए नोडल विभाग घोषित किया गया है, जो विभिन्न एजेंसियों के बीच समन्वय स्थापित करेगा। इस अभियान की निगरानी संयुक्त रूप से मुख्य सचिव और दिल्ली पुलिस कमिश्नर करेंगे।

होटलों और अवैध निर्माणों पर गिरेगी गाज

प्रशासन ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि यदि किसी होटल, लॉज या गेस्ट हाउस में स्वीकृत संख्या से अधिक कमरे पाए जाते हैं, तो उन्हें तुरंत बंद कर दिया जाएगा। दिल्ली पुलिस, एमसीडी और पर्यटन विभाग संयुक्त रूप से होटल एसोसिएशनों के साथ बैठकें करेंगे और उन्हें लाइसेंस की शर्तों और फायर सेफ्टी नियमों का कड़ाई से पालन करने की अंतिम चेतावनी देंगे। जो संस्थान मानकों को पूरा नहीं करेंगे, उन्हें न केवल सील किया जाएगा, बल्कि उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई भी की जाएगी।

15 दिन का अल्टीमेटम और डिजिटल ऑडिट

इस मीटिंग में तय हुआ है कि सभी व्यावसायिक प्रतिष्ठानों को अपने फायर सेफ्टी उपकरण, पानी के टैंक और सप्लाई सिस्टम को दुरुस्त करने के लिए 15 दिनों का समय दिया गया है। खास बात यह है कि फायर सेफ्टी नियमों को डिजिटल रूप में सभी व्यावसायिक इमारतों और (शेष पृष्ठ 6 पर...)

डीके शिवकुमार कर्नाटक के नए सीएम: संविधान हाथ में लेकर ली शपथ, जी परमेश्वर उपमुख्यमंत्री बने

बंगलूरू। कर्नाटक में कांग्रेस सरकार के गठन के साथ बुधवार को डीके शिवकुमार ने राज्य के मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। शपथ ग्रहण समारोह के दौरान शिवकुमार ने हाथ में संविधान की प्रति लेकर पद और गोपनीयता की शपथ ली। वहीं, वरिष्ठ कांग्रेस नेता जी. परमेश्वर ने उपमुख्यमंत्री पद की शपथ ग्रहण ली। राज्यपाल ने दोनों नेताओं को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। शपथ ग्रहण समारोह में कांग्रेस के कई वरिष्ठ नेता, पार्टी पदाधिकारी और बड़ी संख्या में समर्थक मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री के अलावा मंत्रिपरिषद के विस्तार के तहत 12 अन्य नेताओं को भी मंत्री पद की शपथ दिलाई जा रही है। इनमें पूर्व मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के बेटे डॉ. यतींद्र सिद्धारमैया का नाम भी शामिल है। सिद्धारमैया ने 28 मई को सीएम पद से इस्तीफा दे दिया था।

30 मई को बंगलूरू में कांग्रेस विधायक दल की बैठक आयोजित की गई। जिसमें उन्हें विधायक दल का नेता चुना गया। 28 मई को मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने वाले सिद्धारमैया ने उनके नाम प्रस्ताव रखा गया था। इसे सर्वसम्मति से पारित किया गया, जिसके बाद आज शिवकुमार ने मुख्यमंत्री के तौर पर शपथ ली।

पीएससी घोटाला, पूर्व परीक्षा नियंत्रक वासनिक के घर रेड: राजनांदगांव में भी ईडी की दबिश, रिटायर्ड आईएएस के ठिकानों पर छापे; दस्तावेजों की जांच

दुर्ग भिलाई। पीएससी भर्ती परीक्षा घोटाला मामले में ईडी ने रायपुर, दुर्ग-भिलाई और राजनांदगांव में छापेमारी की है। पूर्व परीक्षा नियंत्रक आरती वासनिक के रायपुर स्थित घर में कार्रवाई चल रही है। वहीं रिटायर्ड आईएएस जेके ध्रुव के भिलाई सेक्टर-10 स्थित घर पर सुबह 6 बजे से जांच जारी है।

बता दें कि जेके ध्रुव सीजी-पीएससी भर्ती घोटाले में आरोपी हैं और फिलहाल जेल में हैं। इस कार्रवाई को भारतमाला घोटाला मामले में उनके कनेक्शन से भी जोड़कर देखा जा रहा है, हालांकि इसकी आधिकारिक पुष्टि होना अभी बाकी है।

वहीं राज्यपाल के पूर्व सचिव अमृत खलखो के भिलाई तालपुरी स्थित निवास पर भी जांच चल रही है। बता दें कि उनकी बेटी नेहा का 13वीं रैंक और बेटे निखिल का 17वीं रैंक के साथ डिप्टी कलेक्टर के पद पर चयन हुआ था।

राजनांदगांव में तत्कालीन डिप्टी परीक्षा नियंत्रक ललित गणवीर के घर पर भी छापा मारा गया है। गणवीर इस मामले में पहले से ही जेल में बंद हैं। ईडी की करीब आठ अधिकारियों की टीम पहुंची हुई है। घर के अंदर दस्तावेजों की जांच की जा रही है। यह मामला 2020 से 2022 के बीच हुई भर्ती प्रक्रियाओं से जुड़ा है। आरोप है कि आयोग की परीक्षाओं और इंटरव्यू में पारदर्शिता को दरकिनार कर राजनीतिक और प्रशासनिक रसूख वाले परिवारों के उम्मीदवारों को उच्च पदों पर चयनित किया गया। इस दौरान योग्य अभ्यर्थियों की अनदेखी कर डिप्टी कलेक्टर, डीएसपी और अन्य राजपत्रित पदों पर अपने नजदीकी लोगों को पद दिलवाने का खेल हुआ। प्रदेश सरकार ने मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच सीबीआई को सौंपी। जांच एजेंसी ने छापेमारी में कई दस्तावेज और आपत्तिजनक साक्ष्य बरामद किए हैं।

टामन सिंह ने रिश्तेदारों और करीबियों को लाभ पहुंचाया

सीबीआई ने दलील दी कि, साल 2020 से 2022 के बीच आयोजित राज्य सेवा परीक्षा में बड़े स्तर पर अनियमितताएं की गईं। आरोप है कि तत्कालीन अध्यक्ष टामन सिंह सोनवानी ने अपने पद का दुरुपयोग करते हुए रिश्तेदारों और करीबी लोगों को अनुचित लाभ पहुंचाया। जांच में सामने आया कि (शेष पृष्ठ 6 पर...)

जैकलीन 200 करोड़ के मनी लॉन्ड्रिंग मामले में पहुंचीं कोर्ट, खुद को बताया बेकसूर

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेत्री जैकलीन फर्नांडिस 200 करोड़ रुपए के मनी लॉन्ड्रिंग मामले में बुधवार (3 जून) को दिल्ली की पटियाला हाउस कोर्ट में पेश हुईं। सुनवाई के दौरान जैकलीन ने जज के सामने अपना पक्ष रखा और खुद पर लगे सभी आरोपों को पूरी तरह गलत बताते हुए खारिज कर दिया। कोर्ट की कार्यवाही खत्म होने के बाद वे मीडिया से बिना बात किए वहां से रवाना हो गईं। यह मामला सुकेश चंद्रशेखर नाम के एक हाई-प्रोफाइल ठग से जुड़ा है। आरोप है कि सुकेश ने जेल के अंदर रहते हुए एक बड़े कारोबारी की पत्नी से 200 करोड़ रुपए की जबरन वसूली थी। जांच एजेंसी प्रवर्तन निदेशालय का दावा है कि सुकेश ने इसी वसूली के पैसों का एक बड़ा हिस्सा जैकलीन और उनके परिवार पर खर्च किया था। सुकेश ने जैकलीन को करोड़ों रुपए के महंगे गिफ्ट दिए थे, जिनमें लग्जरी गाड़ियां, ब्रांडेड बैग, गहने और महंगे पालतू जानवर शामिल थे।

जांच एजेंसी ने अपनी चार्जशीट में जैकलीन को भी आरोपी बनाया है। एजेंसी का कहना है कि जैकलीन को सुकेश के आपराधिक रिकॉर्ड और गलत तरीकों से कमाए पैसों की जानकारी थी, फिर भी उन्होंने उससे महंगे तोहफे लेना जारी रखा।

रूस से चौथा एस-400 एयर डिफेंस सिस्टम पहुंचा भारत, चीन-पाकिस्तान की उड़ेगी नींद!

नई दिल्ली। रूस से चौथा एस-400 एयर डिफेंस सिस्टम भारत पहुंच गया है। इसे बहुत जल्द परिचालन क्षेत्र में तैनात किया जाएगा। यह भारतीय सेना में सुदर्शन वायु रक्षा प्रणाली के नाम से जाना जाता है। रक्षा सूत्रों के अनुसार यह उन्नत वायु रक्षा प्रणाली कुछ दिन पहले ही समुद्री मार्ग से भारत पहुंची है। इस सिस्टम की मारक क्षमता 400 किलोमीटर तक है।

एस-400 वायु रक्षा प्रणाली 2018 के एक अनुबंध का हिस्सा है जिसके तहत भारत को रूस से पांच एस-400 स्क्वाड्रन खरीदने थे। इनमें से तीन क्वाड्रन दो साल पहले आ चुके हैं और बाकी के दो रूस-यूक्रेन युद्ध के कारण लेट हो गए। भारत को चौथा एस-400 एयर डिफेंस सिस्टम मिलने के बाद चीन और पाकिस्तान की नींद उड़ जाएगी। क्योंकि ऑपरेशन सिंदूर भारत ने एस-400 के जरिए पाकिस्तानी मिसाइलों को मुंहतोड़ जवाब दिया था।

आपको बता दें कि भारत ने 2018 में पांच एस-400 वायु रक्षा स्क्वाड्रन की खरीद के लिए समझौते पर हस्ताक्षर किए थे। पिछले कुछ वर्षों में पहली तीन इकाइयों की डिलीवरी हो गई थी। बाकी दो स्क्वाड्रन के लिए डिलीवरी शेड्यूल रूस-यूक्रेन युद्ध के कारण प्रभावित हो गया। माना जा रहा है कि एस-400 वायु रक्षा मिशन प्रणाली की पांचवीं स्क्वाड्रन के अगले कुछ महीनों में भारत पहुंच सकती है। रक्षा अधिग्रहण परिषद (डीएसी) से एस-400 मिसाइलों के पांच और स्क्वाड्रन के अधिग्रहण को पहले ही मंजूरी मिल चुकी है। भारत भी स्वदेशी परियोजना प्रोजेक्ट कुशा पर काम कर रहा है। इसका उद्देश्य रूसी प्रणाली के समान दूरी पर दुश्मन के ड्रोन को मार गिराने में सक्षम अपनी खुद की वायु रक्षा प्रणाली विकसित करना है। भारतीय रक्षा क्षेत्र की प्रमुख कंपनी सोलर इंडस्ट्रीज (शेष पृष्ठ 6 पर...)

टीवीके ने गठबंधन सहयोगी कांग्रेस को आवंटित की राज्यसभा सीट

18 जून को मतदान

चेन्नई। तमिलनाडु में राज्यसभा की एक सीट के लिए 18 जून को मतदान होगा। तमिलगा वेत्री कझगम (टीवीके) के नेतृत्व वाले गठबंधन ने यह सीट अपने सहयोगी दल कांग्रेस को दे दी है। इसके अनुसार, तमिलनाडु से राज्यसभा चुनाव के जरिये भरी जाने वाली यह सीट राज्य में टीवीके नेतृत्व वाले गठबंधन की घटक पार्टी कांग्रेस को आवंटित की गई है।

दरअसल, हाल ही में तमिलनाडु विधानसभा चुनाव हुए। इन चुनाव में एआईएडीएमके के नेता सीवी षणमुगम विधानसभा के लिए चुने गए। इसके बाद उन्होंने राज्यसभा से इस्तीफा दिया, जिससे यह सीट खाली हुई है।

टीवीके-कांग्रेस गठबंधन ने जारी किया बयान

एक बयान में गठबंधन ने कहा कि तमिलनाडु से खाली होने वाली यह सीट आगामी राज्यसभा चुनाव के जरिये भरी जानी है। सीट बंटवारे के तहत इसे कांग्रेस को दिया गया है। यह सीट एआईएडीएमके नेता सी वी षणमुगम के इस्तीफे के कारण खाली हुई है। इससे पहले, कांग्रेस के तमिलनाडु चुनाव प्रभारी गिरिश चोडणकर ने दिन में मुख्यमंत्री से मुलाकात की। उन्होंने कहा, मैं अभी मुख्यमंत्री से मिला हूं और मैंने उनसे अनुरोध (शेष पृष्ठ 6 पर...)

ममता को बड़ा झटका: ऋतब्रत बनर्जी बने नेता प्रतिपक्ष, विधानसभा स्पीकर ने दी मंजूरी

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस की मुखिया ममता बनर्जी को बड़ा झटका लगा है। विधानसभा स्पीकर ने बागी विधायक ऋतब्रत बनर्जी को नेता विपक्ष बनाया है। ऋतब्रत बनर्जी ने दावा किया है कि उनको 60 विधायकों का समर्थन हासिल है।

टीएमसी से निकाले गए नेता संदीपन साहा ने कहा कि हमने अभी-अभी चिट्ठी सौंपी है। नेता प्रतिपक्ष के लिए तय कमरा आधिकारिक तौर पर अलॉट कर दिया गया है। नेता प्रतिपक्ष अभी वहीं बैठे हैं।

ममता बनर्जी हमारी सलाहकार बनी रहें- संदीपन साहा

संदीपन साहा ने कहा कि हमारी इच्छा है कि ममता बनर्जी हमारी सलाहकार बनी रहें और हमें अपनी सलाह देती रहें, ताकि हम, नेता प्रतिपक्ष और मुख्य सचेतक के साथ मिलकर, विधानसभा के अंदर पार्टी को प्रभावी ढंग से चला सकें। उन्होंने कहा कि पार्टी की जो बुरी हालत आज हो गई है, कुछ हद तक, वह अभिषेक बनर्जी की नाकामी है। आखिर, अगर जब सब कुछ अच्छा होता है तो आप उसका श्रेय लेते हैं, तो जब चीजें गलत होती हैं तो आपको उसकी जिम्मेदारी भी लेनी चाहिए। वहीं टीएमसी नेता प्रसून बनर्जी ने कहा ने कहा कि भाजपा के खिलाफ हमारा राजनीतिक संघर्ष बिना रुके जारी रहेगा। हमारी वैचारिक लड़ाई चलती रहेगी। इसके अलावा, जहां भी आवश्यक होगा, एक जिम्मेदार विपक्ष के रूप में सरकार के साथ हमारा सहयोग भी जारी रहेगा। आज आप जो देख रहे हैं वह कोई असाधारण बात नहीं है। यह केवल इस बात का प्रतीक है कि अधिकांश विधायकों ने सामूहिक रूप से चार नेताओं का चुनाव किया है जो विधानसभा में हमारा प्रतिनिधित्व करेंगे और हमारा नेतृत्व करेंगे। उन्होंने कहा कि संसदीय लोकतंत्र में, सत्ताधारी सरकार और विपक्ष दोनों का सदन में उपस्थित होना, संवाद करना और रचनात्मक बहसों में भाग लेना आवश्यक है।

कुवैत हवाई अड्डे पर ड्रोन हमला, एक भारतीय नागरिक की मौत

कुवैत। कुवैत हवाई अड्डे पर हुए एक भीषण हमले में एक भारतीय नागरिक की जान चली गई है। कुवैत में स्थित भारतीय दूतावास ने इस दुखद घटना की पुष्टि की है। दूतावास ने भारतीय नागरिक की मौत पर गहरा दुख जताया है।

विदेश मंत्रालय ने की कुवैत एयरपोर्ट पर हमले की निंदा

दूतावास के अधिकारी पीड़ित परिवार के साथ लगातार संपर्क में बने हुए हैं। वे परिवार को हर मुमकिन सहायता और सहयोग देने के लिए कुवैत के अधिकारियों के साथ तालमेल बिठा रहे हैं। इस हमले में जो लोग घायल हुए हैं, दूतावास उन्हें भी पूरी मदद पहुंचाने का काम कर रहा है। यह हमला कुवैत अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे की पैसेंजर बिल्डिंग को निशाना बनाकर किया गया था। कुवैत की सेना ने आरोप लगाया है कि ईरान ने ड्रोन के जरिए यह हमला किया। सेना के प्रवक्ता ब्रिगेडियर जनरल सऊद अब्दुलअजीज अल-ओतैबी ने इसे ईरान की आपराधिक आक्रामकता बताया है। इस हमले की वजह से हवाई अड्डे की इमारत को भारी नुकसान पहुंचा है। हमले में कई लोग घायल हुए हैं, जिन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। विदेश मंत्रालय (एमईए) ने आज कुवैत अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर हुए हमले की निंदा की है। इस हमले में एक भारतीय की मौत हो गई और कई अन्य घायल हुए हैं। मंत्रालय ने कहा, हम कुवैत अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर हमले की निंदा करते हैं, जिसमें एख (शेष पृष्ठ 6 पर...)

ब्रिटेन में बड़ा हादसा: रॉयल नेवी के 3 जवानों की हेलीकॉप्टर क्रैश में मौत

वॉशिंगटन। ब्रिटेन के डेवोन इलाके में रॉयल नेवी का एक हेलीकॉप्टर प्रशिक्षण उड़ान के दौरान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इस हादसे में रॉयल नेवी के तीन जवानों की मौत हो गई। ब्रिटेन के रक्षा मंत्रालय ने बुधवार को इसकी आधिकारिक पुष्टि की। हादसे के बाद पूरे इलाके में अफरा-तफरी मच गई और आसपास की कई सड़कों को बंद करना पड़ा। घटना के बाद ब्रिटिश सेना और प्रशासन ने राहत एवं जांच अभियान शुरू कर दिया है। रक्षा मंत्रालय ने बताया कि यह हादसा डेवोन के सॉर्टन इलाके के पास प्रशिक्षण अभ्यास के दौरान हुआ। शुरुआती जानकारी के अनुसार दुर्घटनाग्रस्त हेलीकॉप्टर मर्लिन हेलीकॉप्टर था, जिसका इस्तेमाल सैन्य अभियानों और प्रशिक्षण के लिए किया जाता है। मंत्रालय ने कहा कि मृत जवानों के परिवारों को सूचना दे दी गई है और उनकी गोपनीयता का सम्मान करने के लिए अभी ज्यादा जानकारी सार्वजनिक नहीं की जा रही है। मंत्रालय ने शोक जताते हुए कहा कि उनकी संवेदनाएं जवानों के परिवार और (शेष पृष्ठ 6 पर...)

रक्षा मंत्रालय ने दिए जांच के आदेश

इंफ्रास्ट्रक्चर और एविएशन पर बड़ा दांव, 39,290 करोड़ रुपये की छह बड़ी परियोजनाओं को मंजूरी

मुंबई। बुधवार को केंद्रीय कैबिनेट ने देश के बुनियादी ढांचे (इंफ्रास्ट्रक्चर) को मजबूत करने और विमानन क्षेत्र को वित्तीय झटकों से बचाने के लिए कुल 39,290 करोड़ रुपये के छह अहम प्रोजेक्ट्स को अपनी आधिकारिक मंजूरी दे दी है। इन नीतिगत फैसलों का सीधा असर देश की एविएशन इंडस्ट्री की बैलेंस शीट, कमर्शियल परिवहन व्यवस्था और राज्यों की इंटर-सिटी कनेक्टिविटी पर पड़ेगा। इस मेगा पैकेज में विमानन टर्बाइन ईंधन (एटीएफ) की कीमतों को नियंत्रित रखने के लिए एक विशेष फंड बनाने के साथ-साथ दिल्ली के प्रदूषण स्तर को कम करने और चार प्रमुख राज्यों में राष्ट्रीय राजमार्गों के नेटवर्क को रफ्तार देने पर रणनीतिक फोकस किया गया है।

एविएशन सेक्टर और पर्यावरण सुरक्षा पर फोकस

कैबिनेट के मौजूदा फैसलों में कुल स्वीकृत

बजट का एक बड़ा हिस्सा सीधे तौर पर विमानन क्षेत्र की स्थिरता और राष्ट्रीय राजधानी के पर्यावरण सुधार के लिए रखा गया है।

एटीएफ प्राइस स्टेबलाइजेशन फंड

ईंधन की अंतरराष्ट्रीय कीमतों में होने वाले भारी उतार-चढ़ाव से घरेलू विमानन कंपनियों को बचाने के लिए 10,000 करोड़ रुपये का एटीएफ प्राइस स्टेबलाइजेशन फंड स्थापित करने का अहम फैसला किया गया है। एविएशन इंडस्ट्री लंबे समय से ईंधन की अस्थिर लागत से जूझ रही थी। यह फंड एयरलाइंस की परिचालन लागत को स्थिर रखने और मार्जिन को सुरक्षित करने में मददगार साबित होगा। पश्चिम एशिया संकट के कारण अंतरराष्ट्रीय विमानन टर्बाइन ईंधन (एटीएफ) की कीमतें मार्च 2026 में 60.5 रुपये से बढ़कर मई 2026 में 142 रुपये प्रति लीटर हो गईं। एटीएफ एयरलाइंस की परिचालन लागत का 40 फीसदी है, जिससे एयरलाइंस और तेल विपणन कंपनियां प्रभावित हुईं। इस स्थिति से निपटने के लिए कैबिनेट ने 10,000 करोड़ रुपये के एटीएफ मूल्य स्थिरीकरण कोष को मंजूरी दी है। सरकार ने घरेलू परिचालन के लिए एटीएफ की कीमत 75.6 रुपये प्रति लीटर तय की है। यह आत्मनिर्भर कोष घरेलू व अंतरराष्ट्रीय परिचालन के लिए उपलब्ध रहेगा। यह भारतीय विमानन कंपनियों के लिए एटीएफ कीमतें स्थिर करेगा। इससे हवाई यात्रियों (शेष पृष्ठ 6 पर...)

पहला कॉलम...

दिग्विजय कालेज के जनसमस्या निवारण शिविर में 90 आवेदन प्राप्त

महापौर ने गोद भराई की रस्म पूरी कर नशा मुक्ति के लिए दिलाई शपथ, 5 जून को बसंतपुर स्कूल में वार्ड नं. 41,42,43 व 46 के लिए शिविर

राजनांदगांव (दावा)। जनता की समस्या का समाधान करने तथा उन्हें शासन की योजनाओं का लाभ देने प्रदेश में सुशासन तिहार 2026 आयोजन के तहत निकाय क्षेत्र में जनसमस्या निवारण के लिए वार्डो में शिविर लगाये जा रहे है। आज दिग्विजय कालेज में वार्ड नं. 37 व 38 के लिए आयोजित शिविर में महापौर मधुसूदन यादव शामिल होकर वार्डवासियों की समस्या सुनी। शिविर में 90 आवेदन प्राप्त हुए जिसमें मांग के 68 एंव शिकायत के 22 अवेदन आए। प्राप्त आवेदनो का अतिशीघ्र निराकरण किया जाएगा। दिग्विजय कालेज शिविर में महापौर श्री यादव ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में नागरिको के पास जाकर उनकी समस्या का समाधान करने सुशासन तिहार के माध्यम से ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र में जन समस्या निवारण शिविर लगाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री स्वयं जाकर नागरिको से रूबरू हो रहे है। शिविर में मांग एवं शिकायत संबंधी आवेदन लेकर नागरिकों को शासन की जन कल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि वार्ड स्तर पर आयोजित शिविर में प्राप्त आवेदनो का यथासंभव शीघ्रता से निराकरण किया जायेगा, ताकि वार्डवासियों की समस्या का समाधान हो सके।

आयुक्त अतुल विश्वकर्मा ने शिविर में विभागीय योजनाओं की जानकारी देकर सभी विभाग के अधिकारियों व कर्मचारियों से प्राप्त आवेदनों का यथासंभव प्राथमिकता तय कर निराकरण करने के निर्देश दिए। महापौर श्री यादव ने दोनों वार्ड के पार्षद सुश्री मणीभास्कर गुप्ता व जैनम बैद तथा वरिष्ठ पार्षद शिव वर्मा व हेमंत शेखर यादव, पार्षद प्रतिनिधि राजेश यादव व संताष निर्मलकर के साथ स्टालों का निरीक्षण कर वार्डवासियों से रूबरू हुए। उन्होंने ड्राईविंग लायसेंस का वितरण कर उपस्थिति जनो को नशा मुक्ति के लिए शपथ दिलाई तथा महिला एवं बाल विकास विभाग के सहयोग से गर्भवती महिलाओं की गोदभराई करा नवजात शिशुओं का अन्न प्राशन कराये। शिविर का विधिवत शुभारंभ वार्ड पार्षद सुश्री मणीभास्कर गुप्ता ने दीप प्रज्जवलन कर किया। शिविर में स्वास्थ्य एंव आयुष विभाग द्वारा वार्डवासियो का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। 5 जून शुक्रवार को वार्ड नं. 41,42,43 व 46 के लिए बल्देव प्रसाद मिश्र स्कूल बसंतुपर में जनसमस्या निवारण शिविर आयोजित किया जाएगा। आज के शिविर में सीएसपी अलेकजेंडर कीरो, कार्यपालन अभियंता दीपक खाण्डे व यूके रामटेके सहित नगर निगम तथा जिला प्रशासन के विभिन्न विभाग के अधिकारी/कर्मचारी उपस्थित थे।

मोतीपुर में रक्तदान शिविर आज

राजनांदगांव (दावा)। छात्र युवा मंच द्वारा जन्मदिवस को रचनात्मक गतिविधियों से जोड़ने के साथ ही रक्तदान-महादान के संकल्प को आगे बढ़ाने लगातार शिविर लगाए जा रहे हैं। इसी कड़ी में गुरुवार को मोतीपुर स्थित देवांगन सामाजिक भवन में रक्तदान शिविर लगाया जा रहा है। मंच के प्रदेश संयोजक नागेश यदु व शहर अध्यक्ष साहिल जंघेल ने बताया कि शाम 4 बजे शुरू होने वाले शिविर में रक्तदान करने वालों को हेलमेट प्रदान कर उन्हें सड़क सुरक्षा को लेकर जागरूक भी किया जाएगा।

कलेक्टर जनदर्शन की पहल से पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना का मिला लाभ

राजनांदगांव (दावा)। जिला प्रशासन द्वारा आम नागरिकों की समस्याओं के त्वरित समाधान एवं शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक पहुंचाने के लिए निरंतर प्रयास किया जा रहा हैं। इसी क्रम में कलेक्टर जनदर्शन में प्राप्त एक आवेदन का सफल निराकरण करते हुए आवेदक दिलीप सरावगी को प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना का लाभ दिलाया गया। राजनांदगांव निवासी दिलीप सरावगी ने कलेक्टर जनदर्शन में प्रस्तुत आवेदन में बताया कि वह प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना अंतर्गत अपने घर में सोलर पैनल स्थापित करना चाहते हैं, किंतु उस कार्य के लिए आवश्यक ऋण स्वीकृत नहीं हो पा रहा है। उन्होंने बताया कि ऋण के लिए आवेदन करने के बावजूद बैंक स्तर पर प्रकरण लंबित था।

शहर में पैर पसारने लगे डायरिया व पीलिया जैसे संक्रामक रोग, अस्पतालों में बढ़े मरीज

नलों से दूषित पानी की सप्लाई और पाईप लाईनों में लीकेज बनी मुख्य वजह, राजीव नगर के 10 बच्चे हुए शिकार, मचा हड़कंप

राजनांदगांव (दावा)। शहर में एक बार फिर डायरिया और पीलिया जैसे खतरनाक संक्रामक रोगों का प्रकोप तेजी से बढ़ने लगा है। इसके मरीज बड़ी संख्या में जिला चिकित्सालय से लेकर पेंड्री स्थित मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती हो रहे हैं। वहीं अनेक मरीजों का इलाज निजी अस्पतालों में भी चल रहा है। डॉक्टरों के मुताबिक, इस बार महिलाएं और बच्चे इस बीमारी की चपेट में ज्यादा आ रहे हैं। मरीजों में पेट में ऐंठन-मरोड़, उल्टी, पतली दस्त, सिर में भारीपन और अत्यधिक शारीरिक कमजोरी की शिकायतें देखी जा रही हैं। बीते दिनों राजीव नगर (बसंतपुर) के करीब दस बच्चे एक साथ डायरिया के शिकार हो गए। जिन्हें आनन-फानन में मेडिकल कॉलेज अस्पताल में दाखिल कराया गया। राहत की बात यह है कि त्वरित इलाज से अधिकांश बच्चे ठीक हो चुके हैं, जबकि कुछ का उपचार अब भी जारी है। इसी तरह जिला अस्पताल बसंतपुर में भी दो से तीन मरीज भर्ती हैं।

राजीव नगर बसंतपुर के पूर्व पार्षद व कांग्रेस नेता ऋषि शास्त्री ने आरोप लगाया कि इस भीषण गर्मी में पीलिया और डायरिया फैलने की मुख्य वजह नलों में आ रहा दूषित पानी है। मोहारा स्थित वाटर ट्रीटमेंट प्लांट का संचालन बाहरी कंपनी को सौंप दिया गया है, जो पानी के शुद्धिकरण की दिशा में ध्यान नहीं दे रही है। प्लांट में फिटकरी और ब्लीचिंग की कमी का रोना रोया जा रहा है। जिसका खामियाजा आम जनता को भुगतना पड़ रहा है। चिकित्सकीय सूत्रों के अनुसार प्रभावित कॉलोनियों में पेयजल की अधिकांश पाईप लाईने गंदे नालों और नालियों के भीतर से होकर गुजरी हैं। इन पाईप लाईनों में लीकेज होने के कारण नालियों का बजबजाता गंदा और सेप्टिक का दूषित पानी पीने के पानी में मिल रहा है। इसके अलावा डॉक्टरों ने इस मौसम में खुले में बिकने वाले पानी-पताशे (गुपचुप) और बर्फ के गोलों के सेवन को भी बीमारी की एक अन्य वजह बताया है।

प्रशासनिक अमला पहुंचा ग्राउंड जीरो पर, पानी की जांच में मिले डायरिया के तत्व

राजीव नगर में बच्चों के बीमार होने की सूचना मिलते ही प्रशासनिक अमले में हड़कंप मच गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए कलेक्टर, कमिश्नर और महापौर मधुसूदन यादव स्वयं मौका निरीक्षण करने पहुंचे। इससे पहले नगर निगम की स्वास्थ्य टीम ने भी प्रभावित क्षेत्र का दौरा कर पानी के सैंपल लिए थे। इधर पूर्व पार्षद ऋषि शास्त्री ने स्वयं नलों से पानी का सैंपल एकत्र कर लैब जांच के लिए भिजवाया था। उन्होंने बताया कि पानी की प्रारंभिक जांच रिपोर्ट में डायरिया फैलाने वाले दूषित तत्व (बैक्टीरिया) पाए गए हैं। जबकि पीलिया की जांच रिपोर्ट आनी अभी बाकी है।

अपील और प्रशासनिक निर्देश

नगर निगम प्रशासन द्वारा नागरिकों को पानी उबालकर पीने और क्लोरीन टैबलेट का उपयोग करने की सलाह दी जा रही है, जो बेहद जरूरी है। परंतु इस सलाह से यह साफ संकेत मिलता है कि मोहारा वाटर ट्रीटमेंट प्लांट से ही जल शोधन की प्रक्रिया में क्लोरीन और अन्य रसायनों की मात्रा पर्याप्त नहीं रखी जा रही है। प्रशासन को एडवाइजरी जारी करने के साथ-साथ मोहरा प्लांट की गुणवत्ता और नालियों के भीतर मौजूद लीकेज पाइपलाइनों को दुरुस्त करने पर युद्धस्तर पर काम करना होगा।

शहर में गंदे पानी की सप्लाई से बढ़ा खतरा, पीलिया और डायरिया फैलने की आशंका - अशोक फड़नवीस

राजनांदगांव (दावा)। शहर में पेयजल व्यवस्था को लेकर एक बार फिर सवाल खड़े हो गए हैं। नगर निगम के पूर्व चेयरमैन एवं वरिष्ठ भाजपा नेता अशोक फड़नवीस ने नगर निगम की कार्यप्रणाली पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा है कि निगम प्रशासन अपनी जिम्मेदारियों से मुंह मोड़कर मस्ती की पाठशाला में मस्त है। जबकि शहर की जनता गंदा और अपर्याप्त पानी पीने को मजबूर है। श्री फड़नवीस ने कहा कि नगर निगम की लापरवाही के कारण शहर के कई इलाकों में दूषित पानी की सप्लाई हो रही है। इससे डायरिया जैसी बीमारियों के मामले सामने आने लगे हैं और यदि समय रहते स्थिति नहीं सुधारी गई तो पीलिया जैसी गंभीर बीमारी का प्रकोप भी फैल सकता है। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि निगम प्रशासन को इस विषय को हल्के में नहीं लेना चाहिए। अन्यथा आने वाले समय में इसके गंभीर परिणाम सामने आ सकते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि शहर की पानी टंकियां समय पर नहीं भरी जा रही हैं। जिसके कारण नागरिकों को उनकी आवश्यकता के अनुरूप जल आपूर्ति नहीं मिल पा रही है। कई मोहल्लों में पानी का दबाव कम है तो कहीं पर्याप्त मात्रा में पानी नहीं पहुंच रहा। इससे लोगों को रोजमर्रा की जरूरतों के लिए परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। श्री फड़नवीस ने निगम प्रशासन द्वारा जनसंख्या वृद्धि को जल संकट का कारण बताने को पूरी तरह निराधार और कुतर्क करार दिया। उन्होंने कहा कि अमृत मिशन योजना बनाते समय ही यह दावा किया गया था कि यह परियोजना आने वाले 30 वर्षों की जरूरतों को ध्यान में रखकर तैयार की गई है और इससे शहर में पानी की कमी नहीं होगी। लेकिन दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति यह है कि योजना पूरी तरह सफल होने से पहले ही दम तोड़ती नजर आ रही है। उन्होंने कहा कि कुछ माह पूर्व ही शहर में सैकड़ों की संख्या में पीलिया के मरीज मिले थे। ऐसा कोई वार्ड नहीं बचा था। जहां पीलिया के मरीज सामने न आए हो। उस समय भी जल गुणवत्ता को लेकर सवाल उठे थे, लेकिन निगम प्रशासन ने उससे कोई सबक नहीं लिया। आज फिर वही हालात बनते दिखाई दे रहे हैं। उन्होंने ने मांग की कि जल आपूर्ति विभाग वाटर प्लांट से सप्लाई होने वाले पानी की गुणवत्ता की लगातार निगरानी करे और यह सुनिश्चित करे कि नागरिकों तक केवल स्वच्छ एवं शुद्ध पेयजल पहुंचे। उन्होंने कहा कि निगम का दायित्व जनता को बहाने बताना नहीं बल्कि उनकी मूलभूत जरूरतों को पूरा करना है। श्री फड़नवीस ने निगम प्रशासन को चेताते हुए कहा कि यदि समय रहते पेयजल व्यवस्था में सुधार नहीं किया गया।

टंकियों को समय पर नहीं भरा गया और दूषित जल आपूर्ति पर रोक नहीं लगाई गई तो शहर को एक बड़े स्वास्थ्य संकट का सामना करना पड़ सकता है। ऐसे में इसकी पूरी जिम्मेदारी नगर निगम प्रशासन की होगी। अशोक फड़नवीस ने कहा कि स्वच्छ पेयजल प्रत्येक नागरिक का अधिकार है। नगर निगम को जनता के स्वास्थ्य और सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए तत्काल प्रभाव से जल गुणवत्ता की जांच कर आवश्यक सुधारात्मक कदम उठाने चाहिए। ताकि शहरवासियों को किसी भी प्रकार की स्वास्थ्य संबंधी परेशानी का सामना न करना पड़े।

निगम मस्ती की पाठशाला में मस्त, जनता को पीना पड़ रहा दूषित पानी, वाटर प्लांट से स्तरहीन जल आपूर्ति, समय पर नहीं भर रहीं पानी टंकियां

वित्तीय कार्यो में पारदर्शिता और विभागीय दायित्वों का समय पर हो निर्वहन : कलेक्टर

ई-फाइलिंग, टीडीएस कटौती और चालान जमा करने की प्रक्रिया पर हुआ विस्तृत मंथन

राजनांदगांव (दावा)। कलेक्टर जितेन्द्र यादव की उपस्थिति में जिला कार्यालय सभाकक्ष में आयकर विभाग द्वारा टीडीएस व टीसीएस एवं आयकर अधिनियम-2025 के संबंध में जागरूकता एवं प्रशिक्षण सेमिनार का आयोजन किया गया। कलेक्टर ने अधिकारियों से कहा कि आयकर संबंधी प्रावधानों की सही जानकारी होना आवश्यक है। जिससे वित्तीय कार्यो में पारदर्शिता बनी रहे तथा विभागीय दायित्वों का समय पर निर्वहन किया जा सके। उन्होंने सभी अधिकारियों को प्रशिक्षण का लाभ लेकर अपने विभागों में भी जागरूकता बढ़ाने के निर्देश दिए। सेमिनार में विभिन्न विभागों के आहरण एवं संवितरण अधिकारियों (डीडीओ) ने भाग लिया।

आयकर अधिकारी (टीडीएस) भिलाई रजनी श्रीकुमार ने आयकर अधिनियम-2025 में किए गए महत्वपूर्ण प्रावधानों एवं परिवर्तनों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि नए आयकर अधिनियम में विभिन्न धाराओं एवं प्रपत्रों का सरलीकरण किया गया है। टीडीएस की कटौती, समय पर जमा करने तथा त्रैमासिक विवरणी प्रस्तुत करने की प्रक्रिया को विस्तार से समझाया गया। उन्होंने कहा कि टीडीएस कटौती एवं जमा की समय-सीमा का पालन करना सभी आहरण एवं संवितरण अधिकारियों की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। प्रशिक्षण के दौरान टीडीएस की विभिन्न दरों, वेतनभोगी कर्मचारियों तथा अन्य भुगतानों पर लागू प्रावधानों की जानकारी दी गई। साथ ही विलंब से विवरणी प्रस्तुत करने पर लगने वाले शुल्क, दंडात्मक प्रावधानों एवं सुधार विवरणी से संबंधित नियमों की विस्तार से जानकारी प्रदान की गई। सेमिनार में अधिकारियों द्वारा टीडीएस कटौती, एसएनए खातों, चालान जमा करने की प्रक्रिया, पेशेवर सेवाओं पर टीडीएस की दर, नकद निकासी पर लागू प्रावधान तथा विभिन्न व्यावहारिक समस्याओं से संबंधित प्रश्न पूछे गए। जिनका आयकर विभाग की टीम ने विस्तार से समाधान किया। आयकर विभाग की टीम ने आयकर अधिनियम-2025, टीडीएस प्रावधानों तथा ई-फाइलिंग से संबंधित उपयोगी डिजिटल संसाधनों एवं ऑनलाइन प्लेटफॉर्म की जानकारी साझा की।

डॉ. आकांक्षा विश्वकर्मा उत्कृष्ट शिक्षा सम्मान से नवाजी गई

राजनांदगांव (दावा)। सर्वजन हिताय शिक्षा फाउंडेशन संस्थान द्वारा विगत दिनों विमतारा भवन, रायपुर में 'श्रीगुरुवे नमः' सम्मान समारोह का गरिमामय आयोजन किया गया। इस भव्य समारोह में शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूल तिलाई (जिला राजनांदगांव) की व्याख्याता डॉ. आकांक्षा विश्वकर्मा को शिक्षा के क्षेत्र में नवाचार (इन्नोवेशन) और उत्कृष्ट संस्कृत शिक्षण के लिए विशेष रूप से सम्मानित किया गया। डॉ. आकांक्षा विश्वकर्मा ने विलुप्तप्राय हो रही संस्कृत भाषा को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया है। वे विगत कई वर्षों से स्कूली बच्चों को पूरी तरह से निःशुल्क संस्कृत सिखा रही हैं।

बच्चों के लिए इस प्राचीन भाषा को सहज बनाने के उद्देश्य से उन्होंने शिक्षा में कई नवाचार किए हैं। वे गीत, नृत्य, खेलकूद, नई तकनीकी और विशेष मंडल (समूहों) के माध्यम से संस्कृत को बेहद रोचक और मनोरंजक बनाकर सिखा रही हैं। उनके इस अनूठे प्रयास से बच्चे संस्कृत व्याकरण और श्लोकों का गायन बेहद सहज और सरल तरीके से सफलतापूर्वक सीख रहे हैं। संस्कृत संभाषण कला (बोलचाल की भाषा) में बच्चों को निपुण बनाने के साथ-साथ डॉ. आकांक्षा बहुमुखी प्रतिभा की धनी हैं। वे संस्कृत विषय के साथ ही साथ कत्थक नृत्य में भी पीएचडी धारक हैं। उनकी इस विशेषज्ञता का लाभ तिलाई और आसपास के क्षेत्र के बच्चों को निःशुल्क मिल रहा है। जिससे बच्चों का सांस्कृतिक विकास भी हो रहा है। उल्लेखनीय है कि डॉ. आकांक्षा विश्वकर्मा अपनी शैक्षणिक व्यस्तताओं के साथ-साथ सामाजिक और सांस्कृतिक रूप से भी बेहद सक्रिय हैं। वर्तमान में वे 'संस्कृत भारती, राजनांदगांव की विभाग संयोजिका के रूप में भी अपनी महती जिम्मेदारी निभा रही हैं। उनकी इस उपलब्धि पर शाला परिवार, शिक्षा विभाग के अधिकारियों, प्रबुद्ध नागरिकों और क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों ने हर्ष व्यक्त करते हुए उन्हें बधाई दी है।

नाम परिवर्तन

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैं आवेदिका बीना शर्मा (BEENA SHARMA) पति-सत्यनारायण शर्मा निवासी हसन गली, टांकापारा वार्ड नं. 13, तह. व जिला राजनांदगांव (छ.ग.) पिन नं. 491441 की निवासी हूं।

यह शपथ करती हूँ कि भारत सरकार द्वारा जारी आधार कार्ड में मेरे नाम के स्थान पर श्रीमती बीना शर्मा (SHRIMATI BEENA SHARMA) अंकित है, जो गलत हैं। परन्तु मेरे स्वयं के नाम से जारी पेन कार्ड में मेरे नाम के स्थान में बीना शर्मा (BEENA SHARMA) अंकित है, जो सही व सत्य हैं। इसलिए आधार कार्ड में श्रीमती बीना शर्मा (SHRIMATI BEENA SHARMA) अंकित हैं, जिसे सुधारकर बीना शर्मा (BEENA SHARMA) अंकित कराना चाहती हूं। अतः अब से मुझे मेरे नये नाम बीना शर्मा (BEENA SHARMA) के नाम से जाना व पहचाना जावे तथा सभी शासकीय व अर्द्धशासकीय दस्तावेजों में बीना शर्मा (BEENA SHARMA) नाम को ही दर्ज किया जावे। यह नाम परिवर्तन की सूचना छत्तीसगढ़ राजपत्र में प्रकाशित करवाना चाहती हूँ।

आवेदिका
बीना शर्मा
निवासी :- हसन गली टांकापारा
वार्ड नं.13 तह. व जिला राजनांदगांव
(छ.ग.) पिन नं. 491441

शुभांक

अनुमानित

बी. के.
2-4-0
139-3 380-1
राजधानी
1-5-9
260-8 570-2

चेतावनी:- इस पत्र में प्रकाशित सर्वत्र शुभ राशियां ज्योतिष एवं ग्रह नक्षत्र के आधार पर धारणा मात्र है। इसका सट्टे आदि से कोई संबंध नहीं है, दुरूपयोग न करें। दुरूपयोग करने पर प्रकाशक की कोई जवाबदारी नहीं होगी। -सम्पादक

ईश्तहार

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मैं आवेदक **त्रिभुवन लाल गहिने पिता-बृजलाल गहिने** जाति-सतनामी निवासी ग्राम आटरा, मकान नं. 83, वार्ड नं. 16, तह.-अं. चौकी, जिला-मोहला मानपुर, अं. चौकी (छ.ग.), पिन नं. 491668 का निवासी हूं। जो कि मेरी पुत्री के नाम से भारत सरकार द्वारा आधार कार्ड जारी किया गया हैं। जिसमें नाम के स्थान पर **Akta Gahine** अंकित है। उक्त नाम गलत हैं। परन्तु मेरी पुत्री के नाम से जारी अंकसूची व अन्य कागजातों में नाम के स्थान पर **EKTA GAHINE** अंकित है, उक्त नाम सही हैं। इसलिए आधार कार्ड में **Akta Gahine** अंकित हैं, उसे सुधार करवाकर **EKTA GAHINE** अंकित कराना चाहता हूं। इस ईश्तहार के संबंध में किसी भी शासकीय /अर्धशासकीय संस्था व किसी भी व्यक्ति को किसी प्रकार एवं ईश्तहार दावा आपत्ति होगी तो मय दस्तावेज के साथ मेरे समक्ष प्रस्तुत कर सकते हैं। अतएव ईश्तहार प्रस्तुत हैं, जो जरूरत वक्त पर काम आवें।
स्थानः-अं.चौकी
दिनांकः-03/06/2026

आवेदक
त्रिभुवन लाल गहिने
निवासी ग्राम-आटरा
तह. अं. चौकी, जिला-मो-मा,अं.चौकी

ईश्तहार

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मैं आवेदक **बल्दूराम पिता-बीरसिंग** जाति-हल्बा निवासी ग्राम कुदारदल्ली, तह. डौड़ी-लोहारा जिला-बालोद (छ.ग.)। पिन नं. 491665 का निवासी हूं। मेरे पुत्र के नाम से भारत सरकार द्वारा आधार कार्ड जारी किया गया हैं। जिसमें नाम के स्थान पर **टिकेश्वर कुमार** अंकित है। उक्त नाम गलत हैं। परन्तु मेरे पुत्र के नाम से जारी जन्मप्रमाण पत्र व अन्य कागजातों में नाम के स्थान पर **तुषार** अंकित है, उक्त नाम सही हैं। इसलिए आधार कार्ड में **टिकेश्वर कुमार** अंकित हैं, उसे सुधार करवाकर **तुषार** अंकित कराना चाहता हूं। इस ईश्तहार के संबंध में किसी भी शासकीय/ अर्धशासकीय संस्था व किसी भी व्यक्ति को किसी प्रकार एवं ईश्तहार दावा आपत्ति होगी तो मय दस्तावेज के साथ मेरे समक्ष प्रस्तुत कर सकते हैं। अतएव ईश्तहार प्रस्तुत हैं, जो जरूरत वक्त पर काम आवें।
स्थानः-अं. चौकी
दिनांकः-03/06/2026

आवेदक
बल्दूराम
निवासी ग्राम कुदारदल्ली
तह. डौंडी-लोहारा जिला-बोलाद (छ.ग.)

ईश्तहार

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मैं आवेदिका ममता मंडावी पति-शेखर मंडावी जाति-गोड़ निवासी ग्राम दाऊटोला मकान नं. 205, वार्ड नं. 10, तह. अं. चौकी, जिला-मोहला मानपुर, अं. चौकी (छ.ग.)। पिन नं. 491668 का निवासी हूं। जो कि मेरे स्वयं के नाम से भारत सरकार द्वारा आधार कार्ड जारी किया गया हैं। जिसमें नाम के स्थान पर **ममता मनिलाल कोराम** अंकित है। उक्त नाम गलत हैं। परन्तु मेरे स्वयं के नाम से जारी मतदाता सूची व अन्य कागजातों में नाम के स्थान पर **ममता मंडावी** अंकित है, उक्त नाम सही हैं। इसलिए आधार कार्ड में **ममता मनिलाल कोराम** अंकित हैं, उसे सुधार करवाकर **ममता मंडावी** अंकित कराना चाहती हूं। इस ईश्तहार के संबंध में किसी भी शासकीय/अर्धशासकीय संस्था व किसी भी व्यक्ति को किसी प्रकार एवं ईश्तहार दावा आपत्ति होगी तो मय दस्तावेज के साथ मेरे समक्ष प्रस्तुत कर सकते हैं। अतएव ईश्तहार प्रस्तुत हैं, जो जरूरत वक्त पर काम आवें।
स्थानः-अं. चौकी
दिनांकः-03/06/2026

आवेदिका
ममता मंडावी
निवासी ग्राम- दाऊटोला
तह. अं. चौकी जिला-मो.मा.अं. चौकी

कार्यालय कार्यपालन अभियंता, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खंड, कबीरधाम (छ.ग.)

नि.क्र.08/नि.शा./(निविदा)/का.अ./लो.स्वा.यां.वि.खंड/2026 कबीरधाम, 01/06/2026

// मैनुअल पद्धति निविदा सूचना //

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल की ओर से लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड कबीरधाम के अंतर्गत नीचे लिखे कार्य हेतु समूहवार निविदा निम्न सारिणी अनुसार प्रपत्र ''अ'' में निविदा आमंत्रित की जाती है।

निविदा प्रपत्र क्रय करने के लिए खण्ड कार्यालय में आवेदन पत्र प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि **08/06/2026** समय **5.30** बजे तक निविदा प्रपत्र क्रय करने की अंतिम तिथि **18/06/2026** समय **5.30** बजे तक।

समूह क्र.	ग्राम का नाम	कार्य की अनु. लागत रू. लाख में
1	Providing and Installation of 2 no. three phase Submersible pump, Core copper Cable ISI wire of suitable size with proper, nylon wire rope, control panel, starter with all asseseries.	1,36,708/-

उपरोक्त कार्य की निविदा में भाग लेने की पात्रता, सामान्य शर्तें, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य आवश्यक जानकारी कार्यालयीन अवधि में कार्यालय कार्यपालन अभियंता, लो.स्वा.यां. खण्ड कबीरधाम से प्राप्त की जा सकती है।

कार्यपालन अभियंता
जी- 262701156/2 लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खंड, कबीरधाम (छ.ग.)

भाजपा का दो दिवसीय जिला प्रशिक्षण महाअभियान संपन्न, एआई और सोशल मीडिया तकनीक पर रहा फोकस

राजनांदगांव (दावा)। पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान के अंतर्गत राजनांदगांव जिला भाजपा की दो दिवसीय महत्वपूर्ण कार्यशाला का सफल आयोजन संपन्न हुआ। जिला मुख्यालय के समीपस्थ ग्राम ठेकवा स्थित सचिता लॉन में आयोजित इस कार्यशाला में जिलेभर के 220 अपेक्षित वरिष्ठ पदाधिकारी और कार्यकर्ता शामिल हुए। दो दिनों के भीतर कुल 14 सत्रों में आयोजित इस कार्यशाला में विषय-विशेषज्ञों और वरिष्ठ वक्ताओं ने संगठन की कार्यपद्धति, विचारधारा, कार्यकर्ता दायित्व, जनसंपर्क और संगठन विस्तार से जुड़े विभिन्न विषयों पर विस्तार से मार्गदर्शन दिया। कार्यशाला का शुभारंभ मां भारती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन तथा संगठन के मार्गदर्शक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी एवं पंडित दीनदयाल उपाध्याय के तैलचित्र पर माल्यार्पण के साथ हुआ।

विपक्ष के नैरेटिव से निपटने के लिए एआई और सोशल मीडिया की क्लास

इस प्रशिक्षण शिविर में आधुनिक तकनीक पर विशेष फोकस देखा गया। भाजपा अपने कार्यकर्ताओं को समय के साथ अपग्रेड करने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और सोशल मीडिया प्रबंधन की विशेष ट्रेनिंग दे रही है। कार्यशाला में विपक्ष के राजनैतिक नैरेटिव से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए सोशल मीडिया टीम को मजबूत करने पर जोर दिया गया। इसके लिए बकायदा तकनीक की क्लास लगाई गई, ताकि संगठन की रीढ़ कहे जाने वाले जमीनी कार्यकर्ता सोशल मीडिया के नए ट्रेंड्स और एआई टूल्स के बदलावों को बारीकी से समझ सकें।

ठेकवा के सचिता लॉन में जुटे 220 पदाधिकारी, 14 विषयों पर हुआ मंथन, समापन सत्र में पहुंचे विस अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह और डिप्टी सीएम

अंतिम व्यक्ति तक लाभ पहुंचाना ही प्रशिक्षण की सार्थकता : डॉ. रमन सिंह

विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने अपने प्रेरणादायी उद्बोधन में कहा कि 14 महत्वपूर्ण विषयों में प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद अब कार्यकर्ताओं की जिम्मेदारी बढ़ गई है। वे अपने इन गुणों के साथ जनता की सेवा में जुटें और सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने में अपनी महती भूमिका अदा करें। उन्होंने कार्यकर्ताओं से पश्चिम बंगाल, केरल और जम्मू-कश्मीर जैसे चुनौतीपूर्ण राज्यों में राष्ट्रवाद के लिए संघर्ष कर रहे कार्यकर्ताओं से प्रेरणा लेने का आह्वान किया।

डिप्टी सीएम शर्मा बोले : राष्ट्रवाद का भाव ही संगठन की असली प्रेरणा

समापन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित प्रदेश के उपमुख्यमंत्री एवं गृह मंत्री विजय शर्मा ने कार्यकर्ताओं की जिज्ञासाओं का समाधान किया। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि राष्ट्रवाद का भाव ही आपको संगठन में निस्वार्थ कार्य करने की प्रेरणा देता है। उन्होंने इस दौरान पश्चिम बंगाल के भाजपा कार्यकर्ताओं के कड़े संघर्ष की गाथा सुनाई। डिप्टी सीएम ने राज्य सरकार की उपलब्धियों का बखान करते हुए डॉ. रमन सिंह के कार्यकाल की पीडीएस योजना का विशेष जिक्र किया। जिसने प्रदेश की तस्वीर बदली। इसके साथ ही गृह मंत्री ने बस्तर में नक्सलवाद के खात्मे की कार्ययोजना की जानकारी देते हुए इस सफलता का श्रेय डॉ. रमन सरकार के सलवा जुडूम अभियान, केंद्रीय गृह मंत्री के दृढ़ संकल्प और मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की दूरदृष्टि को दिया।

दिग्गज नेताओं ने दी संगठनात्मक कार्यों की बारीकियां

प्रथम दिन (सोमवार) को प्रदर्शनी सत्र का उद्घाटन पूर्व महापौर शरद वर्मा ने किया। इसके बाद आयोजित 7 सत्रों में विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह, प्रदेश संयोजक (प्रशिक्षण विभाग) डॉ. अवधेश जैन, सांसद संतोष पांडे, भाजपा प्रदेश महामंत्री यशवंत जैन, आईटी सेल सह-संयोजक प्रमोद सिंह एवं प्रदेश संगठन महामंत्री पवन साय ने कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। वहीं द्वितीय दिन (मंगलवार) को समापन दिवस के सत्रों में पर्यटन विभाग के अध्यक्ष नीलू शर्मा, नागरिक आपूर्ति निगम के अध्यक्ष संजय श्रीवास्तव, प्रदेश भाजपा उपाध्यक्ष जगन्नाथ पाणिग्रही, श्रीमती शताब्दी पाण्डेय और प्रदेश भाजपा मंत्री जितेंद्र वर्मा ने अपने-अपने तय विषयों पर कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षित किया।

जूनियर स्पीड हैंडबॉल नेशनल प्रतियोगिता में छत्तीसगढ़ महिला टीम ने जीता कांस्य पदक

राजनांदगांव (दावा)। बागपत (यूपी) में आयोजित द्वितीय जूनियर स्पीड हैंडबॉल राष्ट्रीय प्रतियोगिता में छत्तीसगढ़ महिला टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए तीसरे स्थान के लिए हुए मैच में हरियाणा को संघर्ष पूर्ण मैच में 10-09 से पराजित कर कांस्य पदक अपने नाम किया। इसके पूर्व टीम ने दिल्ली, झारखंड, बिहार और वेस्ट बंगाल को पराजित किया था सेमीफाइनल में वह संघर्ष पूर्ण मुकाबले में चंडीगढ़ से 11-13 हार गई। प्रतियोगिता के दौरान टीम की खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट खेल कौशल, अनुशासन एवं टीम भावना का परिचय देते हुए राज्य को राष्ट्रीय स्तर पर गौरवान्वित किया।

टीम ने लीग चरण से लेकर नॉक आउट मुकाबलों तक बेहतरीन प्रदर्शन किया। खिलाड़ियों ने कठिन मुकाबलों में संघर्षपूर्ण खेल दिखाते हुए सेमीफाइनल तक का सफर तय किया तथा कांस्य पदक जीतकर प्रतियोगिता का समापन किया। टीम में राजनांदगांव की नेहा यादव (कप्तान) करुणा यादव, ज्योति मंडावी, डेनिका ऐले, कनक जोगी, तनुजा मंडावी, लिशा मरकाम तथा टीम की कोच श्रीमती शबनम अंसारी आदि शामिल थी। टीम की इस उपलब्धि पर विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह, सांसद संतोष पांडे, महापौर मधुसूदन यादव, युवा आयोग के पूर्व अध्यक्ष जितेंद्र मुदलियार, पूर्व महापौर हेमा देशमुख खेल विभाग के सहायक संचालक ए एक्का सहित खेलप्रेमियों ने खिलाड़ियों को बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की है। यह सफलता राज्य में स्पीड हैंडबॉल खेल के बढ़ते स्तर और खिलाड़ियों की मेहनत का परिणाम है। जिला हैंडबॉल संघ के अध्यक्ष सूर्यकांत जैन और सचिव प्रिंस भाटिया ने खिलाड़ियों के समर्पण, नियमित अभ्यास और संघर्षशीलता की सराहना करते हुए कहा कि यह उपलब्धि भविष्य में और बेहतर प्रदर्शन के लिए खिलाड़ियों को प्रेरित करेगी। राज्य के लिए कांस्य पदक एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। जो आने वाले वर्षों में राष्ट्रीय स्तर पर और अधिक सफलताओं का मार्ग प्रशस्त करेगा।

नाबालिग से दुष्कर्म कर आत्महत्या के लिए उकसाने वाला ढाबा संचालक पुलिस गिरफ्त में

राजनांदगांव (दावा)। सोमनी पुलिस ने अपने थाना क्षेत्र के अंतर्गत एक नाबालिग बालिका से दुष्कर्म करने और उसे प्रताड़ित कर आत्महत्या के लिए मजबूर करने वाले मुख्य आरोपी को तत्परता दिखाते हुए गिरफ्तार कर लिया है। इसके साथ ही क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से सोमनी पुलिस ने वाद-विवाद व अशांति फैलाने वाले कुछ अन्य आरोपियों को भी प्रतिबंधात्मक धाराओं के तहत गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया है।

कॉल सेंटर में काम करने आई थी पीड़िता, कमरे में बंद कर किया दुष्कर्म

सोमनी थाना प्रभारी निरीक्षक दिलीप पटेल ने मामले का खुलासा करते हुए बताया कि मृतका की मां (प्रार्थियां) ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि उनकी नाबालिग पुत्री करीब 2-3 महीने पहले कॉल सेंटर में काम करने के लिए टेड़ेसरा आई हुई थी। इस दौरान वह टेड़ेसरा स्थित रंजीत सिंह के ढाबा में ही रह रही थी। बीते करीब 15 दिनों से वह टेड़ेसरा में ही एक किराए के मकान में रहने लगी थी। पीड़िता ने अपनी मां को बताया था कि ढाबा संचालक रंजीत सिंह उसके साथ लगातार मारपीट करता था और जबरन शारीरिक संबंध बनाता था। जब भी पीड़िता अपने घर वापस जाने की बात कहती तो आरोपी उसे डरा-धमकाकर कमरे में बंद कर देता था। आरोपी की इसी प्रताड़ना और दुष्कर्म से तंग आकर अंततः नाबालिग पीड़िता ने आत्मघाती कदम उठाते हुए आत्महत्या कर ली। प्रार्थियां की लिखित शिकायत पर सोमनी पुलिस ने आरोपी रंजीत सिंह के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 64 (दुष्कर्म), 127(2) (गलत तरीके से बंधक बनाना), 108 (आत्महत्या के लिए उकसाना) तथा 3, 4 पॉक्सो एक्ट के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया था। पुलिस टीम ने घेराबंदी कर आरोपी रंजीत सिंह पिता शीतल सिंह उम्र 22 वर्ष मूल निवासी ग्राम सौंदर, थाना डुग्गीपार, जिला गोंदिया, हाल पता- पीएनआर ढाबा, अरोरा फ्यूल्स टेड़ेसरा, थाना सोमनी को हिरासत में लिया। कड़ाई से पूछताछ करने पर आरोपी ने अपना जुर्म स्वीकार कर लिया। जिसके बाद उसे विधिवत गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश किया गया। जहां से उसे जेल भेज दिया गया है।

कर्ज चुकाने के बाद भी लाखों की अवैध वसूली का आरोप, प्रताड़ना से तंग आकर व्यापारी ने किया सुसाइड का प्रयास

डोंगरगढ़ (दावा)। शहर के गोल बाजार क्षेत्र के एक प्रतिष्ठित व्यापारी ने अपने ही पड़ोसी व्यवसायी और उसके साथियों पर मानसिक प्रताड़ना, जान से मारने की धमकी और अवैध वसूली का गंभीर आरोप लगाया है।

पीड़ित व्यापारी का कहना है कि उसने उधार ली गई पूरी रकम ब्याज सहित दोगुनी से अधिक चुका दी है, इसके बावजूद उससे लाखों रुपए की अतिरिक्त मांग की जा रही है। इस लगातार प्रताड़ना और तनाव से परेशान होकर व्यापारी ने पूर्व में आत्महत्या करने का भी प्रयास किया था। अंततः अब पीड़ित ने थाना पहुंचकर अनावेदकों के खिलाफ लिखित शिकायत दर्ज कराई है और न्याय की गुहार लगाई है।

o गोल बाजार के जूता व्यवसायी ने पड़ोसी दुकानदार व उसके साथियों के खिलाफ थाने में की शिकायत; 10 लाख के बदले 22 लाख देने का दावा

10 लाख के एवज में पटा चुके हैं 22 लाख रुपए

पुलिस को दिए आवेदन में गोल बाजार स्थित 'पीहू बूट हाउस' के संचालक चंदन राय ने बताया कि उन्होंने अपनी व्यावसायिक जरूरत के समय परिचित व्यवसायी अतुल जैन से करीब 10 लाख रुपए उधार लिए थे। शिकायतकर्ता का दावा है कि उन्होंने ईमानदारी से ऑनलाइन ट्रांजैक्शन और नकद माध्यमों से कुल 22 लाख रुपए वापस कर दिए हैं, जिसमें मूलधन के साथ-साथ तय ब्याज भी शामिल है।

सुरक्षा चेक और कोरे स्टाम्प के दुरुपयोग की आशंका

आवेदक चंदन राय के अनुसार, उधार लेते समय सुरक्षा के तौर पर उन्होंने अतुल जैन के पास अपने विभिन्न बैंक खातों के हस्ताक्षरित चेक और कोरे स्टांप पेपर जमा किए थे। पीड़ित का आरोप है कि पूरी रकम दोगुनी कर लौटाने के बाद भी संबंधित व्यक्ति और उसके साथी लगातार 23 लाख रुपए की अतिरिक्त मांग कर रहे हैं। रकम न देने पर चेक बाउंस कराने और कोरे स्टांप का दुरुपयोग करने की धमकी दी जा रही है, जिससे वे गहरे मानसिक तनाव में हैं।

आत्महत्या का प्रयास रहा विफल, अस्पताल में जारी है इलाज

शिकायतकर्ता ने आवेदन में अपनी आपबीती बताते हुए कहा कि लगातार मिल रही धमकियों और सामाजिक प्रतिष्ठा धूमिल होने के डर से वे इस कदर टूट गए थे कि उन्होंने बीते दिनों आत्मघाती कदम उठाते हुए आत्महत्या का प्रयास किया था। हालांकि, समय रहते परिजनों को पता चल जाने से उन्हें तत्काल अस्पताल ले जाया गया। जिससे उनकी जान बच सकी। पीड़ित ने बताया कि इस खौफनाक घटना के बाद से वर्तमान में भी उनका मानसिक स्वास्थ्य संबंधी चिकित्सकीय उपचार जारी है।

न्याय नहीं मिला तो अप्रिय घटना के जिम्मेदार होंगे आरोपी

पीड़ित जूता व्यवसायी ने पुलिस प्रशासन से इस पूरे मामले की निष्पक्ष और गहन जांच कर आरोपियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है। पीड़ित ने अपनी सुरक्षा को लेकर गंभीर चिंता जताते हुए लिखित में कहा है कि यदि पुलिस द्वारा उन्हें समय पर न्याय नहीं दिलाया गया और भविष्य में उनके या उनके परिवार के साथ कोई भी अप्रिय घटना घटती है, तो उसकी संपूर्ण जिम्मेदारी सीधे तौर पर संबंधित अनावेदक लोगों की होगी।

रासायनिक खादों से खराब हो रही जमीन को बचाएगा 20 दिनों में तैयार होने वाला 'जीवामृत' - अशोक चौधरी

0 केंद्र सरकार के 'खेत बचाओं अभियान' में किसान निभाएं महती भूमिका, प्रगतिशील कृषक ने साझा की जैविक खाद निर्माण की अनूठी विधि

राजनांदगांव (दावा)। आधुनिक खेती में रासायनिक खादों और कीटनाशकों के अंधाधुंध प्रयोग से खेतों की सेहत लगातार बिगड़ती जा रही है। मिट्टी के इसी गिरते स्वरूप को वापस पुराने और प्राकृतिक रूप में लाने के लिए केंद्र सरकार के कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा 'खेत बचाओ पखवाड़ा' चलाया जा रहा है। इस अभियान को सफल बनाने और अपनी जमीन को दोबारा जीवित करने के लिए अब किसानों को खुद आगे आना होगा। यह बात क्षेत्र के प्रगतिशील किसान अशोक चौधरी ने कही।

गोपालन की कमी के बीच 'जीवामृत' है बेहतर विकल्प

कृषक अशोक चौधरी ने बताया कि पारंपरिक तौर पर एक एकड़ खेत में 6 से 8 टन अच्छी तरह सड़ी हुई गोबर की खाद डालने से फसलों को पर्याप्त मात्रा में नाइट्रोजन (यूरिया), पोटाश, सल्फर, सुपर फास्फेट और अन्य सूक्ष्म तत्व मिल जाते हैं, लेकिन आज के वर्तमान समय में जब गोपालन कम हो गया है और बैलों से खेती लगभग बंद हो चुकी है, तो किसानों के सामने गोबर खाद की उपलब्धता का बड़ा संकट है। इस संकट का सबसे सटीक और सरल समाधान 'जीवामृत जैविक खाद' है, जो मात्र 20 दिनों के भीतर पूरी तरह तैयार हो जाता है। कई उन्नतशील किसान इसका प्रयोग कर बड़ा लाभ कमा रहे हैं।

निर्माण की सरल विधि

एक बड़े बर्तन में ऊपर बताई गई सभी सामग्रियों को 10 लीटर पानी के साथ अच्छी तरह मिला लें। इस मिश्रण को 7 से 8 दिनों के लिए छोड़ दें। इस दौरान प्रतिदिन दिन में दो बार (सुबह और शाम) एक लकड़ी की सहायता से पूरे घोल को घड़ी की सुई घूमने की दिशा में घुमाएं।

छिड़काव के समय रखें इस विशेष बात का ध्यान

अशोक चौधरी ने किसानों को सचेत करते हुए कहा कि चूंकि सरसों की खली की तासीर गर्म होती है, इसलिए इस जीवामृत का प्रयोग तेज धूप के समय भूलकर भी न करें। जब संध्या काल (शाम) में मौसम और पानी ठंडा हो जाए। तब इस तैयार घोल को 100 लीटर पानी में मिलाकर प्रति एकड़ के हिसाब से फसलों पर छिड़काव करें।

धान से लेकर सब्जी, दलहन और तिलहन में भी असरदार

यह जैविक खाद फसलों में पोषक तत्वों की कमी को दूर करने में पूरी तरह सक्षम है। यह धान और सब्जी की खेती में जहां बेहतरीन परिणाम देती है। वहीं दलहन (दालों) और तिलहन की फसलों में इसे स्प्रेयर मशीन के माध्यम से आसानी से छिड़का जा सकता है। उन्होंने क्षेत्र के किसान भाइयों से अपील की है कि थोड़ी सी मेहनत और जागरूकता दिखाकर हम अपनी जमीनों को बंजर होने से बचा सकते हैं।

घर पर ऐसे तैयार करें जीवामृत खाद (प्रति एकड़ सामग्री व विधि)

प्रगतिशील किसान ने अन्य कृषक भाइयों की मदद के लिए जीवामृत बनाने की अत्यंत सरल और घरेलू विधि भी साझा की है, जो इस प्रकार है:

आवश्यक सामग्रियां:

शुद्ध सरसों खली : 1 किलोग्राम

बिना रसायन वाला काला गुड़ :100 ग्राम (बैक्टीरिया बढ़ाने के लिए)

दही या छाछ :100 ग्राम (खाद की दुर्गंध दूर करने के लिए)

सड़ी हुई गोबर खाद :100 ग्राम (कम से कम एक साल पुरानी)

पीपल या बरगद के नीचे की मिट्टी :200 ग्राम (जहां कभी रासायनिक खाद न डली हो)

पीसी हल्दी :2 चम्मच

केले के छिलके का पेस्ट :3-4 केले के छिलकों को बारीक काटकर, पानी में उबालकर ठंडा किया हुआ।

लकड़ी की राख :100 ग्राम

पानी :10 लीटर

रेलवे प्लेटफार्म पर संदिग्ध अवस्था में बैठी बालिका को आरपीएफ ने सकुशल चाइल्ड लाइन को सौंपा

राजनांदगांव (दावा)। स्थानीय रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर 02 पर संदिग्ध और गुमसुम अवस्था में अकेली बैठी एक मासूम बालिका को रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने अपनी सुरक्षा में लिया। इसके बाद सभी आवश्यक कानूनी औपचारिकताएं पूरी करते हुए बालिका को चाइल्ड लाइन के सुपुर्द कर दिया गया है। रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट प्रभारी निरीक्षक तरुणा साहू ने बताया कि मंडल सुरक्षा आयुक्त चेतन दिलीप राव जिचकर के निर्देशन व उनके नेतृत्व में चलाए जा रहे 'ऑपरेशन नन्हे फरिश्ते' के तहत आरपीएफ टीम द्वारा यह सराहनीय व संवेदनशील कार्य किया गया है।

गश्त के दौरान काउंटर के पास मिली बालिका

आरपीएफ से मिली जानकारी के अनुसार 1 जून को दोपहर लगभग 1:30 बजे रेलवे सुरक्षा बल की टीम प्लेटफार्म पर नियमित गश्त कर रही थी। इसी दौरान प्लेटफार्म नंबर 2 स्थित अक्षिता काउंटर के पास एक नाबालिग बालिका बेहद डरी और सहमी हुई अवस्था में अकेली बैठी पाई गई। महिला आरक्षकों और आरपीएफ टीम ने जब बालिका को भरोसे में लेकर प्यार से पूछताछ की तो उसने बताया कि वह अपने परिजनों को बिना कुछ बताए घर से अकेले ही निकल आई है।

ऑपरेशन नन्हे फरिश्ते के तहत रेलवे सुरक्षा बल ने दिखाई मुस्तैदी, घर से बिना बताए निकल आई थी मासूम

परिजनों को दी गई सूचना, एसओपी का हुआ पालन

बालिका की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए आरपीएफ टीम उसे तत्काल सम्मानपूर्वक रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट लेकर आई। वहां उसे भोजन-पानी उपलब्ध कराने के साथ ही उसके द्वारा बताए गए पते के आधार पर परिजनों से संपर्क साधकर घटना की पूरी जानकारी दी गई। इसके साथ ही आरपीएफ द्वारा मामले की आधिकारिक सूचना रेलवे स्टेशन पर कार्यरत चाइल्ड लाईन, शासकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी) एवं स्टेशन प्रबंधन को भी दी गई। अंत में, निर्धारित एसओपी (मानक संचालन प्रक्रिया) का कड़ाई से पालन करते हुए उक्त नाबालिग बालिका को आगे की काउंसिलिंग और सुरक्षित देखरेख के लिए चाइल्ड लाइन राजनांदगांव के सुपुर्द किया गया। आरपीएफ की इस त्वरित और मानवीय कार्रवाई की हर तरफ सराहना हो रही है।

राजगामी संपदा की नवनियुक्त अध्यक्ष पूर्णिमा साहू ने डॉ. डी.सी. जैन से की सौजन्य भेंट

राजनांदगांव (दावा)। छत्तीसगढ़ शासन द्वारा राजगामी संपदा ट्रस्ट की नवनियुक्त अध्यक्ष श्रीमती पूर्णिमा साहू ने कार्यभार संभालने के बाद वरिष्ठों से आशीर्वाद लेने के क्रम में एक महत्वपूर्ण सौजन्य भेंट की। श्रीमती साहू, अनिता मानिकपुरी के साथ वरिष्ठ अधिवक्ता एवं श्री शिवनाथ क्षेत्रीय विकास समिति के अध्यक्ष डॉ. डीसी जैन से मिलने उनके निवास स्थान पहुंचीं। इस अवसर पर पूर्व नगर निगम पार्षद नमिताभ जैन एवं उनके परिवार द्वारा नवनियुक्त अध्यक्ष का आत्मीय स्वागत किया गया तथा राजगामी ट्रस्ट की कमान मिलने पर उन्हें बधाई व शुभकामनाएं दी गईं। श्रीमती पूर्णिमा साहू को इस गरिमामयी पद की जिम्मेदारी मिलने पर वरिष्ठ अधिवक्ता डॉ. डीसी जैन ने उन्हें जीत का आशीर्वाद दिया। उन्होंने साहू परिवार से अपने पिछले 35 वर्षों के पुराने पारिवारिक व आत्मीय संबंधों को याद किया। डॉ. जैन ने पूर्णिमा साहू के छात्र जीवन से लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विभिन्न सांगठनिक पदों पर रहते हुए दी गई निष्ठावान सेवाओं का विशेष उल्लेख किया। उन्होंने विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह और मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि पूर्णिमा साहू को अध्यक्ष तथा मनोज निर्वाणी को उपाध्यक्ष नियुक्त करने के फैसले से राजगामी संपदा के कार्यों को नई गति मिलेगी और ट्रस्ट की संपत्तियों का उपयोग क्षेत्र के विकास में सही ढंग से हो सकेगा।

इस अवसर पर श्री शिवनाथ क्षेत्रीय विकास समिति के संगठन सचिव राकेश इंदुभूषण ठाकुर ने पूर्णिमा साहू से अपने वर्षों पुराने परिचय का जिक्र करते हुए कहा कि उन्हें समाजसेवा के क्षेत्र का व्यापक और जमीनी अनुभव है। उन्होंने विश्वास जताया कि श्रीमती साहू के कुशल नेतृत्व और कार्यकाल में राजगामी संपदा का सर्वांगीण विकास सुनिश्चित हो सकेगा। मुलाक़ात के दौरान राजगामी संपदा की अध्यक्ष पूर्णिमा साहू ने भावुक होते हुए कहा कि बाबूजी (डॉ. डी.सी. जैन) सदा से मेरे मार्गदर्शक रहे हैं और उनके परिवार से मेरा बचपन का रिश्ता है। उन्होंने अपनी राजनीतिक यात्रा का जिक्रकरते हुए कहा कि पूर्व में पार्षद पद से लेकर अब तक उन्हें संगठन द्वारा जो भी जिम्मेदारी मिली। उसे उन्होंने बखूबी निभाया है। श्रीमती साहू ने आगे कहा कि देश भर में नारी सशक्तिकरण का सम्मान बढ़ाने के लिए वे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का धन्यवाद ज्ञापित करती हैं। साथ ही उन्हें इस बड़े दायित्व और जनसेवा का अवसर प्रदान करने के लिए मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह सहित सभी वरिष्ठ नेताओं का आभार जताते हुए राजनांदगांव की जनता जनार्दन को कोटि-कोटि नमन किया।

अनमोल दावा

> जिस व्यक्ति ने कभी कोई गलती नहीं की, उसने कभी कुछ नया करने की कोशिश नहीं की।

तालमेल और सहयोग बढ़ाने की आवश्यकता

गेहूं और सरसों की फैसल तैयार है, मंडियों में खरीददारी शुरू हो गई है। कुछ मंडियों में सुचारू रूप से खरीदारी हो रही है किंतु ऐसी बहुत सी मंडियां हैं, जहां किसानों को परेशानियां झेलनी पड़ रही है।

कहीं बारिश और ओले के कारण खेत में अनाज गीला हो गया है तो कहीं मंडी में खुले आसमान के नीचे। किसान की गाढ़ी कमाई पर पानी फिर रहा है, अधिकारी नम माल लेने से मना कर रहे हैं।

मंडियों में अव्यवस्था के कारण किसान का सब्र टूट रहा है और कुछ जगहों पर किसानों ने अपना रोष भी प्रकट किया है। अनेक मंडियों में उठान की स्थिति खराब है, शेड में, बाहर सड़क पर माल पड़ा है, टोकन काटने की व्यवस्था ठीक नहीं है। कभी-कभी मंडी के आगे मीलों लंबी लाइन लग जाती है, रात रात भर किसान को जागकर अपने माल की सुरक्षा करनी पड़ती है। मूलभूत सुविधाओं जैसे पीने का स्वच्छ पानी, शौचालय और साफ-सफाई का अभाव है।

मंडी को जाने वाली सड़कों में गड्ढे, अवैध रूप से खड़े वाहन और आवारा पशु, जगह-जगह जाम की समस्या से किसानों को जूझना पड़ता है। कुछ मंडियों में कंप्यूटर ऑपरेटर और स्टाफ की कमी है तो कुछ में तौल के लिए कांटे की व्यवस्था भी समय पर नहीं हो पाई। आवश्यक मात्रा में बारदानों (कट्टों) का अभाव भी परेशानी का कारण बन जाता है। यद्यपि सभी मंडियों में ऐसी अव्यवस्था नहीं है किंतु काफी संख्या में ऐसे मंडी है जहां व्यवस्था सुधार की एवं मंडी प्रबंधकों और सरकारी विभाग के बीच तालमेल और सहयोग बढ़ाने की आवश्यकता है ताकि किसान आसानी से अपनी फसल बेच सकें।

अनाज की खरीद के सीजन में मंडियों से जो रिपोर्ट आ रही हैं वे चिंताजनक हैं। चरखी दादरी में पहले ही दिन मंडी में हजारों किसान फसल लेकर पहुंचे, लंबी लाइन लग गई, किसानों के वाहन घंटों जाम में फंसे रहे, पुलिस और प्रशासन को स्थिति संभालने के लिए खासी मशक्कत करनी पड़ी। बैकडोर से टोकन लेने और व्यापारियों के वाहनों को बैकडोर से एंट्री देने के आरोप लगे। रोहतक की एक मंडी में किसानों को मजबूरी में अपनी फसल प्राइवेट कंपनियों को बेचने के आरोप लगे। ओला और बे मौसम बारिश की वजह से वहां फसल खराब हुई, अधिकारी फसल में नमी के कारण खरीद नहीं कर रहे थे।

सोनीपत के गन्नौर में मंडी सेक्रेटरी और अधिकारियों की मिलीभगत से किसानों को जो नुकसान हुआ उससे उनमें जबरदस्त रोष था, मंडी पर उन्होंने ताला लगा दिया। पोर्टल पर फसल रजिस्ट्रेशन करवाने में भी धांधली के आरोप लगे। जहां किसान की 5 से 6 एकड़ का रजिस्ट्रेशन था वहां अधिकारी 1 से 2 एकड़ का माल ही खरीद रहे थे। भिवानी की एक मंडी में हजारों क्विंटल सरसों खरीद के बाद कट्टों में पड़ी बारिश में भीग गई, बचाव का कोई इंतजाम नहीं था।

पूरी मंडी पानी से तरबतर थी, फसल की गुणवत्ता पर बुरा असर पड़ा जिसका खामियाजा किसानों को भुगतना पड़ रहा है। मौसम खराब होने की आशंका से किसानों ने भारी मजदूरी देकर समय से फसल कटवा दिया था और अब जब फसल लेकर मंडी पहुंचे तो वहां मौसम की मार झेलनी पड़ी। सरसों का रंग भूरा हो गया और उसकी गुणवत्ता कम हो गई। सिरसा की मंडी में उठान की स्थिति बेहद खराब रिपोर्ट की गई। उठान के लिए एजेंसियों का चुनाव समय से नहीं हुआ।

गेहूं की आवक एकाएक बढ़ जाने से अधिकारियों के हाथ पैर फूलने लगे, टोकन काटने के लिए पर्याप्त मात्रा में कर्मचारी नहीं थे, ना ही पूरे कंप्यूटर ऑपरेटर। नियमानुसार फसल उठान ट्रकों द्वारा किया जाना चाहिए किंतु एजेंसी ट्रैक्टर-ट्राली द्वारा करा रही है जो सस्ती पड़ती है। यह तब हो रहा है जब ट्रैक्टर के कमर्शियल उपयोग पर रोक लगी हुई है। पंजाब की मंडियों में फसल पहुंच रही है, लेकिन खरीद का पुख्ता इंतजाम बहुत कम मंडियों में है।

'मेरी फसल मेरा ब्योरा' के तहत प्रदेश के 9.25 लाख किसानों ने फसल बेचने के लिए 6.45 लाख एकड़ का पंजीकरण कराया। आरोप लगाया जा रहा है कि 10. 40 एकड़ रकबा ऐसा है, जिसका डेटा मिसमैच कर रहा है। मध्य प्रदेश के कई मंडियों में समय से उठान न होने से आवारा पशुओं से अनाज की रक्षा के लिए किसान रात रात भर जाकर अपने फसल की रक्षा करते हैं। अवैध रूप से ट्रक खड़े रहते हैं, मंडी को जोड़ने वाली सड़कों में गड्ढे, सफाई की कमी और मंडी में अतिक्रमण जैसी अव्यवस्था से किसान जूझ रहे हैं।

देश के लगभग सभी प्रदेशों में मंडियों की व्यवस्था में सुधार की आवश्यकता है इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता। पिछले वर्ष इन्हीं दिनों दिल्ली की नरेला मंडी, जो एशिया की सबसे बड़ी अनाज मंडी है, उसमें करोड़ों रु पए का अनाज भीग गया था, बारिश से बचाव का कोई पुख्ता इंतजाम नहीं था। मंडियों में व्यवस्था के खिलाफ आढ़तियों की अपनी शिकायतें हैं। उनका मानना है कि उन्हें जो आढ़त मिलती है वह कम हैं, उनके खर्चे पूरे नहीं होते, उसमें बढ़ोतरी होनी चाहिए। मंडी के श्रमिकों के पारिश्रमिक के बारे में भी सरकार को विचार करना चाहिए खाद्य पदाथरे और जीवन की आवश्यकता की वस्तुओं की कीमतें दिनों-दिन बढ़ रही है श्रमिकों की मजदूरी भी बढ़ाई जानी चाहिए।

किसानों को मंडी में अपनी मेहनत का पूरा पैसा मिले इसके लिए आवश्यक है कि निर्धारित न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) से कम दर पर खरीद ना की जाए। जहां अनाज में नमी उनकी गलती से ना हो उसके लिए उन्हें क्यों दंडित किया जाए? मंडियों में मूलभूत सुविधाएं जैसे पेयजल, शौचालय, साफ-सफाई, खाने पीने की व्यवस्था और किसानों के रुकने की व्यवस्था पर विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए। मंडियों से जुड़ी सड़कों को पक्की किया जाना चाहिए जहां अभी ऐसा नहीं है। खरीद के सीजन में जाम न लगे इसकी व्यवस्था भी स्थानीय प्रशासन को पहले से ही करना चाहिए।

अब न्याय होगा ऑनलाईन : छत्तीसगढ़ की राजस्व ई-कोर्ट परियोजना बनी डिजिटल सुशासन की नई मिसाल

डिजिटल क्रांति से बदल रही है राजस्व न्याय व्यवस्था

विष्णु प्रसाद वर्मा

रायपुर (दावा)। भारत तेजी से डिजिटल प्रशासन की ओर बढ़ रहा है और इसी दिशा में छत्तीसगढ़ ने राजस्व प्रशासन को आधुनिक, पारदर्शी और आमजन के लिए सहज बनाने की दिशा में एक ऐतिहासिक पहल की है। राज्य सरकार द्वारा लागू की गई 'राजस्व ई-कोर्ट परियोजना' अब केवल एक तकनीकी व्यवस्था नहीं रह गई है, बल्कि यह ग्रामीण और शहरी नागरिकों के लिए न्याय प्राप्ति की प्रक्रिया को सरल, त्वरित और भरोसेमंद बनाने वाला प्रभावशाली माध्यम बन चुकी है।

वर्षों तक राजस्व मामलों में आम लोगों को तहसील, एसडीएम कार्यालय और कलेक्टर कार्यालयों के चक्कर लगाने पड़ते थे। नामांतरण, बंटवारा, सीमांकन, फौती प्रकरण, खाता सुधार या भूमि विवाद जैसे मामलों में पेशी की तारीख जानने, आदेश की प्रति लेने या केस की स्थिति समझने में समय, धन और ऊर्जा तीनों की भारी खपत होती थी। कई बार बिचौलियों और भ्रष्टाचार का सामना भी करना पड़ता था। लेकिन अब वही पूरी प्रक्रिया डिजिटल प्लेटफॉर्म पर आ चुकी है।

छत्तीसगढ़ की ई-कोर्ट परियोजना ने राजस्व न्यायालयों की पारंपरिक कार्यप्रणाली को बदलकर उसे 'पेपरलेस', 'स्मार्ट' और 'जनकेंद्रित' बना दिया है। नायब तहसीलदार से लेकर कलेक्टर और राजस्व मंडल तक की न्यायिक प्रक्रिया अब ऑनलाइन संचालित हो रही है। इससे न केवल प्रशासनिक पारदर्शिता बढ़ी है, बल्कि आम नागरिकों का भरोसा भी मजबूत हुआ है।

ई-कोर्ट व्यवस्था एक प्रभावी समाधान-मुख्यमंत्री विष्णु देव साय

मुख्यमंत्री ने राजस्व ई-कोर्ट परियोजना को सुशासन और डिजिटल प्रशासन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताते हुए कहा है कि राज्य सरकार का उद्देश्य प्रशासनिक प्रक्रियाओं को सरल, पारदर्शी और जनता के लिए सुलभ बनाना है। उन्होंने कहा कि तकनीक का उपयोग तभी सार्थक माना जाएगा, जब उसका सीधा लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे। राजस्व मामलों में वर्षों से चली आ रही जटिलताओं को समाप्त करने के लिए ई-कोर्ट व्यवस्था एक प्रभावी समाधान बनकर सामने आई है। अब नागरिकों को छोटी-छोटी जानकारियों के लिए कार्यालयों के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। सरकार न्याय प्रक्रिया को लोगों के मोबाइल तक पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है।

उन्होंने यह भी कहा कि डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से पारदर्शिता बढ़ने से भ्रष्टाचार और बिचौलियों की भूमिका स्वतः समाप्त होगी तथा आम लोगों का शासन-प्रशासन पर विश्वास और मजबूत होगा। मुख्यमंत्री के अनुसार, ''ई-गवर्नेंस केवल तकनीक नहीं, बल्कि जनता को सम्मानपूर्वक और समयबद्ध सेवाएं देने का माध्यम है।

पारदर्शिता और जवाबदेही की नई व्यवस्था

ई-कोर्ट प्रणाली की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इसमें आवेदन प्राप्त होते ही उसका ऑनलाइन पंजीकरण किया जाता है और तत्काल डिजिटल पावती जारी होती है। इससे आवेदक को यह भरोसा मिल जाता है कि उसका आवेदन रिकॉर्ड में दर्ज हो चुका है और अब उसे किसी कर्मचारी या दलाल के भरोसे नहीं रहना पड़ेगा।

इसके बाद की पूरी प्रक्रिया-जैसे नोटिस जारी करना, इश्तहार प्रकाशित करना, पक्षकारों को सूचना भेजना, सुनवाई की तारीख तय करना और अंतिम आदेश पारित करना सभी ऑनलाइन दर्ज होते हैं।प्रत्येक कार्रवाई डिजिटल रिकॉर्ड में सुरक्षित रहती है, जिससे किसी भी स्तर पर हेरफेर की संभावना लगभग समाप्त हो जाती है।

ई-कोर्ट पोर्टल के माध्यम से नागरिक अपने मोबाइल या कंप्यूटर से घर बैठे यह देख सकते हैं कि उनके मामले में पिछली तारीख पर क्या कार्यवाही हुई, अगली पेशी कब है और आदेश जारी हुआ है या नहीं। इससे न्यायालयों के बाहर लगने वाली भीड़ और अनावश्यक भागदौड़ में उल्लेखनीय कमी आई है।

किसानों और ग्रामीण नागरिकों के लिए बड़ी राहत

राजस्व मामलों का सबसे अधिक प्रभाव ग्रामीण क्षेत्रों के किसानों और भू-स्वामियों पर पड़ता है। पहले किसानों को एक छोटी सी जानकारी के लिए भी पूरे दिन का समय निकालकर तहसील मुख्यालय जाना पड़ता था। कई बार केवल अगली तारीख जानने में ही मजदूरी और किराए का नुकसान हो जाता था।

अब ई-कोर्ट व्यवस्था ने यह परेशानी काफी हद तक समाप्त कर दी है। किसान अपने गांव के लोक सेवा केंद्र, चॉइस सेंटर या मोबाइल फोन के माध्यम से ही अपने प्रकरण की जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। इससे समय और धन दोनों की बचत हो रही है तथा ग्रामीण अर्थव्यवस्था को अप्रत्यक्ष रूप से मजबूती मिल रही है।

डिजिटल न्याय व्यवस्था ने ग्रामीण क्षेत्रों में प्रशासन के प्रति विश्वास को भी बढ़ाया है। जब लोगों को अपने आवेदन की ऑनलाइन पावती और हर कार्रवाई की जानकारी समय पर मिलने लगती है, तो पारदर्शिता स्वतः स्थापित होती है।

विवादित जमीनों की जानकारी अब सार्वजनिक

ई-कोर्ट परियोजना का एक अत्यंत महत्वपूर्ण पक्ष यह भी है कि विचाराधीन भूमि विवादों की जानकारी अब ऑनलाइन उपलब्ध रहती है। इससे जमीन खरीदने वाले लोग पहले ही जांच कर सकते हैं कि संबंधित खसरा नंबर पर कोई विवाद या न्यायालयीन प्रकरण लंबित तो नहीं है।

यह व्यवस्था फर्जीवाड़े, अवैध बिक्री और धोखाधड़ी रोकने में अत्यंत प्रभावी साबित हो रही है। पहले कई लोग विवादित भूमि खरीदकर वर्षों तक न्यायालयों के चक्कर काटते रहते थे, लेकिन अब पारदर्शी ऑनलाइन रिकॉर्ड के कारण ऐसी घटनाओं में कमी आई है।

तकनीक के सहारे मजबूत हुआ प्रशासन

राजस्व ई-कोर्ट प्रणाली के सफल संचालन के लिए प्रदेश के राजस्व न्यायालयों में कंप्यूटर, डिजिटल रिकॉर्ड प्रणाली और हाई-स्पीड इंटरनेट की व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। इससे न्यायालयों के कार्य निष्पादन की गति बढ़ी है और अधिकारियों की जवाबदेही भी तय हुई है।

डिजिटल रिकॉर्ड सुरक्षित सर्वर में संग्रहीत होने से अब फाइलों के गुम होने, फटने या रिकॉर्ड में छेड़छाड़ जैसी समस्याएं लगभग समाप्त हो चुकी हैं। प्रशासनिक निगरानी भी आसान हुई है क्योंकि उच्च अधिकारी किसी भी न्यायालय की कार्यवाही ऑनलाइन मॉनिटर कर सकते हैं।

"मोबाइल में कोर्ट" की दिशा में बड़ा कदम

छत्तीसगढ़ की यह पहल वास्तव में ''मोबाइल में कोर्ट'' की अवधारणा को साकार करती दिखाई देती है। अब नागरिकों को केवल जानकारी लेने के लिए कार्यालयों के चक्कर नहीं काटने पड़ते। आदेश की कॉपी डाउनलोड करने से लेकर केस की स्थिति जानने तक अधिकांश सेवाएं ऑनलाइन उपलब्ध हैं।

ई-कोर्ट व्यवस्था ने यह साबित किया है कि यदि प्रशासनिक इच्छाशक्ति और तकनीक का सही समन्वय हो, तो शासन को वास्तव में जनसुलभ बनाया जा सकता है। यह पहल ''ई-गवर्नेंस'' को ''स्मार्ट गवर्नेंस'' में बदलने का उत्कृष्ट उदाहरण बनकर उभरी है।

सुशासन की दिशा में प्रभावी पहल

छत्तीसगढ़ सरकार की राजस्व ई-कोर्ट परियोजना केवल तकनीकी सुधार नहीं, बल्कि आम जनता को न्याय व्यवस्था से सीधे जोड़ने का अभिनव प्रयास है। इसने प्रशासन और नागरिकों के बीच की दूरी कम की है तथा न्यायिक प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी, त्वरित और भरोसेमंद बनाया है।

डिजिटल इंडिया के इस दौर में छत्तीसगढ़ की यह पहल अन्य राज्यों के लिए भी प्रेरणा बन सकती है। यह परियोजना दर्शाती है कि तकनीक का उपयोग केवल सुविधाएं बढ़ाने के लिए नहीं, बल्कि शासन को अधिक उत्तरदायी और नागरिक-केंद्रित बनाने के लिए भी किया जा सकता है। राजस्व न्यायालयों की यह डिजिटल यात्रा वास्तव में ''गढ़बो नवा छत्तीसगढ़'' के सपने को मजबूत आधार प्रदान कर रही है। जहां न्याय, पारदर्शिता और सुविधा अब लोगों की उंगलियों पर उपलब्ध है।

सहायक संचालक, रायपुर

विचार सरिता

मन में बसे हैं राम : 438 : श्री राम, लक्ष्मण और सीता जी फिर घने वन क्षेत्र में नए लक्ष्य की ओर

डॉ. योगेंद्र कुमार पांडेय

प्रातः के स्थान पर चित्रकूट की पर्णकुटी से प्रस्थान समय में विलंब हो रहा है। लक्ष्मण जी ने पोटलिका में वस्त्रों एवं कुछ अन्य आवश्यक सामग्रियों को रखा। श्रीराम के निर्देश के अनुसार सीताजी ने केवल कुछ वस्त्र, जलपात्र एवं सिंदूर समेत आवश्यक श्रृंगार सामग्रियाँ ही रखी हैं। लक्ष्मण जी ने एक-दो वस्त्रों के साथ-साथ अपने पेटक(थैले) में कुठार (कुल्हाड़ी), ऋकच (आरा) व खनित्रम(कुदाली) जैसे औजार भी रखे हैं। सीता जी ने लक्ष्मण जी के पास आकर कहा, ''लक्ष्मण भैया! अपने पेटक में इस लवित्रम (हँसिया) को भी रख लेवें।''

लक्ष्मण जी ने हँसते हुए कहा, ''जी भाभी! आपकी फल-मूल वाली रसोई के लिए यह आवश्यक है।'' लक्ष्मण जी और सीताजी की तरह श्री राम भी तैयारी कर रहे हैं। उन्होंने अस्त्र-शस्त्रों को साथ लिया। अपने धनुष, खड्ग, आदि को रखने के बाद श्रीराम ने लक्ष्मण जी के धनुष-बाण को छोड़कर उनके शेष अस्त्र-शस्त्रों को अपने साथ ही रखा।

पर्ण कुटी के समक्ष खड़े होकर श्री राम, सीताजी और लक्ष्मण जी ने अपने दोनों हाथ जोड़े।

श्री राम ने कहा, ''हे स्थान देवता! ''हे पर्णकुटी! आपने इतने दिनों तक हमें आश्रय दिया है। इसके लिए आपको कोटिशः धन्यवाद।'' इसके बाद तीनों ने चित्रकूट से अत्रि आश्रम(वर्तमान सतना जिला, मध्य प्रदेश) की ओर प्रस्थान किया।

अत्रि ऋषि का आश्रम घने जंगलों में है। चित्रकूट से डेढ़ से दो योजन की यह दूरी मध्य के घने वन और पर्वत क्षेत्र के कारण दुर्गम है। सबसे आगे श्रीराम, मध्य में सीता जी और पीछे लक्ष्मण जी हैं।

श्री राम ने प्रस्थान के लिए जानबूझकर दिन के तीसरे पहर का चुनाव किया था, ताकि आसपास के वन क्षेत्र निवासी उन्हें भावुक होकर रोक न लें। श्रीराम सावधानीपूर्वक पगडंडी पर आगे बढ़ते हैं। कई स्थानों पर साल व अशोक वृक्ष के सूखे पत्तों के गिरे होने से पगडंडी दिखाई नहीं देती है। श्री राम घने वन में छन-छन कर आती सूर्य किरणों से दिशा और मार्ग का अनुमान लगाते हैं और पीछे मुड़कर सीता जी व लक्ष्मण जी को आगे बढ़ने का संकेत करते हैं। तेंदू वृक्षों के नीचे उनके फल गिरे हैं। सीता जी रुकती हैं और तेंदू के फलों को एकत्र करती हैं। दूर तक कोई मनुष्य नहीं, किंतु वृक्षों में चहकते पक्षी और वानरों की उछल-कूद के कारण वातावरण में जीवंतता है।

(भगवान श्री राम की प्रेरक गाथा विश्व की अनेक भाषाओं की शताधिक रामायणों में लिखी गई है। इस कृतज्ञ लेखक ने इस रचना में श्री राम की महागाथा के विविध प्रसंगों से कथा प्रवाह की प्रेरणा प्राप्त की है। उन्होंने विविध प्रसंगों में अनेक स्थानों पर उन्हें मिलने वाली कृपापूर्ण सूझ के साथ - साथ एक साधारण भक्त की अपनी नवीन रचनात्मक कल्पनादृष्टि का भी सहारा लिया है और रामकथा की मौलिक साहित्यिक प्रस्तुति का प्रयत्न किया है।)

शब्द सामर्थ्य -58

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 57 का हल

सामयिक चर्चा

सत्ता का दुरूपयोग यानी भ्रष्टाचार

आज खबर पढ़कर
बानी बोले - गजाधर!
हमारी सोच-समझ सब
हैरानी की दुनिया में खो गई है।
सुनिए तो, पश्चिम बंगाल में
सत्ता बदलने के बाद
सरकारी योजनाओं में हुए
चौकाने वाले घोटालों की परते
खुलनी शुरू हो गई है।
मुख्यमंत्री शुभेन्दु अधिकारी के निर्देश पर
चल रही जांच में
लक्ष्मी भण्डार, आमफल राहत कोष
100 दिन रोजगार योजना
और विधवा भत्ता जैसी
कल्याणकारी योजनाओं में
व्यापार भ्रष्टाचार और जालसाजी का
खुलासा हुआ है।
कृष्णा नगर दो ब्लाक में
एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है
जहां महिलाओं के लिए चलाई जा रही
लक्ष्मी भण्डार योजना का लाभ
173 पुरूष उठा रहे थे।
इन पुरूषों के खाते में
अवैध रूप से पैसे भेजे जा रहा थे।
फिर गजाधर! आगे यह पढ़कर
चकित हुआ हमारा मन
कि पुरूषों को मिल रहा था विधवा भत्ता।
और 2020 में आमफल के
लैण्डफाल सागर द्वीप में हुए चक्रवात के
पीड़ितों के लिए खोले गए
आमफल राहत कोष में भी करोड़ों का गबन।
ममता राज में इस तरह का भ्रष्टाचार?
आपका इस पर क्या कहना है यार !
गजाधर मुस्कराए बोले - बानी !
तुम्हें क्यों हो रही है ऐसी हैरानी-परेशानी!
देखो, ममता राज का था ऐसा असर
कि वहां महिला-पुरूष सब बराबर।
और बानी ! जहां सत्ता का,
टीएमसी राज में,
खुलकर 'उपयोग' हो रहा था यार !
वहां तो होना ही है, भ्रष्टाचार।
(बुधवार 3 जून 2026)

गिरीश बख्शी

राशिफल

मेष
आज का दिन आपके लिए उमंग से भरा रहने वाला है। आज शिक्षा के क्षेत्र में सफलता प्राप्त होगी। जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा। आज आप में चुस्ती फुर्ती रहेगी, आपका स्वास्थ्य आज पूरी तरह से आपका साथ देगा। आज बिना किसी मदद के भी आप धन कमा पाने में सक्षम होंगे, बस आपको खुद पर विश्वास करने की जरूरत है।

वृष राशि
आज का दिन आपके लिए सकारात्मक परिणाम लेकर आएगा। पहले से चली आ रही कोई समस्या आज सुलझ सकती है। आज आपका व्यापार अच्छा चलेगा। आज आप पुराने दोस्तों से मिलने की कोशिश करेंगे। आज आपके मदद की जरूरत के समय कोई ऐसा व्यक्ति आपकी मदद करेगा जिसकी आपने कल्पना भी नहीं की होगी।

मिथुन
आज का दिन आपके लिए व्यस्ताता से भरा हो सकता हैं। आज आपका दिन दोस्तों और परिवार के साथ बीतेगा। आपको कोई बड़ा काम निपटाने की जिम्मेदारी मिल सकती है जिसे पूरा करने के लिए आप खूब मेहनत करेंगे। आज किसी काम में आलस्य नही करेंगे तो आपका काम आसानी से व समय से पूरा हो जायेगा।

कर्क
आज का दिन आपके लिए फेवरेबल रहने वाला है। आज निजी जीवन में सकारात्मकता लाने की कोशिश करेंगे और इसके लिए आप किसी महापुरुष का अनुशरण करेंगे। आपकी ज्यादातर योजनाएं पूरी हो सकती है। आज लोगों से मिलने और बात करने में खुशी महसूस करेंगे। जीवनसाथी के साथ रिश्ते में तालमेल बना रहेगा।

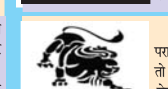

सिंह
आज आपका दिन खुशियों से भरा रहेगा। आज आपके शत्रु परास्त होंगे। अगर आप नया वाहन लेने का विचार कर रहे है तो परिवार वालों से आपको मदद मिल सकती है। काम के प्रति मेहनत देख कर आपके जूनियर आपसे सीखने की कोशिश करेंगे। दूसरे लोग भी आपकी योजना से प्रभावित होंगे। ज्वेलरी की डिजाइनिंग कर रहे लोगों को काम में सफलता मिलेगी।

कन्या
आज आपका दिन शानदार रहेगा। आपके रिश्तों में नई चेतना का संचार होगा। स्टूडेंट्स को करियर से संबंधित अच्छे मौके मिलेंगे। नये लक्ष्य को निर्धारित करने के लिए आज का दिन शुभ है। आज आपसे कोई मदद मांग सकता है। आप उन्हें निराश नहीं करेंगे। किसी काम के लिए आज आप कई बड़े फैसले ले सकते हैं।

तुला
आज का दिन आपके लिए दिन शुभ होने वाला है। जो भी नया करना है, आज पूरा करने का निश्चय करेंगे। आज आप घर की जिम्मेदारियों को अच्छी तरह निपटा सकते हैं और कामकाज निपटाने में आप बहुत हद तक सफल भी रहेंगे। आज अपनी तरफ से हर मामले पर आपको सकारात्मक रहना होगा साथ ही धैर्य और विनम्रता रखें।

वृश्चिक
आज का दिन आपके लिए अच्छा होने वाला है। आज आपके धार्मिक गतिविधि में भी शामिल होने के योग बन रहे हैं। आज दूसरों के साथ बातचीत या सलाह करने से फायदा हो सकता है। आज आप जरूरी काम और रिश्तों के बारे में विचार करेंगे और नयी योजना बनाएंगे। आज आप दूसरों की जरूरतों और भावनाओं को लेकर सेंसिटिव हो सकते हैं।

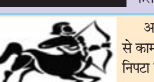

धनु
आज का दिन आपके लिए बढ़िया रहने वाला है। आज शांति से कामकाज निपटाने की कोशिश करेंगे। आज पुरानी देनदारी भी निपटा सकते हैं। आज जीवनसाथी की भावनाओं को समझने में बहुत हद तक आपको सफलता मिलेगी। आज कोई भी कार्य करते समय धैर्य और समझदारी रखें। आज परिवार के कामों में आपका पैसा लग सकता है।

मकर
आज का दिन आपके लिए शानदार रहने वाला है। अपने से बड़े या किसी अनुभवी से सलाह लेकर ही आगे बढ़ने की कोशिश करेंगे। मेहनत, धैर्य और समझदारी से काम निपटा लेंगे। आपके पास बहुत-सी जिम्मेदारियां हो सकती हैं। धैर्य से काम लेंगे तो काम आसानी से पूरा हो जायेगा। आज का दिन आपके लिए दिन संतोषजनक साबित होगा।

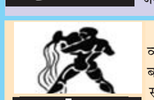

कुंभ
आज का दिन आपके लिए बेहतर रहने वाला है। अपना व्यवहार लचीला रखें और दूसरों की बातें समझने का मन बनाकर चलेंगे। आज कोई बुजुर्ग या वरिष्ठ व्यक्ति आपको सही सलाह दे सकता है। आज व्यापारिक मामलों में आपकी व्यस्तता बढ़ेगी। आज आपके व्यवहार में सकारात्मक बदलाव आयेगा।

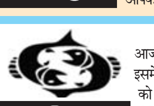

मीन
आज का दिन आपके लिए खुशियों से भरा रहने वाला है। आज ट्रांसफर या प्रमोशन के लिए किसी से बात हो सकती है। इसमें आपको सफलता भी मिलेगी। आज आप अपने करियर को बेहतर बनाने के लिये किसी अनुभवी व्यक्ति से सलाह लेंगे। आज आज कोई महत्वपूर्ण काम निपट सकते हैं। आज आपके सोच में सकारात्मक बदलाव आयेगा।

पीएम आवास निर्माण में लापरवाही पर बड़ी कार्रवाई, खैरागढ़ एसडीएम कोर्ट में 35 हितग्राहियों की पेशी

खैरागढ़ (दावा)। प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के अंतर्गत स्वीकृत आवासों का निर्माण कार्य समय पर प्रारंभ या पूर्ण न करने वाले डिफाल्टर हितग्राहियों के खिलाफ प्रशासन ने कड़ा रुख अख्तियार कर लिया है। जनपद पंचायत खैरागढ़ के अंतर्गत वर्ष 2016 से 2025 तक स्वीकृत आवासों में से वर्तमान में कुल 1008 आवास ऐसे पाए गए हैं। जिनका निर्माण कार्य या तो अप्रारंभ है या अब तक अपूर्ण है। इस गंभीर लापरवाही को शासन के निर्देशों के विपरीत और योजना के क्रियान्वयन में बड़ी बाधा मानते हुए न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व)/ एसडीएम कोर्ट खैरागढ़ द्वारा क्लस्टर (3-4 ग्राम पंचायतों) के अनुसार हितग्राहियों को समन जारी कर सीधे कोर्ट में तलब किया जा रहा है।

इसी कड़ी में बुधवार 3 जून को तीन प्रमुख ग्राम पंचायतो जिसमें देवरी, महरूमकला एवं कुकुरमुडा के कुल 35 अप्रारंभ व अपूर्ण आवास वाले हितग्राहियों को न्यायालयीन समन की विधिवत तामीली कराते हुए अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) एवं एसडीएम टंकेश्वर प्रसाद साहू के समक्ष पेश किया गया। जहां सुनवाई के दौरान कड़ा रुख अपनाते हुए एसडीएम कोर्ट ने सभी हितग्राहियों को आगामी 15 दिवस के भीतर अनिवार्य रूप से आवास निर्माण कार्य पूर्ण करने का अंतिम व सख्त निर्देश दिया है। कोर्ट ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि आगामी पेशी में जो भी हितग्राही अनुपस्थित रहेगा। उसे पुलिस भेजकर न्यायालय में जबरन उपस्थित कराया जाएगा।

0 एक आवास निरस्त कर राशि वसूली के निर्देश
0 अनुपस्थित रहने पर पुलिस भेजकर बुलाने की चेतावनी

लापरवाही पर आवास निरस्त, राशि वापसी का आदेश

बुधवार की न्यायिक सुनवाई के दौरान ग्राम पंचायत कुकुरमुड़ा के निवासी हितग्राही सुशील कुमार साहू पिता मायाराम साहू द्वारा प्रथम किस्त की राशि प्राप्त होने के बावजूद निर्माण कार्य में घोर लापरवाही बरतने पर उनके स्वीकृत आवास को तत्काल प्रभाव से निरस्त कर दिया गया। इसके साथ ही एसडीएम न्यायालय द्वारा उन्हें निर्देशित किया गया है कि शासन से प्राप्त शासकीय राशि को आगामी 15 दिनों के भीतर अनिवार्य रूप से वापस जमा करें। अन्यथा उनके विरुद्ध कठोर कानूनी व शासकीय वसूली की कार्रवाई की जाएगी। न्यायालय में उपस्थित अन्य शेष डिफाल्टर हितग्राहियों ने अपनी गलती स्वीकार करते हुए न्यायालय के समक्ष लिखित प्रतिज्ञा पत्र, सहमति एवं घोषणा पत्र प्रस्तुत किया।

हितग्राहियों ने शासन को आश्वस्त किया है कि वे अविलंब अपने आवास का निर्माण कार्य प्रारंभ कर उसे शीघ्रता से पूर्ण कर लेंगे। अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) टंकेश्वर प्रसाद साहू ने मामले की समीक्षा करते हुए अधिकारियों व हितग्राहियों को सख्त हिदायत दी है कि शासन की राशि बैंक खाते में प्राप्त होने के 15 दिवस के भीतर हर हाल में आवास निर्माण कार्य प्रारंभ करना अनिवार्य है तथा अधिकतम 6 माह की अवधि के भीतर आवास पूर्ण हो जाना चाहिए।

जनपद पंचायत और ग्राम पंचायत स्तर के अधिकारियों को निर्देशित इसके साथ ही लगातार लापरवाही बरतने वाले हितग्राहियों को कम से कम 3 नोटिस जारी किए जाए। यदि इसके बाद भी सुधार नहीं होता है तो उनका आवास निरस्त कर राशि वसूली के लिए प्रकरण सीधे अनुविभागीय अधिकारी कार्यालय को प्रेषित किया जाए, ताकि कानूनी कार्रवाई की जा सके।

सुशासन तिहार : देवकट्टा के जनसमस्या निवारण शिविर में उमड़ा जनसैलाब, मिले 982 आवेदन

○ डोंगरगढ़ विकासखंड के 10 ग्राम पंचायतों के ग्रामीण हुए शामिल, हितग्राहियों को राशन कार्ड, पीएम आवास की चाबियां और लखपति दीदी प्रमाण पत्र का हुआ वितरण

राजनांदगांव (दावा)। सुशासन तिहार 2026 के अंतर्गत डोंगरगढ़ विकसखंड के ग्राम पंचायत देवकट्टा में जनसमस्या निवारण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में ग्राम पंचायत देवकट्टा कलस्टर के 10 ग्राम पंचायत रीवागहन, भैसरा, कलकसा, ढारा, शिवपुरी, घोटिया, कन्हारगांव, सलोनी, देवकट्टा एवं तोतलभर्री के जनप्रतिनिधि, ग्रामीणजन, किसान, बिहान समूह की महिलाएं बड़ी संख्या में शामिल हुए। शिविर में राजस्व, पंचायत एवं ग्रामीण विकास, कृषि, उद्यानिकी, स्वास्थ्य, शिक्षा, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, विद्युत, सहकारिता, वन, परिवहन, खाद्य, मत्स्य, पशुधन विकास सहित विभिन्न विभागों द्वारा स्टॉल लगाकर शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी गई तथा नागरिकों की समस्याओं एवं मांगों से संबंधित आवेदन प्राप्त किए गए। शिविर के दौरान कुल 982 आवेदन प्राप्त हुए। जिनमें 977 मांग एवं 5 शिकायतें शामिल हैं। प्राप्त आवेदनों के त्वरित एवं प्रभावी निराकरण की कार्रवाई संबंधित विभागों द्वारा की जा रही है।

जनसमस्या निवारण शिविर में शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के अंतर्गत पात्र हितग्राहियों को लाभान्वित किया गया। शिविर में 5 हितग्राहियों को नवीन राशन कार्ड वितरित किए गए। प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के अंतर्गत समय-सीमा में आवास पूर्ण करने वाले 4 हितग्राहियों को उनके आवास की चाबी सौंपी गई। वहीं बिहान की 5 महिलाओं को लखपति दीदी प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। स्वास्थ्य विभाग द्वारा आयुष्मान कार्ड एवं एचपीवी टीकाकरण प्रमाण पत्र वितरित किए गए। शिक्षा विभाग द्वारा कक्षा 10वीं एवं 12वीं के 12 मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा गोद भराई कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें गर्भवती महिलाओं को पोषण किट प्रदान कर स्वास्थ्य के प्रति विशेष ध्यान देने के लिए जागरूक किया गया। शिविर के दौरान आयोजित रक्तदान शिविर में 15 लोगों ने स्वेच्छा से रक्तदान कर सामाजिक सरोकार का परिचय दिया। जनसमस्या निवारण शिविर कार्यक्रम में जनपद पंचायत डोंगरगढ़ के उपाध्यक्ष हीराराम वर्मा, अनिल सिन्हा, जैन कुमार मेश्राम, अमर साहू, अजय सिन्हा, अपर कलेक्टर सीएल मारकण्डेय, एसडीएम एम भार्गव, तहसीलदार अमिय श्रीवास्तव, सीईओ जनपद पंचायत श्रीमती भगवती साहू सहित विभिन्न ग्राम पंचायतों के सरपंच एवं जनप्रतिनिधि, विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे।

शहीद नगरी छुईखदान के पाल परिवार का चिराग बुझा, छिंदारी डेम में डूबने से नाबालिग की मौत

(यतेन्द्र जीत सिंह 'छोटू' ब्यूरो चीफ)

खैरागढ़/छुईखदान (दावा)। अंचल के प्रसिद्ध पर्यटन स्थल रानी रश्मि देवी जलाशय (छिंदारी बांध) में बुधवार दोपहर एक बेहद दर्दनाक हादसा हो गया। बांध में नहाने उतरे तीन नाबालिग दोस्तों में से एक 16 वर्षीय बालक गहरे पानी में डूब गया, जिससे उसकी मौत हो गई। मृतक अपने माता-पिता का इकलौता पुत्र था। इस हृदयविदारक घटना के बाद से भाटापारा छुईखदान सहित पूरे इलाके में शोक की लहर दौड़ गई है और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

तैरना नहीं आता था, गहरे पानी में जाने से बिगड़ा संतुलन

प्राप्त जानकारी के अनुसार, छुईखदान के भाटापारा निवासी तीन दोस्त बुधवार दोपहर करीब 12 बजे घूमने के लिए छिंदारी डेम पहुंचे थे। कुछ देर बाद तीनों जलाशय में नहाने के लिए उतरे। बताया जा रहा है कि तीनों ही बालकों को तैरना नहीं आता था। इसके बावजूद वे नहाते-नहाते लापरवाही वश गहरे पानी की ओर चले गए। इसी बीच अचानक उनका संतुलन बिगड़ गया और वे डूबने लगे। इस दौरान दो बालक किसी तरह संघर्ष करके पानी से बाहर निकल आए, लेकिन उनका साथी लक्ष्य पाल (उम्र 16 वर्ष), पिता संजय पाल (शिक्षक, विवेकानंद स्कूल), गहरे पानी में समा गया।

दोस्त बाहर आए तो मची चीख-पुकार, दुर्ग से बुलाई गई एसडीआरएफ की टीम

पानी से बाहर निकले दोनों युवकों ने बदहवास हालत में आसपास मौजूद राहगीरों और स्थानीय लोगों से मदद मांगी। राहगीरों की सूचना पर छुईखदान पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची। पुलिस ने पहले स्थानीय गोताखोरों की मदद से जलाशय में खोजबीन शुरू कराई, लेकिन सफलता नहीं मिली। जलाशय की अत्यधिक गहराई को देखते हुए तत्काल दुर्ग से एसडीआरएफ की विशेष टीम को बुलाया गया। शाम करीब 6 बजे मौके पर पहुंची एसडीआरएफ की गोताखोर टीम ने आधुनिक उपकरणों के साथ पानी में उतरकर महज 10 मिनट के भीतर डूबे हुए बालक लक्ष्य पाल के शव को ढूंढ निकाला।

हादसों का गढ़ बन रहा छिंदारी डेम, नहीं चेत रहे लोग

उल्लेखनीय है कि छिंदारी डेम में डूबने की यह कोई पहली घटना नहीं है। इसके पूर्व भी इसी निश्चित स्थान पर कई जानलेवा हादसे हो चुके हैं। प्रशासन और पुलिस द्वारा लगातार चेतावनी बोर्ड लगाने और सावधानी बरतने की अपील के बावजूद विशेषकर युवा और बच्चे गहरे पानी में उतरने का जोखिम उठा रहे हैं। जिससे बार-बार ऐसे दुखद हादसे सामने आ रहे हैं।

अस्पताल प्रबंधन की संवेदनहीनता- ई-रिक्शा में लानी पड़ी इकलौते बेटे की लाश

इस दर्दनाक हादसे के बाद स्वास्थ्य विभाग की एक बड़ी प्रशासनिक नाकामी और संवेदनहीनता भी उजागर हुई। जिस पाल परिवार के इकलौते कुल का चिराग बुझ गया। उसकी डेड बॉडी को पोस्टमार्टम और अस्पताल ले जाने के लिए कोई शव वाहन (मुक्तांजलि) नसीब नहीं हुआ। परिजनों को मजबूरन बालक के शव को एक ई-रिक्शा में रखकर छिंदारी डेम से छुईखदान अस्पताल लाना पड़ा। इस दृश्य को देखकर वहां मौजूद हर आंख नम हो गई और लोगों ने स्वास्थ्य विभाग के खिलाफ भारी आक्रोश व्यक्त करते हुए पूछा कि क्या छुईखदान स्वास्थ्य विभाग के पास एक मुक्तांजलि वाहन तक उपलब्ध नहीं है?

सरपंच संघ के अध्यक्ष कैलाश उके के खिलाफ लामबद्ध हुए बहुसंख्यक पंच, अविश्वास प्रस्ताव के लिए एसडीएम को सौंपा आवेदन

0 बोरतलाव पंचायत के 20 में से 18 पंचों ने किया हस्ताक्षर, तानाशाही, वित्तीय अपारदर्शिता और बैठकों में मनमानी का लगाया गंभीर आरोप

डोंगरगढ़ (दावा)। जनपद पंचायत डोंगरगढ़ के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत बोरतलाव के सरपंच और सरपंच संघ के अध्यक्ष कैलाश उके के खिलाफ अंचल में बड़ा राजनैतिक भूचाल आ गया है। सरपंच के मनमाने रवैये और तानाशाही कार्यशैली से क्षुब्ध होकर पंचायत के 20 में से 18 निर्वाचित वार्ड पंचों ने एकजुट होकर उनके खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। बहुसंख्यक पंचों ने एसडीएम एम भार्गव को एक लिखित ज्ञापन सौंपकर छत्तीसगढ़ पंचायत राज अधिनियम के तहत सरपंच के विरुद्ध अविश्वास प्रस्ताव लाने की आगामी वैधानिक प्रक्रिया प्रारंभ करने की मांग की है।

विवादों से पुराना नाता, भाजपा से पहले ही हो चुके हैं निष्कासित

उल्लेखनीय है कि ग्राम पंचायत बोरतलाव के सरपंच निर्वाचित होने के बाद से ही कैलाश उके लगातार विवादों की सुर्खियों में रहे हैं। पूर्व में उन्हें भाजपा संगठन द्वारा कुमरदा मंडल में महामंत्री का महत्वपूर्ण दायित्व सौंपा गया था। किंतु, ग्राम पंचायत में तालाब गहरीकरण कार्य में मजदूरों की जगह जेसीबी मशीन का अवैध उपयोग करने, पूर्व सरपंच सरिता मांडवी के कार्यकाल की पंचायत निधि राशि वापस नहीं करने तथा आदिवासी समाज के विरुद्ध कथित रूप से अमर्यादित टीका-टिप्पणी करने के मामले सामने आए थे। इन मुद्दों को लेकर जब आदिवासी समाज लामबद्ध हुआ। तब भाजपा संगठन ने आनन-फानन में कार्रवाई करते हुए कैलाश उके को महामंत्री पद से बर्खास्त कर दिया था और उन्हें 6 वर्षों के लिए पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से निष्कासित कर दिया था। हालांकि, चर्चा है कि इन सब के बावजूद भाजपा के कुछ स्थानीय नेताओं से उनकी नजदीकियां आज भी बनी हुई हैं।

एसडीएम को सौंपे ज्ञापन में पंचों ने लगाए गंभीर आरोप

एसडीएम को दिए गए संयुक्त आवेदन में हस्ताक्षरित पंचों ने बेहद खेद जताते हुए कहा है कि वर्तमान सरपंच कैलाश उके का कार्य-व्यवहार और प्रशासनिक आचरण पंचायत राज अधिनियम की नियमावली के सर्वथा विपरीत है। उनके तानाशाही रवैये के कारण ग्रामीणों और पंचों में भारी असंतोष व्याप्त है। ज्ञापन में मुख्य रूप से निम्नलिखित कारणों का उल्लेख करते हुए कहा कि पंचायत के किसी भी विकास कार्य में वार्ड पंचों की सहमति नहीं ली जाती है और न ही विकास कार्यों में होने वाले व्यय (खर्च) का कोई पारदर्शी लेखा-जोखा प्रस्तुत किया जाता है। बोरतलाव तथा इसके आश्रित ग्रामों के विभिन्न वार्डों में पेयजल, सड़कें, नाली निर्माण और प्रकाश (बिजली) व्यवस्था जैसी मूलभूत आवश्यकताओं की लगातार उपेक्षा की जा रही है, जिससे जनता में भारी आक्रोश है। छत्तीसगढ़ पंचायत राज अधिनियम के अनिवार्य नियमों के तहत नियमित रूप से होने वाली मासिक बैठक आयोजित नहीं की जा रही हैं। बैठकें ठप्प होने से वार्डों की समस्याओं पर चर्चा और उनका निराकरण पूरी तरह से बंद हो गया है।

नियमों का हवाला : एक-तिहाई से कहीं ज्यादा पंचों का समर्थन

पंचों ने आवेदन में स्पष्ट किया है कि ग्राम पंचायत बोरतलाव में कुल निर्वाचित पंचों की संख्या 20 है। नियमानुसार अविश्वास प्रस्ताव की प्रक्रिया शुरू करने के लिए न्यूनतम एक-तिहाई (1/3) पंचों के हस्ताक्षर आवश्यक होते हैं। इस मामले में 20 में से 18 पंचों ने स्वेच्छा और बिना किसी दबाव के इस प्रस्ताव का पूर्ण समर्थन करते हुए अपने हस्ताक्षर किए हैं, जो कि कुल संख्या का 90 प्रतिशत है। पंचों ने प्रशासन से जल्द से जल्द वैधानिक और कानूनी प्रक्रिया शुरू करने की कटिबद्धता दोहराई है। अविश्वास प्रस्ताव लाने वाले इस ऐतिहासिक आवेदन में हस्ताक्षर करने और एकजुट होने वाले पंचों में प्रमुख रूप से मधु साहू हिरवानी, मेनका बाई यादव, राम कोराम, ज्योति झाड़े, नम्रता, प्रमिला टेम्भुरकर, पूर्णिमा नेताम, भरत कुमार तिवारी, कुमेश्वरी पड़ौती, विनोद साहू, पंकज सोरी, सेवन बाई मंडावी, दिनेश मंडावी, उर्वशी बाई नेताम, देवेन्द्र सुलाके, रीता कोवाची, लता शोरी, दीपक कुमार मंडावी, गणेश्वर मंडावी और शिवप्रसाद बल्हारे आदि शामिल हैं।

पूर्व सांसद स्व. देवव्रत सिंह की जयंती पर छुईखदान अस्पताल में हुआ फल वितरण

छुईखदान (दावा)। क्षेत्र के लोकप्रिय पूर्व सांसद एवं पूर्व विधायक स्वर्गीय देवव्रत सिंह की जयंती के अवसर पर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस पावन अवसर पर उनके सुपुत्र राजा आर्यव्रत सिंह, सुपुत्री शताक्षी सिंह एवं बड़ी सुपुत्री उज्ज्वला सिंह ने छुईखदान स्थित शासकीय अस्पताल पहुंचकर एक सराहनीय पहल की। उन्होंने अस्पताल में भर्ती मरीजों और उनके परिजनों (सहयोगियों) से मुलाकात कर उनका हाल-चाल जाना और उन्हें फल वितरित कर बुजुर्गों से आशीर्वाद मांगा। स्व. देवव्रत सिंह की जयंती पर उनके प्रति अगाध श्रद्धा रखने वाले सैकड़ों कार्यकर्ता और समर्थक आज बड़ी संख्या में एकत्रित हुए। फल वितरण कार्यक्रम के दौरान भावुक कार्यकर्ताओं ने अपने प्रिय नेता की स्मृति में 'देवव्रत सिंह अमर रहे' के गगनभेदी नारे लगाए। जिससे पूरा अस्पताल परिसर गूंज उठा। समर्थकों ने कहा कि स्व. देवव्रत सिंह आज भी अपने जनहित के कार्यों के माध्यम से अंचल के प्रत्येक नागरिक के दिलों में जीवित हैं। इस फल वितरण कार्यक्रम के दौरान राजपरिवार के सदस्यों के साथ क्षेत्र के प्रमुख नागरिक, जनप्रतिनिधि और स्व. देवव्रत सिंह के निष्ठावान समर्थक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। इनमें मुख्य रूप से शामिल थे।

पिनकापार के छात्र गर्मियों की छुट्टियों में ले रहे हेल्थ केयर की ऑन जॉब ट्रेनिंग

हरदी (दावा)। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय पिनकापार के हेल्थ केयर ट्रेड के छात्र-छात्राएं अपनी गर्मियों की छुट्टियों का सदुपयोग कौशल विकास के लिए कर रहे हैं। विद्यालय के प्राचार्य के.के. साहू के नेतृत्व एवं व्यावसायिक प्रशिक्षक तेजनारायण साहू के मार्गदर्शन में कक्षा नौवीं और दसवीं के विद्यार्थी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पिनकापार तथा आयुष्मान आरोग्य मंदिर (उप स्वास्थ्य केंद्र) खामतराई, बालोद (छत्तीसगढ़) में ऑन जॉब ट्रेनिंग ले रहे हैं। इस व्यावहारिक प्रशिक्षण के दौरान विद्यार्थियों को स्वास्थ्य और चिकित्सा क्षेत्र से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों के बारे में विस्तार से सिखाया जा रहा है।

प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र और आयुष्मान आरोग्य मंदिर में सीख रहे मरीजों की देखभाल के गुर, स्वरोजगार के लिए हो रहे प्रेरित

अस्पताल में सीख रहे ये जरूरी मेडिकल कौशल

हेल्थ केयर ट्रेड के यह स्कूली छात्र-छात्राएं अस्पताल के स्टाफ की देखरेख में मरीजों की प्राथमिक सेवा से जुड़े निम्नलिखित काम सीख रहे हैं। जिसमें मरीजों का ब्लड प्रेशर (बीपी) और शुगर लेवल मापना, शरीर का तापमान (थर्मामीटर से) जांचना, आपातकालीन स्थिति में प्राथमिक उपचार (फर्स्ट एड) देना, मरीजों को ड्रिप (सलाइन) लगाना और घावों की ड्रेसिंग करना, अस्पताल के नियमों के अनुसार बेड मेकिंग (मरीज का बिस्तर तैयार करना) सहित अन्य तकनीकी कार्य आदि है।

डॉक्टर और स्वास्थ्य कर्मियों का मिल रहा है विशेष सहयोग

यह व्यावहारिक प्रशिक्षण स्थानीय स्वास्थ्य केंद्रों के अनुभवी स्टाफ के सहयोग से प्रदान किया जा रहा है। इसमें प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पिनकापार के डॉ. उदय तिवारी (आरएमए), प्रियंका मैडम (नर्स) एवं गौरव सर (फार्मासिस्ट) तथा आयुष्मान आरोग्य मंदिर खामतराई की सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी अंजना वैष्णव द्वारा बच्चों को बारीकी से प्रशिक्षित किया जा रहा है। व्यावसायिक शिक्षा के तहत दी जा रही इस ऑन जॉब ट्रेनिंग का मुख्य उद्देश्य स्कूली स्तर पर ही बच्चों को आत्मनिर्भर बनाना है। अस्पताल के माहौल में नई-नई चीजें सीखकर ये विद्यार्थी बेहद उत्साहित हैं। यह प्रशिक्षण उन्हें भविष्य में चिकित्सा और पैरामेडिकल क्षेत्र में रोजगार तथा स्वरोजगार के अवसरों के लिए प्रेरित कर रहा है। स्कूल के इस सराहनीय प्रयास की अंचल के पालकों और प्रबुद्ध नागरिकों द्वारा खूब प्रशंसा की जा रही है।

आजादी के 78 साल बाद चमकेगा खैरागढ़ का वनांचल : 10 मजरा-टोलों को मिलेगी बिजली, 3.83 करोड रुपए स्वीकृत

0 48 किमी नई लाइन और 11 ट्रांसफार्मर से बदलेगी इलाके की तस्वीर

0 सुशासन तिहार-2026 की ऐतिहासिक सौगात, विद्युत नेटवर्क का होगा बड़ा विस्तार
0 घने जंगलों और लालटेन युग के अंधेरे से मुक्त होंगे ग्रामीण

खैरागढ़ (दावा)। प्रदेशव्यापी 'सुशासन तिहार-2026' के अवसर पर खैरागढ़-छुईखदान, गंडई जिले के सुदूर वनांचल क्षेत्र के निवासियों के लिए एक ऐतिहासिक सौगात मिली है। 'मुख्यमंत्री मजराटोला विद्युतीकरण योजना' के तहत जिले के बिजली विहीन 10 मजरा-टोलों में रोशनी पहुंचाने के लिए 3 करोड़ 83 लाख रुपए की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई है। जिला प्रशासन और विद्युत विभाग के समन्वित प्रयासों से जल्द ही निविदा (टेंडर) प्रक्रिया पूरी कर जमीनी स्तर पर तेजी से काम शुरू कर दिया जाएगा।

विद्युत नेटवर्क का होगा बड़ा विस्तार

वनांचल क्षेत्रों के विकास को गति देने के लिए इस योजना के तहत भारी-भरकम बुनियादी ढांचे का निर्माण किया जाएगा। इस राशि से प्रभावित इलाकों में 48 किलोमीटर लंबी 11 केवी लाइन, 13 किलोमीटर एलटी केबल, 63 केवीए के 2 नग और 25 केवीए के 9 नग वितरण ट्रांसफार्मर स्थापित किए जाएंगे। सुशासन तिहार के दौरान मिली यह सौगात जिले के इन दूरस्थ ग्रामीण अंचलों के विकास में मील का पत्थर साबित होगी।

लालटेन युग का होगा अंत, फैलेगी विकास की नई किरण

आजादी के 78 वर्षों के बाद भी दूसरे राज्यों की सीमाओं से सटे इन दुर्गम और घने जंगलों वाले इलाकों में लोग पाषाण युग के अंधेरे और लालटेन के भरोसे जीने को मजबूर थे। बिजली पहुंचने की इस खबर से ही स्थानीय ग्रामीणों में भारी हर्षोल्लास का माहौल है।

इस योजना के तहत निजामडीह, तुम्हादाह, बलरामपुर, कोहकझोरी, संजारी-टाटीघाट, झिलमिली, गाताभर्री, घाघरा, लमरा, रिहाडबरा और टिंगीपुर जैसे वनांचल ग्रामों के मजरा-टोलों में बिजली नेटवर्क का विस्तार किया जाएगा। आने वाले समय में इन मजराटोलों में जगमगाती रोशनी के साथ विकास की नई किरण पहुंचेगी। जिससे ग्रामीणों के जीवन में व्यापक और सकारात्मक बदलाव देखने को मिलेगा। इस ऐतिहासिक कदम से न केवल ग्रामीणों के घरों में उजाला होगा। बल्कि बच्चों की पढ़ाई आसान होगी, स्वास्थ्य सुविधाओं में सुधार होगा। शुद्ध पेयजल की आपूर्ति सुचारू होगी और कृषि व छोटे व्यवसायों को बढ़ावा मिलेगा। इससे ग्रामीणों की आजीविका और शासकीय सेवाओं की पहुंच में एक क्रांतिकारी सुधार आएगा।

अधिकारियों के साझा प्रयासों से सपना हुआ साकार

वर्षों से लंबित इस महत्वपूर्ण परियोजना को धरातल पर लाने में जिले के कलेक्टर इंद्रजीत चंद्रवाल तथा विद्युत वितरण कंपनी के प्रबंध निदेशक भीमसिंह कंवर का विशेष मार्गदर्शन और सतत प्रयास रहा है। साथ ही राजनांदगांव क्षेत्र के कार्यपालक निदेशक शिरीष सेलट एवं विभागीय अधिकारियों के साझा नेतृत्व की बदौलत इस बजट को मंजूरी दिलाने में बड़ी सफलता हासिल हुई है।

पहला कॉलम...

गिरावट; चांदी 1,300 रुपए फिसली

नई दिल्ली। अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते तनाव का असर वैश्विक कमोडिटी बाजारों पर भी देखने को मिल रहा है। बुधवार के कारोबारी सत्र में घरेलू वायदा बाजार मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने और चांदी की कीमतों में गिरावट दर्ज की गई। हालांकि एमसीएक्स पर अगस्त डिलीवरी वाला सोना अपने पिछले बंद भाव 1,59,346 रुपए से 0.06 प्रतिशत की बढ़त के साथ 1,59,447 रुपए प्रति 10 ग्राम पर खुला। वहीं जुलाई वायदा चांदी 0.01 प्रतिशत की मामूली गिरावट के साथ 2,66,668 रुपए प्रति किलोग्राम पर खुली। वहीं खबर लिखे जाने तक (सुबह 11¬36 बजे के करीब) 5 अगस्त कॉन्ट्रैक्ट वाला सोना 0.24 प्रतिशत यानी 390 रुपए की गिरावट के साथ 1,58,956 रुपए प्रति 10 ग्राम पर कारोबार कर रहा था, तो वहीं दूसरी ओर 3 जुलाई कॉन्ट्रैक्ट वाली चांदी 0.49 प्रतिशत यानी 1,307 रुपए की गिरावट के साथ 2,65,400 रुपए प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने की कीमतों में गिरावट दर्ज की गई। अमेरिका-ईरान संघर्ष के और तेज होने से कच्चे तेल की कीमतों में तेजी आई है, जिससे महंगाई बढ़ने और ब्याज दरें लंबे समय तक ऊंची बने रहने की आशंका बढ़ गई है। इसी वजह से निवेशकों का रुझान सोने की ओर सीमित रहा। स्पॉट गोल्ड 0.2 प्रतिशत गिरकर 4,476.50 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गया, जबकि अगस्त डिलीवरी वाले अमेरिकी गोल्ड फ्यूचर्स में 0.3 प्रतिशत की गिरावट आई और यह 4,504.40 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार करता दिखा। स्पॉट सिल्वर भी 0.5 प्रतिशत टूटकर 74.73 डॉलर प्रति औंस पर आ गई। विशेषज्ञों का मानना है कि पश्चिम एशिया में बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव और कच्चे तेल की कीमतों में उछाल के कारण निवेशक सतर्क बने हुए हैं।

शेयर बाजार, सेंसेक्स में 700 अंकों से ज्यादा की गिरावट

मुंबई। अमेरिका-ईरान शांति वार्ता को लेकर अनिश्चितता के बीच नकारात्मक वैश्विक संकेतों के चलते सप्ताह के तीसरे कारोबारी दिन बुधवार को भारतीय शेयर बाजार गिरावट के साथ लाल निशान में खुला। 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स अपने पिछले बंद 74,649.84 से 142.11 अंक गिरकर 74,507.73 पर खुला तो वहीं एनएसई निफ्टी 50 अपने पिछले बंद 23,483.55 से 67.6 अंक गिरकर 23,415.95 पर खुला। वहीं खबर लिखे जाने तक (सुबह करीब 9.32 बजे), सेंसेक्स 782.10 अंकों यानी 1.05 प्रतिशत की गिरावट के साथ 73,867.74 पर था, जबकि निफ्टी50 205.05 अंक यानी 0.87 प्रतिशत गिरकर 23,278.50 पर पहुंच गया। व्यापक बाजार में, निफ्टी मिडकैप और निफ्टी स्मॉलकैप इंडेक्स क्रमशः 0.85 प्रतिशत और 0.58 प्रतिशत की गिरावट के साथ कारोबार कर रहे थे। सेक्टरवार देखें तो निफ्टी आईटी सबसे खराब प्रदर्शन करने वाला सेक्टर रहा, जिसमें 3.9 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। इसके साथ ही निफ्टी रियल्टी में 1.91 प्रतिशत, निफ्टी मीडिया में 1.20 प्रतिशत, निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज में 0.97 प्रतिशत, निफ्टी एफएमसीजी में 0.98 प्रतिशत और निफ्टी पीएसयू बैंक में 0.98 प्रतिशत की गिरावट देखी गई।

भारत- न्यूजीलैंड के बीच टेस्ट, वनडे और टी20 सीरीज का ऐलान

नई दिल्ली। भारतीय टीम के लिए एक और सीरीज का ऐलान कर दिया गया है। टीम इंडिया अक्टूबर में न्यूजीलैंड के दौरे पर जाएगी। इस सीरीज की घोषणा पहले ही कर दी गई थी। अब न्यूजीलैंड क्रिकेट की ओर से पूरा शेड्यूल जारी कर दिया गया है। इस दौरान टी20, वनडे और टेस्ट मैच खेले जाएंगे। ये एक लंबी सीरीज होगी। जो काफी अहम होने जा रही है।

भारत और न्यूजीलैंड के बीच लंबी सीरीज खेली जाएगी। इसका आगाज टी20 इंटरनेशनल सीरीज से होगा। इसमें पांच मुकबले होने हैं। पहला मैच 22 अक्टूबर को खेला जाएगा। आखिरी टी20 इंटरनेशनल मैच 1 नवंबर को हेमिल्टन में खेला जाएगा। पांच वनडे मैचों की सीरीज का पहला मुकाबला 4 नवंबर को आकलैंड में होना है। सीरीज का आखिरी मैच 15 नवंबर को खेला जाएगा। टेस्ट सीरीज का आगाज 19 नवंबर से होगा। दूसरा टेस्ट मैच 27 नवंबर से एक दिसंबर तक खेला जाएगा।

सीरीज की खास बात ये है कि वनडे सीरीज में दोनों टीमें जहां एक ओर अगले साल होने वाली वनडे विश्व कप 2027 की तैयारी करती हुई नजर आएंगी, वहीं टेस्ट सीरीज विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के तहत खेली जाएगी। भारतीय टीम के लिए ये सीरीज काफी महत्वपूर्ण होगी, क्योंकि डब्ल्यूटीसी अंक तालिका में टीम इंडिया काफी नीचे चल रही है। अगर उसे अगले साल होने वाले फाइनल में खेलना है तो दोनों मैच जीतने होंगे। लेकिन न्यूजीलैंड की धरती पर ये आसान काम नहीं होगा। न्यूजीलैंड और भारत के लिए तीनों फॉर्मेट में कुल मिलाकर 12 मुकाबले खेले जाएंगे, जो न्यूजीलैंड क्रिकेट के इतिहास में सबसे लंबा टूर होने वाला है। साल 2019 के बाद पहली बार ऐसा होगा, जब भारत और न्यूजीलैंड के बीच न्यूजीलैंड में टेस्ट मैच खेले जाएंगे। भारत के बाद न्यूजीलैंड क्रिकेट श्रीलंकाई टीम की भी मेजबानी करेगा। इसमें तीन टी20, तीन वनडे और दो टेस्ट मैच खेले जाएंगे।

भारतीय क्रिकेट टीम को लगा करारा झटका, टी20 विश्व कप से पहले इंग्लैंड से मिली करारी हार

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम को इंग्लैंड के हाथों एक और मुकाबले में करारी शिकस्त का सामना करना पड़ा है। ये टी20 विश्व कप 2026 से पहले आखिरी इंटरनेशनल मैच था, इसलिए ये हार और भी ज्यादा खल रही है। भारतीय महिला टीम की ओपनिंग जोड़ी ने एक बार फिर से धोखा दिया और दोनों सलामी बल्लेबाज बहुत छोटे से स्कोर पर आउट हो गए। अब टीम सीधे विश्व कप के लिए मैदान में उतरेगी।

महिला टी20 विश्व कप 2026 से पहले भारतीय टीम को एक और सीरीज में हार सामना करना पड़ा है। आखिरी मैच जीतने के साथ ही इंग्लैंड ने सीरीज भी अपने नाम कर ली है। टीम इंडिया की टेंशन ओपनिंग जोड़ी बढ़ा रही है, जो ठीक से रन नहीं बना पा रही है। इस मैच में जब टीम इंडिया पहले ?बैटिंग के लिए उतरी तो सलामी बल्लेबाज और टीम की उपकप्तान स्मृति मंधाना केवल आठ ही रन बनाकर चलती बनीं। शेफाली वर्मा भी केवल 11 ही रन का योगदान दे पाईं। यास्तिक भाटिया और जेमिमा रोड्रिग्स ने छोटी छोटी पारियां खेलीं। कप्तान हरमनप्रीत कौर ने जरूर 40 बॉल पर 56 रनों की पारी खेली, लेकिन वो भी नाकाफी साबित हुई।

टीम इंडिया बना सकी केवल 180 ही रन

दीप्ति शर्मा ने आखिर में आकर 24 बॉल पर 32 रनों की एक तेज पारी खेली। इसके बाद भी टीम इंडिया 20 ओवर में केवल 180 रन ही बना सकी। इसके बाद जब इंग्लैंड की टीम मैदान में उतरी तो 18.3 ओवर में ही केवल चार विकेट के नुकसान पर दिया गया लक्ष्य हासिल करने में कामयाब रही। एलिस कैप्सी ने केवल 43 बॉल पर 82 रन बनाने का काम किया। इसमें नौ चौके और तीन छक्के शामिल रहे। इतना ही नहीं हीटर नाइट ने भी 42 बॉल पर 70 रन बनाकर अपनी टीम को जीत दिला दी।

अब टी20 विश्व कप 2026 में उतरेगी भारतीय क्रिकेट टीम

इस जीत के साथ ही तीन मैचों की सीरीज इंग्लैंड ने 2-1 से अपने नाम कर ली। सीरीज का पहला मैच भी इंग्लैंड ने जीता था, इसके बाद वापसी करते हुए भारतीय टीम ने जीत दर्ज की, लेकिन तीसरे मैच में फिर से इंग्लैंड ने जीत हासिल करते हुए सीरीज अपने नाम कर ली। इस बीच अब टीम इंडिया सीधे टी20 विश्व कप में उतरेगी। इसका आगाज 12 जून से होने जा रहा है।

हरमनप्रीत कौर ने रचा इतिहास, सबसे ज्यादा मैच खेलने वाली खिलाड़ी बनीं

हरमनप्रीत कौर ने एक नया विश्व कीर्तिमान बना दिया है। अब न्यूजीलैंड की खिलाड़ी सुजी बेट्स को पछाड़कर कौर सबसे ज्यादा इंटरनेशनल मैच खेलने वाली महिला खिलाड़ी बन गई हैं। अब हरमन सीधे आईसीसी टी20 विश्व कप 2026 में खेलने के लिए उतरेंगी, जहां भारत का मुकाबला पाकिस्तान से होगा।

भारतीय महिला क्रिकेट टीम को इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे टी20 इंटरनेशनल मैच में 6 विकेट से हार का सामना करना पड़ा है। हालांकि जैसे ही कप्तान हरमनप्रीत कौर मैदान पर उतरीं, उन्होंने इतिहास रच दिया। अब वे तीनों फॉर्मेट को मिलकर सबसे ज्यादा अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने वाली खिलाड़ी बन चुकी हैं।

सौरव गांगुली की सुरक्षा में कटौती, 'जेड' कैटेगरी से 'वाय' में किया गया डाउनग्रेड

कोलकाता। पूर्व भारतीय कप्तान और क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ बंगाल (सीएबी) के अध्यक्ष सौरव गांगुली की सुरक्षा व्यवस्था में कटौती की गई है। उनकी सुरक्षा कों (जेड) कैटेगरी से घटाकर ङ्क (वाई) कैटेगरी कर दिया गया है। गांगुली को पिछले कुछ वर्षों से जेड श्रेणी की सुरक्षा दी जा रही थी। हालांकि, हालिया सुरक्षा समीक्षा के बाद राज्य प्रशासन ने उनकी सुरक्षा श्रेणी में बदलाव करने का फैसला लिया है।

सौरव गांगुली भारतीय क्रिकेट के सबसे सफल कप्तानों में गिने जाते हैं। उनकी कप्तानी में भारतीय टीम ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में नई पहचान बनाई और कई युवा खिलाड़ियों को अवसर मिला। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद भी वह क्रिकेट प्रशासन में सक्रिय रहे हैं। मौजूदा समय में गांगुली क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ बंगाल (सीएबी) के अध्यक्ष हैं और खेल जगत की प्रमुख हस्तियों में उनकी गिनती होती है।

सरकार के इस कदम को राज्य में बदले राजनीतिक समीकरणों के संदर्भ में भी देखा जा रहा है। सूत्रों के मुताबिक, सौरव को वर्ष 2023 में तत्कालीन ममता बनर्जी सरकार ने जेड श्रेणी की सुरक्षा प्रदान की थी। उस समय उनकी सुरक्षा में 30 से 35 पुलिसकर्मी तैनात रहते थे, जबकि उनके काफिले के साथ पायलट वाहन भी चलता था। नई व्यवस्था के तहत सुरक्षा कर्मियों की संख्या में उल्लेखनीय कमी आएगी। राज्य में नई सरकार बनने के बाद मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने स्पष्ट किया है कि केवल उन्हीं व्यक्तियों को अतिरिक्त सुरक्षा दी जाएगी, जिनके लिए वास्तविक सुरक्षा खतरे का आकलन किया गया हो। इसी नीति के तहत पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी, सांसद अभिषेक बनर्जी और कई अन्य नेताओं तथा पूर्व अधिकारियों की सुरक्षा व्यवस्था की भी समीक्षा की गई है।

भारतीय ग्रैंडमास्टर प्रज्ञानंद ने रचा इतिहास, नॉर्वे शतरंज में कार्लसन को दूसरी बार हराया

नई दिल्ली। भारतीय ग्रैंडमास्टर आर. प्रज्ञानंद ने नॉर्वे चेस 2026 में एक और ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल करते हुए विश्व नंबर-1 खिलाड़ी मैग्नस कार्लसन को क्लासिकल मुकाबले में पराजित कर दिया। यह इस टूर्नामेंट में कार्लसन के खिलाफ उनकी दूसरी क्लासिकल जीत है।

इस जीत के साथ प्रज्ञानंद एक ही नॉर्वे चेस संस्करण में कार्लसन को दो बार क्लासिकल प्रारूप में हराने वाले पहले भारतीय खिलाड़ी बन गए हैं। इसके अलावा, वह वर्ष 2026 में विश्व नंबर-1 खिलाड़ी को क्लासिकल मुकाबलों में दो बार हराने वाले पहले खिलाड़ी भी बन गए हैं।

मुकाबले के बाद कार्लसन के चेहरे पर निराशा साफ दिखाई दी। उन्होंने प्रज्ञानंद से हाथ मिलाया और खेल क्षेत्र से बाहर चले गए। यह हार कार्लसन के लिए बड़ा झटका मानी जा रही है, क्योंकि इससे उनके आठवें नॉर्वे चेस खिताब की राह कठिन हो सकती है। 20 वर्षीय प्रज्ञानंद इस जीत के बाद 12 अंकों के साथ अंक तालिका में तीसरे स्थान पर पहुंच गए हैं और खिताब की दौड़ में मजबूती से बने हुए हैं। वहीं कार्लसन का प्रदर्शन इस बार उतार-चढ़ाव भरा रहा है। उन्हें अब तक चार क्लासिकल मुकाबलों में हार का सामना करना पड़ा है, जिनमें दो हार प्रज्ञानंद के खिलाफ आई हैं।

टूर्नामेंट में अमेरिकी ग्रैंडमास्टर वेस्ली सो 14 अंकों के साथ शीर्ष स्थान पर हैं। उन्होंने विंसेंट कीमर को आर्मागेडन टाईब्रेक में हराकर अपनी बढ़त मजबूत की। वहीं फ्रांस के अलीरेजा फिरूजा ने मौजूदा विश्व चैंपियन डी. गुकेश को क्लासिकल मुकाबले में मात देकर 13 अंकों के साथ दूसरा स्थान हासिल कर लिया।

भारत का ऐतिहासिक न्यूजीलैंड दौरा : 40 दिनों में 12 मैच, अक्टूबर-दिसंबर तक मेगा टूर

न्यूजीलैंड । न्यूजीलैंड क्रिकेट बोर्ड (एनजेडसी) ने बुधवार को अपने घरेलू अंतराष्ट्रीय सत्र 2026/27 का शेड्यूल जारी कर दिया है। इसका सबसे बड़ा आकर्षण भारत का ऐतिहासिक दौरा होगा। अक्टूबर से दिसंबर तक भारत की पुरुष टीम न्यूजीलैंड के अब तक के सबसे बड़े द्विपक्षीय क्रिकेट दौरे पर जाएगी। इस दौरान कुल 12 मैच, पांच टी20, पांच वनडे और दो टेस्ट मैच, खेले जाएंगे।

भारतीय टीम 22 अक्टूबर से 1 दिसंबर 2026 तक न्यूजीलैंड दौरे पर रहेगी। यह दौरा न्यूजीलैंड क्रिकेट के इतिहास में किसी भी विदेशी टीम के सबसे बड़े इनबाउंड दौरों में से एक माना जा रहा है। पांच प्रमुख शहरों में मैच आयोजित किए जाएंगे। न्यूजीलैंड सरकार ने भी इस दौरे को पूरा समर्थन देने की घोषणा की है। यह समर्थन भारत और न्यूजीलैंड के बीच लगभग 100 वर्षों पुराने खेल संबंधों को समर्पित है। न्यूजीलैंड क्रिकेट बोर्ड के मुख्य मार्केटिंग और कमर्शियल अधिकारी ग्लेन क्रिचली ने कहा, यह एक पीढ़ी में एक बार आने वाला मौका है। जब क्रिकेट की बात आती है तो भारत से बड़ा कुछ नहीं है। हम न्यूजीलैंड के लोगों को ऐसा दौरा देने जा रहे हैं जैसा पहले कभी नहीं देखा गया। यह सिर्फ क्रिकेट नहीं, बल्कि दोनों देशों के साझा इतिहास, संस्कृति और बढ़ती दोस्ती का उत्सव होगा।

भारत का न्यूजीलैंड दौरा टी20 सीरीज से शुरू होगा।

पहला टी20 मैच 22 अक्टूबर को क्राइस्टचर्च के हैगले ओवल में खेला जाएगा। दूसरा टी20 24 अक्टूबर को भी क्राइस्टचर्च में होगा। तीसरा टी20 मैच 27 अक्टूबर को वेलिंगटन में, चौथा टी20 30 अक्टूबर को ऑकलैंड के ईडन पार्क में और पांचवां तथा अंतिम टी20 मैच 1 नवंबर को हैमिल्टन के सेडन पार्क में खेला जाएगा।

टी20 सीरीज के बाद पांच मैचों की वनडे सीरीज शुरू होगी। पहला वनडे 4 नवंबर को ऑकलैंड में, दूसरा वनडे 7 नवंबर को वेलिंगटन में, तीसरा वनडे 10 नवंबर को हैमिल्टन में होगा। चौथा और पांचवां वनडे क्रमशः 13 और 15 नवंबर को माउंट माउंगानुई (टौरंगा) के बे ओवल में खेले जाएंगे। इसके बाद दो मैचों की टेस्ट सीरीज होगी। पहला टेस्ट मैच 19 से 23 नवंबर तक वेलिंगटन के बेसिन रिजर्व में खेला जाएगा। दूसरा और अंतिम टेस्ट 27 नवंबर से 1 दिसंबर 2026 तक क्राइस्टचर्च के हैगले ओवल में आयोजित होगा। यह पूरा दौरा 22 अक्टूबर से 1 दिसंबर 2026 तक चलेगा।

स्काई न्यूजीलैंड अगले छह सीजन के लिए न्यूजीलैंड क्रिकेट का आधिकारिक ब्रॉडकास्टर बनेगा। स्काई के स्पोर्ट्स कंटेंट प्रमुख गैरी बर्चेट ने कहा कि भारत का दौरा दुनिया का सबसे बड़ा क्रिकेट आकर्षण है और वे इसे यादगार प्रसारण अनुभव बनाएंगे। टिकटों की भारी मांग की उम्मीद है। फैंस को सलाह दी गई है कि वे अगस्त में शुरू होने वाली एक्सक्लूसिव मेंबर प्री-सेल के लिए क्रिकेट नेशन पर रजिस्ट्रेशन करा लें। पिछले कुछ वर्षों में दोनों टीमों के बीच कई यादगार मुकाबले हुए हैं। 2019 विश्व कप सेमीफाइनल, 2021 विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल, 2023 विश्व कप सेमीफाइनल, 2024 चैंपियंस ट्रॉफी फाइनल और हालिया टी20 विश्व कप फाइनल में दोनों टीमें कई बार आमने-सामने आई हैं। इस साल जनवरी में दोनों टीमों के बीच भारत में सीमित ओवरों की सीरीज खेली गई थी।

तिरुपति लड्डू विवाद का बीकानेर कनेक्शन

नई दिल्ली। तिरुमला तिरुपति देवास्थानम (टीटीडी) में मिलावटी घी सप्लाई करने वालों पर ईडी का शिकंजा कस गया है। मनी लॉन्ड्रिंग रोकथाम कानून के तहत कार्रवाई करते हुए ईडी ने इस मामले में अहिल्यानगर, बीकानेर, देहरादून, दिल्ली, डिंडीगुल, गुंटूर, मुंबई और रुड़की में 15 स्थानों पर छापा मारा। जांच से पता चला है कि टीटीडी को मिलावटी घी की सप्लाई से हुई काली कमाई को अचल संपत्तियों में निवेश किया गया। कंपनियों के मार्फत इस तरह से निवेश किया गया था कि उसके असली अवैध स्रोत का पता नहीं चले। ईडी अब ऐसी संपत्तियों की पहचान कर उन्हें जब्त करेगा। छापे की कार्रवाई डिंडिगुल स्थित ए.आर. डेयरी फूड, अहिल्यानगर स्थित मालगंगा मिल्क एंड एग्रो प्रोडक्ट्स और रुड़की स्थित भोले बाबा आर्गेनिक डेयरी मिल्क के डेयरी संयंत्र भी शामिल थे।

प्रथम पृष्ठ का शेष....

दिल्ली- होटल में आग से 21 मौतें,

ट्रॉमा सेंटर ने यह भी बताया कि 3 शवों को बर्न्स एंड प्लास्टिक सर्जरी विभाग में भेज दिया गया है।

0 फायर टेंडर आने में हुई परेशानी-DFS के पूर्व डायरेक्टर अतुल गर्ग: दिल्ली फायर सर्विसेज़ के पूर्व डायरेक्टर अतुल गर्ग कहते हैं, वहाँ 22 से ज़्यादा लोगों की मौत हो गई है, और यह दिल्ली में हुई एक बहुत ही दुखद घटना है। यह इलाका बहुत ही भीड़भाड़ वाला है, यहाँ फायर टेंडर आसानी से नहीं जा सकते। पानी का कोई सोर्स भी उपलब्ध नहीं है। यहाँ बहुत ज़्यादा अतिक्रमण हुआ है। इन सब कारणों से, इस इलाके में आग बुझाने का काम पहले से ही बहुत मुश्किल है।

NOC और दूसरी चीजें नहीं थी उपलब्ध: कई घरों में सिर्फ़ एक ही सीढ़ी है। वहाँ बहुत ज़्यादा धुआँ था, और इसी वजह से लोगों की मौत हुई। उन्हें बाहर निकलने का समय ही नहीं मिला। यही वजह है कि इतने सारे लोगों की जान चली गई, चूँकि उनके पास NOC और दूसरी चीज़ें नहीं थीं, मुझे लगता है कि वहाँ (बिल्डिंग में) सुरक्षा के कोई उपाय उपलब्ध नहीं थे, अब तक, दिल्ली फायर सर्विसेज़ ने 36 लोगों को बचाया है, और बचाव अभियान अभी भी जारी है। संभावना जताई जा रही है कि शॉर्ट सर्किट या रसोई में किसी गैस लीकेज की वजह से यह हादसा हुआ है। हालांकि आग लगने के ठोस कारणों का अभी पता नहीं लग पाया है। पुलिस और जांच एजेंसियों का कहना है कि इस मामले में शामिल दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

मालवीय हादसे पर दिल्ली सरकार की आपात...

रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशनों को भेजा जाएगा, ताकि वे खुद अपनी तैयारी की जांच कर सकें। 4 जून से ही अधिकारियों द्वारा कंकरेंट ऑडिट की प्रक्रिया भी शुरू कर दी जाएगी। भ्रष्टाचार और लापरवाही पर लगाम लगाने के लिए प्रशासन ने जनता को भी इस अभियान का हिस्सा बनाया है। फायर विभाग एक सप्ताह के भीतर एक समर्पित हेल्पलाइन और ईमेल आईडी जारी करेगा। इसके माध्यम से नागरिक अपने आसपास के उन भवनों की शिकायत कर सकेंगे जो सुरक्षा मानकों का उल्लंघन कर रहे हैं। इन फीडबैक के आधार पर उल्लंघनकर्ताओं की पहचान कर सख्त कार्रवाई की जाएगी। अक्सर देखा गया है कि संकरी गलियों या अतिक्रमण के कारण फायर टेंडर्स मौके पर नहीं पहुंच पाते। इसके समाधान के लिए दिल्ली पुलिस, एमसीडी और लैंड ओनिंग एजेंसियां एक एक्सेसिबिलिटी सर्वे करेंगी। इस सर्वे का मकसद उन बाधाओं (बॉटलनेक) को पहचानना है जो दमकल की गाड़ियों का रास्ता रोकती हैं। जहां संभव होगा वहां से अतिक्रमण हटाया जाएगा और जहां रास्ता चौड़ा करना मुमकिन नहीं होगा, वहां वैकल्पिक अग्निशमन व्यवस्था की जाएगी। बैठक में वर्तमान हादसे के पीड़ितों के लिए भी कड़े निर्देश दिए गए हैं। घायलों को सर्वोत्तम चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। मृतकों की पहचान के लिए डीएनए सैंपलिंग और प्राथमिकता के आधार पर शिनाख्त की जाएगी। दूतावासों और परिजनों को सूचित कर शवों के अंतिम संस्कार या परिवहन में पूरी मदद दी जाएगी।

पीएससी घोटाला, पूर्व परीक्षा नियंत्रक वासनिक....

एक निजी कंपनी से सीएसआर मद के तहत 45 लाख रुपए एक एनजीओ को दिए गए। जिसकी अध्यक्ष सोनवानी की पत्नी थीं। इसके बदले प्रश्नपत्र लीक किए गए। सीबीआई का यह भी आरोप है कि, परीक्षा नियंत्रक आरती वासनिक और डिप्टी परीक्षा नियंत्रक ललित गनवीर ने अध्यक्ष के निर्देश पर उद्योगपति श्रवण गोयल को प्रश्नपत्र उपलब्ध कराए। जिन्होंने आगे यह प्रश्नपत्र अपने बेटे और बहू को दिए। दोनों का चयन डिप्टी कलेक्टर पद पर हुआ। वहीं, सोनवानी के भतीजों का चयन डिप्टी कलेक्टर और डिप्टी एसपी पद पर हुआ। पीएससी घोटाला (2020-21) मामले में सीबीआई ने पिछले साल सितंबर में आयोग के वरिष्ठ अधिकारियों और उनके रिश्तेदारों समेत 5 आरोपियों को गिरफ्तार किया था। इनमें तत्कालीन सचिव जीवन किशोर ध्रुव, परीक्षा नियंत्रक आरती वासनिक, सचिव के बेटे व डिप्टी कलेक्टर सुमित ध्रुव, पूर्व अध्यक्ष की रिश्तेदार व डिप्टी कलेक्टर मिशा कोसले और जिला आबकारी अधिकारी दीपा आदिल शामिल हैं। यह कार्रवाई प्रशासनिक पदों पर भर्ती में हेरफेर और पक्षपात की व्यापक साजिश उजागर करने के लिए की गई। राज्य सरकार की अधिसूचनाओं के बाद सीबीआई ने 9 जुलाई 2024 को इस मामले में एफआईआर दर्ज की थी। आरोप है कि तत्कालीन अध्यक्ष, सचिव और अन्य अधिकारियों ने 2020 से 2022 के बीच भर्ती प्रक्रियाओं की निगरानी के दौरान नियमों को ताक पर रखकर परीक्षाओं और इंटरव्यू को प्रभावित किया, ताकि अपने बच्चों और करीबी रिश्तेदारों का चयन करा सकें।

रूस से चौथा एस-400 एयर....

इस परियोजना में विकास और उत्पादन भागीदार के रूप में शामिल है। आपको बता दे कि पिछले साल ऑपरेशन सिंदूर के दौरान एस-400 ने शानदार प्रदर्शन किया था। इस एयर डिफेंस सिस्टम ने पाकिस्तान की हालत खराब कर दी थी। भारतीय रक्षा मंत्रालय से एयर डिफेंस सिस्टम को मजबूत करने के लिए रूस द्वारा निर्मित एस-400 में इस्तेमाल की जाने वाली 288 मिसाइलों की खरीद को हरी झंडी मिल गई है।

टीवीके ने गठबंधन सहयोगी....

किया है कि यह सीट हमें दी जाए, जिससे हमें राज्यसभा में संसद के काम में मदद मिलेगी। उन्होंने आगे कहा, मुझे लगता है कि मुख्यमंत्री हमारे अनुरोध पर विचार कर रहे हैं। उम्मीदवारों के नाम का अंतिम फैसला कांग्रेस की केंद्रीय चुनाव समिति करती है। जैसे ही यह सीट कांग्रेस की सीट घोषित होगी, हम अपनह्न केंद्रीय चुनाव समिति से उम्मीदवार तय करने का अनुरोध करेंगे। चुनाव कार्यक्रम के अनुसार, एक जून को अधिसूचना जारी हुई और उसी दिन से नामांकन प्रक्रिया शुरू हुई। नामांकन दाखिल करने की अंतिम तारीख 8 जून तय की गई है, जबकि 9 जून को नामांकन पत्रों की जांच होगी। उम्मीदवार 11 जून तक अपने नाम वापस ले सकेंगे। जरूरत पड़ने पर 18 जून को मतदान कराया जाएगा और उसी दिन मतगणना भी होगी।

कुवैत हवाई अड्डे पर ड्रोन....

भारतीय की मौत हो गई और हमारे कई अन्य नागरिक घायल हुए हैं। पश्चिम एशिया में संघर्ष शुरू होने के बाद से हम मजबूती से यह अपील करते रहे हैं कि नागरिक आबादी और नागरिक ढांचे को निशाना नहीं बनाया जाना चाहिए। हम एक बार फिर सभी पक्षों ऐसे हमलों को रोकने की अपील करते हैं। विदेश मंत्रालय ने मृतक के परिवार के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की है। साथ ही बताया कि कुवैत स्थित भारतीय दूतावास घायलों को हरसंभव मदद दे रहा है और स्थानीय अधिकारियों के संपर्क में है।

ब्रिटेन में बड़ा हादसा: रॉयल नेवी के....

दोस्तों के साथ हैं। यह हादसा नियमित प्रशिक्षण उड़ान के दौरान हुआ। बताया गया कि हेलीकॉप्टर अचानक नियंत्रण खो बैठा और खेत में जाकर गिर गया। प्रत्यक्षदर्शियों ने दावा किया कि हादसे से पहले हेलीकॉप्टर के इंजन की आवाज अचानक बंद हो गई थी। इसके कुछ सेकंड बाद आसमान में तेज लाल चमक दिखाई दी और फिर बड़ा धमाका हुआ। इस घटना ने इलाके में दहशत फैला दी। स्थानीय निवासी एडी एमहॉफ ने बताया कि उन्होंने पहले हेलीकॉप्टर से तेज और असामान्य आवाज सुनी। उन्होंने कहा कि ऐसा लगा जैसे हेलीकॉप्टर उनके घर की छत पर गिर जाएगा। इसके बाद अचानक इंजन की आवाज बंद हो गई। कुछ ही क्षणों में आसमान में लाल चमक दिखाई दी और करीब पांच मिनट बाद जोरदार विस्फोट हुआ। प्रत्यक्षदर्शियों के बयान अब जांच का अहम हिस्सा बन सकते हैं।

इंफ्रास्ट्रक्चर और एविएशन पर....

को किराए में वृद्धि से बचाया जा सकेगा और 77 लाख नौकरियों की रक्षा होगी। यह विमानन परिचालन को व्यवहार्य बनाए रखकर सार्वजनिक निवेश व कनेक्टिविटी को सुरक्षित रखेगा। राजधानी दिल्ली में बढ़ते एमिशन (उत्सर्जन) और वायु प्रदूषण पर लगाम कसने के लिए एक विशेष योजना पेश की गई है। इसके तहत पुराने ट्रकों और बसों को सड़कों से हटाने की योजना को कैबिनेट ने मंजूरी दी है, जिसके लिए 5,041 करोड़ रुपये का बजटीय प्रावधान किया गया है। देश में बुनियादी ढांचे और लॉजिस्टिक्स नेटवर्क को विश्वस्तरीय बनाने के उद्देश्य से, कैबिनेट ने कुल 39,290 करोड़ रुपये के इस पैकेज में से 24,249 करोड़ रुपये (कुल राशि का लगभग 62 प्रतिशत) केवल नई सड़क और राजमार्ग परियोजनाओं के लिए आवंटित किए हैं। इन परियोजनाओं से ओडिशा, तेलंगाना, मध्य प्रदेश और बिहार में माल ढुलाई और व्यापारिक परिवहन अधिक सुगम होगा। ओडिशा (कोस्टल हाईवे): पूर्वी तट पर कनेक्टिविटी बेहतर करने और पर्यटन व व्यापार को बढ़ावा देने के लिए रामेश्वर, कोणार्क और पारादीप को जोड़ने वाले कोस्टल हाईवे के निर्माण को हरी झंडी दी गई है। इसके लिए 8,301 करोड़ रुपये मंजूर किए गए हैं। तेलंगाना (फोर-लेनिंग प्रोजेक्ट): दक्षिण भारत में औद्योगिक परिवहन को तेज करने के लिए तेलंगाना में एनएच-63 और एनएच-563 के विभिन्न हिस्सों को चार लेन का बनाने का फैसला हुआ है। इस परियोजना के लिए 7,597 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। मध्य प्रदेश (राजमार्ग अपग्रेडेशन): मध्य भारत में सड़क नेटवर्क को दुरुस्त करने के लिए एनएच-347क्क के आवश्यक अपग्रेडेशन के लिए 4,415 करोड़ रुपये की धनराशि को स्वीकृति मिली है। बिहार (सड़क विस्तार): राज्य में बुनियादी ढांचे के विकास के तहत खगड़िया से पूर्णिया तक एनएच-31 और एनएच-231 के सेक्शन को चार लेन में बदलने के लिए 3,936 करोड़ रुपये पास किए गए हैं। कैबिनेट के इन छह प्रमुख फैसलों का समग्र विश्लेषण यह दर्शाता है कि सरकार का मुख्य फोकस लॉजिस्टिक्स की लागत कम करने, सुरक्षित व तेज यातायात सुनिश्चित करने और पर्यावरण को हो रहे नुकसान को कम करने पर है। 10,000 करोड़ रुपये के एटीएफ स्टेबलाइजेशन फंड से जहां एक ओर एयरलाइंस को ईंधन के मोर्चे पर अप्रत्याशित वित्तीय झटकों से राहत मिलेगी, वहीं 24 हजार करोड़ रुपये से अधिक की लागत वाली राजमार्ग परियोजनाओं के क्रियान्वयन से संबंधित राज्यों में रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे।

खरखरा एनीकट के पानी में रोजाना चल रही मस्ती की पाठशाला

भीषण गर्मी से राहत पाने सुरगी एनीकट में उमड़ रही भारी भीड़, राजनांदगांव, दुर्ग और बालोद जिले से पहुंच रहे लोग ० कमर भर पानी में जलक्रीड़ा का आनंद, अमराइयों में पिकनिक और लग रहीं दुकानें, सुरक्षा के लिए गोताखोरों की मांग

राजनांदगांव (दावा)। नवतपा की विदाई के बाद भी पड़ रही भीषण गर्मी और तेज धूप से राहत पाने के लिए लोग अब जल स्त्रोतों का रुख कर रहे हैं। शहर से महज 15 किलोमीटर दूर अर्जुंदा रोड पर स्थित ग्राम सुरगी का खरखरा एनीकट इन दिनों लोगों के लिए 'मस्ती की पाठशाला' बन गया है।

असहनीय उमस और गर्मी से बेहाल लोग अपने बाल-बच्चों और पूरे परिवार के साथ बड़ी संख्या में यहां पहुंच रहे हैं। एनीकट के कमर भर पानी में उतरकर लोग न सिर्फ तैरने का मजा ले रहे हैं, बल्कि पानी में छुपन-छुपाई (छू-छूअव्वल) जैसे खेलों का आनंद भी उठा रहे हैं।

महिलाएं और युवतियां भी नहीं हैं पीछे, पिकनिक का बन रहा माहौल

ऐसा नहीं है कि खरखरा एनीकट के शीतल जल में नहाने और तैरने का आनंद लेने सिर्फ पुरुष ही पहुंच रहे हैं। शहर और ग्रामीण क्षेत्रों से बड़ी संख्या में महिलाएं और युवतियां भी अपनी सहेलियों के साथ यहां जलक्रीड़ा करने पहुंच रही हैं। एनीकट के समीप स्थित आम के बगीचों (अमराइयों) में लोग सपरिवार पहुंचकर पिकनिक का लुत्फ उठा रहे हैं, जिससे यहां का पूरा माहौल बेहद खुशनुमा और जीवंत हो गया है।

रोजाना जुट रही 2 से 3 हजार की भीड़, सजने लगीं दुकानें

सुरगी के स्थानीय युवा कवि व जस गायक डोहरू साहू ने बताया कि एनीकट पर लोगों की लगातार बढ़ती भीड़ को देखते हुए अब आसपास खाने-पीने और चाट-पकौड़ी की दुकानें भी लगनी शुरू हो गई हैं। बताया जाता है कि सुरगी के पास बह रही खरखरा नदी के एनीकट का एक गेट खोल दिया गया है, जिससे पुल के पास पर्याप्त मात्रा में पानी जमा हो गया है। इस साफ और ठंडे पानी में नहाने के लिए केवल राजनांदगांव ही नहीं, बल्कि पड़ोसी जिले दुर्ग और बालोद से भी लोग पहुंच रहे हैं। यहां रोजाना दो से तीन हजार लोगों का मेला सा लग रहा है।

चौपाटी और ऊर्जा पार्क से ज्यादा एनीकट का आकर्षण

इन दिनों भीषण गर्मी के चलते लोग सुबह से ही बेहाल होने लगते हैं। ऐसे में रविवार या आम दिनों में शहर की चौपाटी या ऊर्जा पार्क जाने के बजाय लोग सुरगी के खरखरा एनीकट की ओर खींचे चले आ रहे हैं। प्राकृतिक सुंदरता के बीच पानी में तैरकर जो सुकून मिल रहा है। वह लोगों को इस ओर आकर्षित कर रहा है।

पुलिस की नजर, पर गोताखोरों का इंतजाम नहीं, सुरक्षा पर उठे सवाल

खरखरा एनीकट में उमड़ने वाली इस भारी भीड़ को देखते हुए सुरगी चौकी पुलिस की टीम यहां लगातार नजरें बनाए हुए है और गश्त कर रही है। हालांकि, ग्रामीणों और जागरूक नागरिकों ने सुरक्षा को लेकर चिंता भी जताई है। लोगों का कहना है कि अचानक गहरे पानी में जाने या किसी के डूबने जैसी आपातकालीन स्थिति से निपटने के लिए यहां प्रशासन द्वारा गोताखोरों या सुरक्षा घेरे (लाइफ जैकेट आदि) का कोई पुख्ता इंतजाम नहीं किया गया है। अप्रिय घटना को रोकने के लिए यहां सुरक्षा व्यवस्था दुरुस्त करने की मांग की जा रही है।

महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने सिलाई मशीन प्रशिक्षण, ग्रामीण महिलाओं में उत्साह

खैरागढ़ (दावा)। ग्रामीण महिलाओं को आत्मनिर्भर एवं आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के उद्देश्य से ग्राम पंचायत विचारपुर में राशि वेलफेयर सोसाइटी द्वारा सिलाई मशीन प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित किया जा रहा है। प्रशिक्षण में बड़ी संख्या में महिलाएं उत्साहपूर्वक भाग लेकर सिलाई-कढ़ाई और वस्त्र निर्माण की बारीकियां सीख रही हैं। प्रशिक्षण के दौरान महिलाओं को सिलाई मशीन संचालन, कपड़ों की कटिंग, डिजाइनिंग तथा विभिन्न प्रकार के परिधानों के निर्माण संबंधी तकनीकी जानकारी दी जा रही है। कार्यक्रम का उद्देश्य महिलाओं को रोजगारपरक कौशल उपलब्ध कराकर उन्हें स्वरोजगार के लिए सक्षम बनाना है, ताकि वे आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बन सकें और परिवार की आय बढ़ाने में योगदान दे सकें। राशि वेलफेयर सोसाइटी के पदाधिकारियों ने बताया कि संस्था ग्रामीण क्षेत्रों की महिलाओं और युवाओं के कौशल विकास के लिए लगातार कार्य कर रही है। आने वाले समय में भी विभिन्न रोजगारोन्मुखी प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। जिससे अधिक से अधिक लोगों को लाभ मिल सके। प्रशिक्षण प्राप्त कर रही महिलाओं ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि इससे उन्हें नया हुनर सीखने का अवसर मिला है, जो भविष्य में रोजगार और स्वरोजगार के लिए उपयोगी साबित होगा। महिलाओं ने ऐसे कार्यक्रमों को ग्रामीण क्षेत्र के विकास और महिला सशक्तिकरण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया।

अग्रिम खाद-बीज वितरण में लाएं तेजी, नवोदय विद्यालय की जमीन में देरी पर कलेक्टर ने जताई नाराजगी

मोहला (दावा)। कलेक्टर श्रीमती तुलिका प्रजापति ने आज कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित समय-सीमा की साप्ताहिक बैठक में विभिन्न विभागों की योजनाओं एवं लंबित कार्यों की विस्तृत समीक्षा की। बैठक में उन्होंने किसानों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए अग्रिम खाद एवं बीज वितरण में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने संबंधित अधिकारियों से खाद भंडारण की स्थिति की जानकारी ली तथा बीज वितरण कार्य में अपेक्षित प्रगति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक में सीईओ जिला पंचायत श्रीमती भारती चंद्राकर, अपर कलेक्टर जीआर मरकाम, अपर कलेक्टर मिथलेश डोंडे, एसडीएम मोहला हेमेंद्र भुआर्य, एसडीएम मानपुर अमित नाथ योगी, डिप्टी कलेक्टर डीआर ध्रुव सहित विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

कलेक्टर ने आजीविका संवर्धन से जुड़े विषयों की समीक्षा करते हुए पात्र हितग्राहियों एवं समूहों को पट्टे पर तालाब उपलब्ध कराने की प्रक्रिया में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इससे मत्स्य पालन एवं अन्य आजीविका गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा तथा ग्रामीणों की आय में वृद्धि होगी। बैठक में सुशासन तिहार के अंतर्गत प्राप्त आवेदनों की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने सभी विभागों को निर्देशित किया कि जनसामान्य से प्राप्त आवेदनों का प्राथमिकता के आधार पर समयबद्ध निराकरण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि आम नागरिकों की समस्याओं का त्वरित समाधान शासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। कलेक्टर श्रीमती प्रजापति ने लंबित राजस्व प्रकरणों की भी समीक्षा की तथा राजस्व अधिकारियों को प्रकरणों के निराकरण में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि राजस्व मामलों में अनावश्यक विलंब से आम नागरिकों को परेशानी होती है, इसलिए निर्धारित समय-सीमा में कार्य पूर्ण किया जाए।

बैठक में उन्होंने शेष धान उठाव की स्थिति की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को शत-प्रतिशत उठाव सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही सहकारी समितियों की नियमित बैठक आयोजित कर आवश्यक निर्णय लेने और कार्यों की सतत मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए। स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा के दौरान कलेक्टर ने आयुष्मान कार्ड निर्माण एवं सिकल सेल स्क्रीनिंग अभियान की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग को इन महत्वपूर्ण योजनाओं में अपेक्षित प्रगति लाने तथा अधिक से अधिक पात्र हितग्राहियों को लाभान्वित करने के निर्देश दिए। जवाहर नवोदय विद्यालय के लिए भूमि चिन्हांकन में हो रहे विलंब पर कलेक्टर ने नाराजगी व्यक्त की और संबंधित अधिकारियों को शीघ्र आवश्यक कार्रवाई पूर्ण करने के निर्देश दिए। बैठक में मोबाइल टॉवर स्थापना संबंधी प्रकरणों की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने कहा कि दूरसंचार सुविधाओं का विस्तार शासन की महत्वपूर्ण प्राथमिकताओं में शामिल है। उन्होंने चिन्हांकित स्थानों पर मोबाइल टॉवर स्थापना हेतु आवश्यक अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) जारी करने की प्रक्रिया में तेजी लाने के निर्देश संबंधित अधिकारी को दिए।

जनपद अध्यक्ष संजय सिन्हा ने संवारी बुजुर्ग फुलेसर बाई की जिंदगी, घर तक पहुंचाई बिजली

15 वर्षों से अंधेरे और चिमनी के भरोसे जी रही थी 70 वर्षीय एकाकी वृद्धा, लाइट जलते ही आंखों में आए आंसू, दिया आशीर्वाद, ग्रामीणों और सरपंच की मौजूदगी में टिपानगढ़ में दूर हुआ बरसों का अंधेरा

छुरिया (दावा)। विकासखंड के ग्राम पंचायत टिपानगढ़ से मानवता और सेवा की एक बेहद भावुक करने वाली तस्वीर सामने आई है। वर्षों से अंधेरे में जीवन यापन कर रही 70 वर्षीय बुजुर्ग महिला फुलेसर बाई साहू के घर में अब विकास का उजाला फैल गया है। जनपद पंचायत अध्यक्ष संजय सिन्हा के विशेष प्रयासों और संवेदनशीलता के कारण महज 10 दिनों के भीतर इस गरीब महिला के आशियाने तक बिजली कनेक्शन पहुंचा दिया गया है।

चिमनी के भरोसे कट रही थी जिंदगी

ग्रामीणों ने बताया कि फुलेसर बाई के पति का देहांत लगभग 15 वर्ष पहले हो चुका है। पुत्र द्वारा अलग कर दिए जाने के बाद वह अपने प्रधानमंत्री आवास में अकेली रहती हैं। आर्थिक तंगी के कारण उनके घर में बिजली कनेक्शन नहीं था और वे अब तक चिमनी (मिट्टी तेल का दीया) जलाकर अपनी रातें काटने को मजबूर थीं। एक दिन गांव के ही सजग नागरिक दरबार साहू ने इस मार्मिक स्थिति की जानकारी जनपद अध्यक्ष संजय सिन्हा को दी।

मौके पर पहुंचे जनपद अध्यक्ष, लिया संकल्प

जानकारी मिलते ही जनपद अध्यक्ष संजय सिन्हा तुरंत बुजुर्ग महिला के घर पहुंचे। माता की दयनीय स्थिति और अंधेरे घर को देखकर उनका दिल पसीज गया। उन्होंने तत्काल मौके पर ही फुलेसर बाई के घर बिजली लगवाने का संकल्प लिया। इसके लिए उन्होंने न केवल विभागीय प्रक्रिया को गति दी, बल्कि त्वरित आर्थिक मदद भी मुहैया कराई।

लाइट जलते ही छलक पड़े आंसू

किए गए वादे के मुताबिक महज 10 दिनों के भीतर विद्युत विभाग के सहयोग से महिला के घर में बिजली का मीटर और लाइट लगा दी गई। जैसे ही घर में पहली बार बल्ब जला और रोशनी फैली, फुलेसर बाई भावुक हो गई और उनकी आंखों से आंसू छलक पड़े। उन्होंने मौके पर उपस्थित जनपद अध्यक्ष संजय सिन्हा के सिर पर हाथ रखकर भरे गले से आशीर्वाद दिया।

शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं और सुविधाओं का लाभ प्रत्येक पात्र और अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना ही मेरा मुख्य संकल्प है। समाज के कमजोर, एकाकी और जरूरतमंद वर्गों की समस्याओं का त्वरित समाधान करना हमारी पहली प्राथमिकता है। इस खुशी के मौके पर ग्राम पंचायत टिपानगढ़ की सरपंच श्रीमती स्वाति मंडावी, दरबार साहू, जेठकुमार साहू, परदेशी साहू, राम प्रसाद नेताम, श्रीराम साहू, संदीप सरकार, लीलाधर साहू, बंशी, अरविंद मंडावी सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित थे।

समय-सीमा बैठक में जनकल्याणकारी योजनाओं की प्रगति की समीक्षा, फाइलों का संचालन अब ई-ऑफिस से

मुख्यमंत्री के निर्देशों के प्रभावी क्रियान्वयन एवं लंबित प्रकरणों के त्वरित निराकरण पर कलेक्टर का जोर

खैरागढ़ (दावा)। कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित साप्ताहिक समय-सीमा (टीएल) बैठक में कलेक्टर इंद्रजीत सिंह चंद्रवाल ने विभिन्न विभागों की जनकल्याणकारी योजनाओं, विकास कार्यों तथा जनसमस्याओं के निराकरण की विस्तृत समीक्षा की।

उन्होंने मुख्यमंत्री द्वारा हाल ही में आयोजित राज्य स्तरीय समीक्षा बैठक में दिए गए कड़े निर्देशों का जिले में प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने तथा विभागीय कार्यों में अपेक्षित गति बनाए रखने के लिए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक में कलेक्टर ने एक बड़े बदलाव की घोषणा करते हुए कहा कि 1 जून से जिले की सभी शासकीय फाइलों का संचालन अनिवार्य रूप से ई-ऑफिस प्रणाली के माध्यम से किया जा रहा है। उन्होंने स्पष्ट किया कि इस डिजिटल कदम से प्रशासनिक कार्यों में पारदर्शिता, जवाबदेही एवं कार्यकुशलता बढ़ेगी। सभी विभागों को इस नई और आधुनिक व्यवस्था का प्रभावी ढंग से उपयोग सुनिश्चित करने की हिदायत दी गई है।

प्रधानमंत्री आवास योजना की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने निर्माणाधीन आवासों को निर्धारित समय-सीमा के भीतर पूर्ण कराने तथा पात्र हितग्राहियों को किस्तों का लाभ समय पर उपलब्ध कराने पर विशेष बल दिया। उन्होंने कहा कि विभागीय अधिकारी केवल दफ्तरों में न बैठें, बल्कि नियमित मैदानी (फील्ड) निरीक्षण कर कार्यों की सतत निगरानी करें। इसके साथ ही सुशासन तिहार-2026 के अंतर्गत शिविरों में प्राप्त मांगों एवं शिकायतों की विभागवार समीक्षा की गई। कलेक्टर ने सभी आवेदनों का गुणवत्तापूर्ण, पारदर्शी एवं समयबद्ध निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

उन्होंने शिविरों में प्राप्त आवेदनों की ऑनलाइन प्रविष्टि, सत्यापन एवं निराकरण संबंधी अद्यतन जानकारी नियमित रूप से पोर्टल पर दर्ज करने पर भी जोर दिया।

बैठक के दौरान जिले के कई महत्वपूर्ण विकास कार्यों को कसौटी पर कसा गया। जिनमें मुख्य रूप से आयुष्मान कार्ड निर्माण की प्रगति, समितियों से धान उठाव की स्थिति और सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) के अंतर्गत उचित मूल्य दुकानों में चावल भंडारण, गौधाम योजना का क्रियान्वयन, समग्र शिक्षा अभियान, प्रधानमंत्री सूर्यघर (मुफ्त बिजली) योजना तथा जल संरक्षण के लिए कैच द रेन अभियान एवं ई-डिस्ट्रिक्ट सेवाओं एवं लोक सेवा गारंटी अधिनियम के अंतर्गत लंबित प्रकरणों का शीघ्र निराकरण शामिल हैं।

कलेक्टर इंद्रजीत सिंह चंद्रवाल ने कड़े लहजे में अधिकारियों को अपनी जिम्मेदारी का अहसास कराते हुए कहा कि शासन की जनहितकारी योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना जिला प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसके लिए सभी विभाग आपसी समन्वय (तालमेल), जवाबदेही और संवेदनशीलता के साथ कार्य करें तथा लंबित मामलों के निराकरण में तेजी लाएं। आमजन को निर्धारित समय-सीमा में सेवाएं उपलब्ध कराना हमारी प्राथमिक जिम्मेदारी है। इस महत्वपूर्ण बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी (सीईओ) प्रेम कुमार पटेल, संयुक्त कलेक्टर श्रीमती सुमन राज सहित विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी प्रत्यक्ष व विकासखंड स्तरीय अधिकारी वर्चुअल माध्यम से उपस्थित रहे।

बाईक चोरी

दुर्ग । वेल्डिंग दुकान के सामने खड़ी कर दुकान के अंदर जाना प्रार्थी को भारी पड़ गया। मौके का फायदा उठाकर अज्ञात आरोपी ने प्रार्थी की मोटरसाइकिल की चोरी कर ली। प्रार्थी की शिकायत पर जेवरा सिरसा चौकी पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ धारा 303(2) के तहत अपराध दर्ज कर जांच में लिया है।

पुलिस ने बताया कि प्रार्थी विनोद राउत निवासी जेवरा सिरसा रोजी मजदूरी का काम करता है। वह अपने नए मकान के लिए लोहे का चौखट बनाने शीतला तालाब रोड पप्पू बिल्डिंग दुकान गया हुआ था। 29 मई की सुबह 9.50 बजे उसने अपनी मोटरसाइकिल हीरो होंडा पैशन प्लस सी जी 07 एल एफ 5878 को दुकान के सामने खड़ी कर दिया था और वह दुकान के भीतर चला गया था।

थोड़ी देर बाद जब वह वापस आया तो देखा उसकी मोटरसाइकिल खड़े किए जगह पर नहीं थी। आसपास तलाश करने के बाद प्रार्थी ने चौकी पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई है। चोरी गए वाहन की कीमत 10000 रुपए आंकी गई है।

कलेक्टर जितेन्द्र यादव ने टीएल बैठक में की विभागीय कार्यों की समीक्षा, दिए कड़े निर्देश

० सुशासन तिहार शिविर के आवेदनों का हो गुणवत्तापूर्ण निराकरण, बारिश से पहले पूरे करें निर्माण कार्य : कलेक्टर
० जिले में महतारी वंदन योजना का 92 प्रतिशत ई-केवाईसी पूर्ण, स्कूली बच्चों के दस्तावेजीकरण को प्राथमिकता

राजनांदगांव (दावा)। कलेक्टर जितेन्द्र यादव ने आज कलेक्टोरेट सभाकक्ष में आयोजित साप्ताहिक समय-सीमा बैठक में विभिन्न विभागों के कार्यों एवं योजनाओं की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने विभागवार लंबित प्रकरणों, जन शिकायतों, शासन की प्राथमिकता वाली योजनाओं तथा सुशासन तिहार के अंतर्गत प्राप्त आवेदनों के निराकरण की स्थिति की जानकारी ली और आवश्यक निर्देश दिए।

कलेक्टर ने सुशासन तिहार के अंतर्गत प्राप्त आवेदनों का गुणवत्तापूर्ण एवं संतोषजनक निराकरण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आवेदन के निराकरण के बाद संबंधित आवेदक से संपर्क कर वस्तुस्थिति की जानकारी भी ली जाए, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि समस्या का वास्तविक समाधान हुआ है। सुशासन तिहार के अंतर्गत जिले में अब तक 48 जनसमस्या निवारण शिविर आयोजित किए गए। शिविर में नागरिकों से 24001 आवेदन प्राप्त हुए हैं। जिसमें से 5528 आवेदनों का त्वरित निराकरण कर हितग्राहियों को लाभान्वित किया गया। शेष आवेदनों का नियमानुसार निराकरण की कार्रवाई की जा रही है। कलेक्टर ने सभी विभाग प्रमुखों को निर्देश दिए कि उनके विभाग से संबंधित उच्च न्यायालय में लंबित प्रकरणों की नियमित समीक्षा करें तथा समय-सीमा के भीतर जवाब प्रस्तुत करना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि न्यायालयीन प्रकरणों में किसी प्रकार की लापरवाही नहीं होनी चाहिए।

कलेक्टर ने जिले के सभी अनुविभागीय अधिकारी राजस्व को अपने-अपने क्षेत्र के पटवारी कार्यालयों का नियमित निरीक्षण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि राजस्व संबंधी कार्यों में पारदर्शिता, समयबद्धता और जनसुविधा को प्राथमिकता दी जाए तथा अभिलेखों का संधारण व्यवस्थित रखा जाए। जिले में राजस्व के 24157 प्रकरणों में से 21042 प्रकरणों का निराकरण किया गया है। कलेक्टर ने शेष प्रकरणों का शीघ्र निराकरण करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने सभी स्कूलों में अध्ययनरत बच्चों के आधार सत्यापन का कार्य प्राथमिकता के साथ पूर्ण करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही उन्होंने स्कूलों में विशेष शिविर आयोजित कर विद्यार्थियों के जाति, निवास एवं अन्य आवश्यक प्रमाण पत्र तैयार कराने के निर्देश भी दिए। कलेक्टर ने महतारी वंदन योजना के हितग्राहियों के ई-केवाईसी कार्य की प्रगति की जानकारी ली। जिले में योजना के अंतर्गत 92 प्रतिशत महिलाओं का ई-केवाईसी सत्यापन कार्य पूर्ण कर लिया गया है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि शेष हितग्राहियों का ई-केवाईसी कार्य शीघ्र पूर्ण किया जाए, ताकि पात्र महिलाओं को योजना का लाभ निर्बाध रूप से मिलता रहे। उन्होंने सभी विभागों को अपने विभाग से संबंधित शासकीय योजनाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार करने तथा अधिक से अधिक पात्र हितग्राहियों को लाभान्वित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना प्राथमिक जिम्मेदारी है। कलेक्टर ने कहा कि प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना से जिले के अधिक से अधिक पात्र हितग्राहियों को योजना से जोड़कर स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराए जाएं। उन्होंने संबंधित विभागों को हितग्राहियों की पहचान कर उन्हें योजना का लाभ दिलाने के लिए विशेष प्रयास करने के निर्देश दिए। स्वनिधि योजना अंतर्गत शहरी क्षेत्र के 4263 हितग्राहियों को अब तक ऋण का वितरण किया जा चुका है। कलेक्टर ने जिले में संचालित विभिन्न निर्माण कार्यों की समीक्षा करते हुए सभी निर्माण एजेंसियों को बारिश के पहले निर्माणाधीन कार्यों को गुणवत्ता के साथ पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने निर्माणाधीन सड़कों की गुणवत्ता पर ध्यान देने तथा कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग सुनिश्चित करने को कहा।

कलेक्टर ने प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना एवं प्रधानमंत्री कुसुम योजना की प्रगति की जानकारी ली। उन्होंने संबंधित विभागों को अधिक से अधिक पात्र हितग्राहियों को योजनाओं से लाभान्वित करने तथा लक्ष्य पूर्ति के लिए कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अक्षय ऊर्जा को बढ़ावा देने वाली इन योजनाओं से नागरिकों एवं किसानों को लाभ मिलना चाहिए। कलेक्टर ने पशुओं के टीकाकरण अभियान में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पशुधन की सुरक्षा एवं रोग नियंत्रण के लिए निर्धारित लक्ष्य के अनुसार टीकाकरण कार्य समय पर पूरा किया जाए। बैठक में मुख्यमंत्री जनदर्शन, पीजी पोर्टल, पीजीएन पोर्टल, अटल मॉनिटरिंग पोर्टल तथा कलेक्टर जनदर्शन में प्राप्त आवेदनों की भी समीक्षा की गई। कलेक्टर ने सभी अधिकारियों को निर्देशित किया कि जन शिकायतों एवं आवेदनों का प्राथमिकता के साथ समय-सीमा में निराकरण सुनिश्चित किया जाए तथा निराकरण की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दिया जाए। बैठक में सीईओ जिला पंचायत सुश्री सुरूचि सिंह, अपर कलेक्टर सीएल मारकण्डेय, अपर कलेक्टर प्रेमप्रकाश शर्मा, जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित थे। बैठक में एसडीएम, सीईओ, सीएमओ एवं अन्य विकासखंड स्तरीय अधिकारी वर्चुवल माध्यम से जुड़े रहे।

डॉ. रमन सिंह ने 6.42 करोड़ की स्वास्थ्य अधोसंरचना की सौगात, जिला अस्पताल में अब नहीं भरेगा बारिश का पानी

0 आम जनता को मिले गुणवत्तायुक्त स्वास्थ्य सुविधाएं, डॉ. रमन सिंह का डॉक्टरों से सीधा संवाद

0 अस्पताल को 3 फीट ऊंचा कर जलभराव की समस्या का स्थाई समाधान किया गया

0 सीटी स्कैन, डिजिटल व डेंटल एक्स-रे जैसी आधुनिक मशीनें जल्द होंगी उपलब्ध

0 राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत 332 पदों पर भर्ती प्रक्रिया जारी

राजनांदगांव (दावा)। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने आज जिला चिकित्सालय में स्वास्थ्य सुविधाओं की बुनियादी अधोसंरचना को मजबूती प्रदान करने के मद्देनजर डॉक्टरों से संवाद किया तथा स्वास्थ्य सेवाओं की बढ़ोत्तरी से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर मंथन किया। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने कहा कि जिले में जनमानस को गुणवत्तायुक्त स्वास्थ्य सुविधाएं प्रदान की जा रही है। उन्होंने कहा कि आज स्वास्थ्य क्षेत्र के बुनियादी ढांचे को सुदृढ़ करने के लिए 3 करोड़ 56 लाख 70 हजार रूपए की लागत से निर्मित जिला चिकित्सालय भवन के ऊंचाई विस्तार कार्य का लोकार्पण किया गया है तथा 2 करोड़ 86 लाख रूपए की लागत से मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य कार्यालय के नवीन भवन निर्माण कार्य का भूमिपूजन किया गया है। जिससे जिले में स्वास्थ्य सुविधाओं के लिए सशक्त अधोसंरचना मिलेगी। उन्होंने कहा कि बारिश के दिनों में जिला चिकित्सालय में पानी भरने की समस्या होती थी। जिसे दूर करने के लिए उन्नयन कार्य किया गया है। तीन फीट ऊपर होने के बाद ऊंचाई बढ़ गई है। जिससे पानी भरने की समस्या का समाधान हो जाएगा। उन्होंने कहा कि सभी के सामूहिक प्रयासों एवं जीवन दीप समिति की लगातार चिंता से स्वास्थ्य सुविधाओं के क्षेत्र में बेहतरीन कार्य किए जा रहे हैं। जिले में स्वास्थ्य सेवाओं के लिए समर्पित एवं प्रतिबद्ध डॉक्टरों की टीम है। उन्होंने बताया कि शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों से स्वास्थ्य सेवाओं के लिए सकारात्मक प्रतिक्रिया मिल रही है। स्वास्थ्य मापदण्डों में निरंतर सुधार करते हुए अधोसंरचना को मजबूत करने की आवश्यकता है। स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक सुलभ, आधुनिक और प्रभावी बनाने जिला चिकित्सालय हेतु सीटी स्कैन, डिजिटल एक्स-रे एवं डेंटल एक्स-रे मशीनों उपलब्धता के लिए कहा।

सांसद संतोष पाण्डेय ने कहा कि जिला चिकित्सालय में प्रवेश करते ही एक नएपन का एहसास हुआ। बारिश के दिनों में यहां पानी भरा जाता था। जिला चिकित्सालय की ऊंचाई बढ़ाकर प्लींथ अपग्रेडेशन एवं उन्नयन कार्य किया गया है। जनमानस उम्मीद लेकर जिला चिकित्सालय पहुंचते हैं। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह के प्रयासों से चिकित्सा के क्षेत्र में जिले में सुविधाओं में बढ़ोत्तरी हुई है। जो स्वास्थ्य के प्रति संवेदना को दर्शाती है। कैंसर स्क्रीनिंग सुरक्षा चक्र अभियान अंतर्गत मरीजों का उपचार एवं अन्य स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्रों में अच्छा कार्य किया जा रहा है। महापौर मधुसूदन यादव ने कहा कि शासकीय जिला चिकित्सालय, निजी चिकित्सालयों की तरह लग रहा है। जिला चिकित्सालय एवं शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय में 1000 से अधिक ओपीडी हैं। जिसका सकारात्मक फीडबैक मिल रहा हैं। जिले में कुपोषण को दूर करने के लिए अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि उपलब्ध संसाधनों का अधिकतम उपयोग करते हुए बेहतरीन कार्य करें। कलेक्टर जितेन्द्र यादव ने बताया कि जिले में कैंसर स्क्रीनिंग सुरक्षा चक्र अभियान अंतर्गत अच्छा कार्य किया गया है। मातृ मृत्यु दर में कमी लाने के लिए निरंतर कार्य किए जा रहे है। उन्होंने जिले में स्वास्थ्य अधोसंरचना के लिए चल रहे निर्माण कार्यों के संबंध में जानकारी दी।

चर्चा के दौरान डॉक्टर्स ने जिला चिकित्सालय की समस्याओं से अवगत कराया। जिसके तहत मरीजों को बेहतर सुविधा प्रदान करने के लिए जीवनदीप समिति मद से 1 नग निश्चेतना वर्क स्टेशन, 1 नग सीलिंग ओटी लाईट, 2 नग मल्टी पैरामॉनीटर एवं 1 नग वर्टिकल ऑटोक्लेव मशीन, नवीन मेजर ऑपरेशन थियेटर, बर्न यूनिट, लू-वार्ड, जीवनदीप समिति सभाकक्ष, औषधि मुख्य भण्डार कक्ष हेतु कुल 12 नग एसी, 100 बिस्तर मातृ शिशु अस्पताल में गर्भवती माताओं एवं एसएनसीयू एवं पीएनसी वार्ड में थ्री-सीटर वेटिंग चेयर, ई-ऑफिस के सुचारू संचालन एवं क्रियान्यवन हेतु 6 नग डैस्कटॉप, प्रिंटर एवं यूपीएस को क्रय करने हेतु जिलाधीश एवं अध्यक्ष जीवनदीप समिति को अनुसंशा की गई। चर्चा में बताया किया कि 200 बिस्तरीय जिला चिकित्सालय में 100 बिस्तर मातृ एवं शिशु अस्पताल संचालित है। जहां प्रतिमाह औसतन 360 सुरक्षित प्रसव कराए जा रहे हैं। अविभाजित राजनांदगांव जिला अंतर्गत राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत स्वीकृत 332 पदों पर भर्ती की कार्रवाई प्रक्रियाधीन है। साथ ही जिले के दूरस्थ अंचल बोरतलाब हेतु नवीन सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र भवन निर्माण की कार्रवाई प्रक्रियाधीन है। जिला प्रशासन एवं स्वास्थ्य विभाग के संयुक्त तत्वाधान में बाल हृदय स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन कर 14 बच्चों का निःशुल्क हृदय ऑपरेशन किया गया है। जिला चिकित्सालय में स्वास्थ्य सुविधाओं को बढ़ाने के लिए विभिन्न आयामों पर चर्चा की गई। इस अवसर पर महापौर मधुसूदन यादव, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती किरण वैष्णव, पूर्व सांसद अभिषेक सिंह, समाजसेवी कोमल सिंह राजपूत, समाजसेवी गौतम पारख, जीवनदीप समिति से गुरमुख दास, राजेश श्यामकर, भागचंद, अरविंद, कांति कुमार फुले, आनंद साहू, संदीप भट्टाचार्य, श्रीमती रेखा मेश्राम, श्रीमती खेमीन यादव, अकरम कुरैशी, जिला पंचायत सीईओ सुश्री सुरूचि सिंह, शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय के डीन डॉ. पंकज लुका, नगर निगम आयुक्त अतुल विश्वकर्मा, संयुक्त कलेक्टर श्रीमती शीतल बंसल, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. नेतराम नवरतन, सिविल सर्जन डॉ. महेन्द्र प्रसाद, एसडीएम गौतम पाटिल सहित अन्य जनप्रतिनिधि, अधिकारी, डॉक्टर्स उपस्थित थे।

सीजीपीएससी घोटाला : नांदगांव में तत्कालीन डिप्टी परीक्षा नियंत्रक ललित गणवीर के घर ईडी की दबिश

शिक्षक कॉलोनी स्थित निवास को सुरक्षा घेरे में लेकर कागजात खंगाल रहे अधिकारी, सीबीआई के बाद अब प्रवर्तन निदेशालय ने कसी कमान

राजनांदगांव (दावा)। छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग (सीजीपीएससी) भर्ती घोटाले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने अपनी कार्रवाई तेज कर दी है। बुधवार सुबह ईडी की एक विशेष टीम ने राजनांदगांव के शिक्षक कॉलोनी स्थित तत्कालीन डिप्टी परीक्षा नियंत्रक ललित गणवीर के निवास पर अचानक छापा मारा। उल्लेखनीय है कि ललित गणवीर इस बहुचर्चित घोटाले के मामले में पहले से ही न्यायिक हिरासत के तहत जेल में बंद हैं। मिली जानकारी के अनुसार बुधवार सुबह करीब आठ अधिकारियों का ईडी दल दो इनोवा वाहनों में सवार होकर गणवीर के राजनांदगांव स्थित आवास पर पहुंचा। टीम ने पहुंचते ही पूरे परिसर को अपनी सुरक्षा घेरे में ले लिया और स्थानीय स्तर पर सुरक्षा बलों की तैनाती कर दी। इसके तुरंत बाद अधिकारियों ने घर के भीतर मौजूद दस्तावेजों, बैंक खातों और अन्य महत्वपूर्ण रिकॉर्ड की गहन जांच शुरू कर दी।

सीबीआई की जांच में हुआ था कथित धांधली का खुलासा

केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) द्वारा की गई प्रारंभिक जांच में यह गंभीर आरोप सामने आए हैं कि वर्ष 2020 से 2022 के बीच आयोजित की गई राज्य सेवा परीक्षाओं में बड़े पैमाने पर अनियमितताएं और भाई-भतीजावाद हुआ था। एजेंसियों के मुताबिक, तत्कालीन पीएससी अध्यक्ष टामन सिंह सोनवानी के कथित निर्देश पर परीक्षा नियंत्रक आरती वासनिक और डिप्टी परीक्षा नियंत्रक ललित गणवीर ने मिलकर एक बड़े उद्योगपति श्रवण गोयल को मुख्य परीक्षा के प्रश्न पत्र परीक्षा से पहले ही लीक कर उपलब्ध करा दिए थे। इस कथित धांधली के एवज में उद्योगपति के बेटे और बहू का चयन सीधे डिप्टी कलेक्टर के शीर्ष पद पर हो गया था। इसके अतिरिक्त, तत्कालीन अध्यक्ष सोनवानी के सगे भतीजों को भी इसी तरह नियमों को ताक पर रखकर डिप्टी कलेक्टर और डिप्टी एसपी जैसे उच्च पदों पर नियुक्तियां दी गई थीं।

डिजिटल रिकॉर्ड और संपत्तियों की पड़ताल जारी

वर्तमान में राजनांदगांव स्थित आवास पर ईडी के आला अधिकारियों द्वारा गहन पूछताछ और कागजी पड़ताल की जा रही है। घर से मिले लैपटॉप, मोबाइल और अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के डेटा को भी रिकवर किया जा रहा है ताकि वित्तीय लेन-देन के पुख्ता सबूत जुटाए जा सकें। हालांकि, अधिकारियों ने अभी तक इस छापामार कार्रवाई को लेकर कोई भी आधिकारिक बयान या जब्ती सूची जारी नहीं की है। राज्य के इस सबसे बड़े भर्ती घोटाले में ईडी की एंट्री के बाद अब आने वाले दिनों में कई और बड़े चेहरों पर गाज गिरना तय माना जा रहा है।

भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा कुमरदा मंडल के पदाधिकारियों की घोषणा : किशन बने अध्यक्ष

डोंगरगांव (दावा)। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण देव एवं प्रदेश भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा के अध्यक्ष आलोक साहू के मार्गदर्शन व जिला भाजपा अध्यक्ष कोमल सिंह राजपूत की अनुशंसा से संगठन में नई नियुक्तियां की गई हैं। पिछड़ा वर्ग मोर्चा के जिला अध्यक्ष दिलीप साहू के निर्देशन, भाजपा मंडल कुमरदा के अध्यक्ष हिरदेराम देवांगन एवं नवनियुक्त अध्यक्ष किशनलाल साहू की सहमति से भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा कुमरदा मंडल के पदाधिकारियों, कार्यकारिणी और स्थायी आमंत्रित सदस्यों की आधिकारिक घोषणा कर दी गई है।

कुमरदा मंडल के प्रमुख पदाधिकारियों में अध्यक्षः किशनलाल साहू (महरूम), उपाध्यक्ष श्रीमती भारती देवांगन (सोमाझिटिया), दुखराम साहू (छिन्दीविरही), लिखेश पटेल (माटराखुज्जी), मोहन यादव (सागर), महामंत्री डोमनलाल साहू (पथर्री), लिलेश देवांगन (चांदो), मंत्री पुखराज देवांगन (चांदो), श्रीमती उर्वशी साहू (करमरी), ज्ञान साहू (चारभाठा), चोवाराम साहू (अरजकुण्ड), कोषाध्यक्ष नीलकंठ साहू (रतनभाट), सह कोषाध्यक्ष राजेश साहू (पतोरा), कार्यालय मंत्री विकास साहू (करमरी), सह कार्यालय मंत्री अशोक देवांगन (पथर्री), भोला निषाद (परेवाडीह), अदला साहू (आतरगांव), प्रवक्ता गोविंद साहू (तुमड़ीकसा), सह प्रवक्ता मदन साहू (सीताकसा), मीडिया प्रभारी शिवेन्द्र कुमार साहू (करमरी), सह मीडिया प्रभारी राजेन्द्र देवांगन (गुण्डरदेही), सोशल मीडिया प्रभारी नितेश देवांगन (महरूम), सह सोशल मीडिया प्रभारी गजेन्द्र साहू (करमरी), संस्कृति प्रभारी श्रीमती पूर्णिमा निषाद (रतनभाट), सह संस्कृति प्रभारी श्रीमती रीना साहू (तुमड़ीलेवा), कन्या सशक्तिकरण प्रभारी श्रीमती सरोज बाई (भंडारीभरदा), सह प्रभारी श्रीमती लोकेश्वरी साहू (रतनभाट) आदि है।

मंडल की नई कार्यकारिणी में अंचल के सक्रिय कार्यकर्ताओं को स्थान दिया गया है। जिनमें प्रमुख रूप से रामाधीन पटेल (माटराखुज्जी), कार्तिक राम साहू (छिन्दीबिरही), डामनलाल (तुमड़ीकसा), चित्रलेखा (चिरचारी खुर्द), श्रीमती राजकुमारी साहू (कापा), श्रीमती पुष्पलता सिंग (अरजकुण्ड), उमाबाई साहू (कापा), देवकी साहू (कलडबरी), खिलावन साहू (बादराटोला), तुलाराम देवांगन (साल्हे), रमेश साहू (कलडबरी), टुमनलाल सिन्हा (बादराटोला), पुरूषोत्तम साहू (चिरचारी खुर्द), चुरामन साहू (देवरी), अरविंद पटेल (गिदर्री), द्वारिका साहू (बादराटोला), प्रीतम सिन्हा (भरकाकसा), श्रीमती नंदकुमारी (तुमड़ीकसा), रोहित देवांगन (पथर्री), द्वारका साहू (घुपसाल), कुंदन साहू (मुंजालकला), हीरालाल निषाद (पतोरा), रूपलाल साहू (महरूम), हेमंत साहू (कलडबरी), प्रकाश साहू (कापा), श्रवण देवांगन (बडगांव), देवलाल (बरबसपुर), श्रीमती श्यामबाई (सोमाझिटिया), श्रीमती हेमिन देवांगन (मानिकपुर) और मदन साहू (सीताकसा) आदि शामिल है।

संगठन को मजबूती और मार्गदर्शन देने के लिए वरिष्ठ नेताओं को स्थायी आमंत्रित सदस्य बनाया गया है। जिसमें जिला पंचायत सभापति गोपाल भूआर्य (गोडलवाही), पूर्व किसान मोर्चा अध्यक्ष हिरेन्द्र साहू (बादराटोला), मंडल अध्यक्ष हिरदेराम देवांगन (कुमर्दा मानिकपुर), पूर्व मंडल अध्यक्ष बोधन साहू (साल्हे), पूर्व मंडल अध्यक्ष अनुरूद्ध चन्द्राकर (धनगांव), पूर्व मंडल अध्यक्ष सुंदर साहू (धनगांव), पूर्व मंडल अध्यक्ष गोपाल साहू (खुर्सीटिकुल), कंसू यादव (लाटमेटा), पूर्व अध्यक्ष अपिव दीनदयाल साहू (करमरी), सरपंच नूनकरण भूआर्य (कुमर्दा), छबीलदास व्यापारी (कुमर्दा), पूर्व युवा मोर्चा अध्यक्ष मुकेश साहू (महरूम), भाजपा महामंत्री कोमल सिन्हा (भेजराटोला) एवं भाजपा महामंत्री पतिराम (पांगरीकला) आदि है।

आज नगर पालिका व पंचायतों के उप निर्वाचन के परिणाम, सुबह 9 बजे से शुरू होगी मतगणना

नगर पंचायत घुमका के 15 वार्डों के लिए लगेंगे 15 टेबल, स्वामी आत्मानंद स्कूल में त्रिस्तरीय सुरक्षा के बीच होगी वोटों की गिनती

राजनांदगांव (दावा)। नगर पालिका आम निर्वाचन और त्रिस्तरीय पंचायत उप निर्वाचन 2026 के तहत राजनांदगांव जिले में मतदान की प्रक्रिया शांतिपूर्ण संपन्न होने के बाद अब सबकी नजरें चुनावी नतीजों पर टिकी हैं। आज 4 जून को सुबह 9 बजे से मतों की गणना शुरू हो जाएगी और दोपहर तक सभी क्षेत्रों के निर्वाचन परिणाम घोषित कर दिए जाएंगे।

स्थानीय निर्वाचन कार्यालय से मिली जानकारी के अनुसार, नगर पंचायत घुमका के अध्यक्ष पद और सभी 15 पार्षद पदों के लिए मतगणना स्वामी आत्मानंद शासकीय उत्कृष्ट अंग्रेजी एवं हिंदी माध्यम विद्यालय में की जाएगी। प्रशासन ने मतगणना को त्वरित और पारदर्शी बनाने के लिए विशेष मुस्तैदी दिखाई है। सभी 15 वार्डों की ईवीएम मशीनों की गिनती के लिए 15 टेबल लगाए गए हैं। चूंकि प्रत्येक वार्ड के लिए एक टेबल निर्धारित किया गया है, इसलिए सभी 15 वार्डों के परिणाम एक ही राउंड (दौर) में साफ हो जाएंगे। नगर पंचायत के साथ-साथ जिले की त्रिस्तरीय पंचायतों के रिक्त पदों के लिए हुए उप निर्वाचन की मतगणना भी कल सुबह ही संपादित की जाएगी। इसके तुरंत बाद ही सभी विजयी प्रत्याशियों के निर्वाचन परिणामों की आधिकारिक घोषणा कर दी जाएगी। इसके अंतर्गत जनपद सदस्य, सरपंच और पंच पदों के भाग्य का फैसला होगा।

घुमका नगर पंचायत चुनाव : मतगणना के बाद वेयरहाउस में सुरक्षित रखी जाएंगी ईवीएम

राजनांदगांव (दावा)। नगर पालिका आम निर्वाचन 2026 के अंतर्गत नगर पंचायत घुमका के निर्वाचन एवं मतगणना की प्रक्रिया संपन्न होने के पश्चात इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों (ईवीएम) को पूरी सुरक्षा के बीच व्यवस्थित किया जाएगा। तय कार्यक्रम के अनुसार 4 जून को शाम 4 बजे सभी ईवीएम को जिला कार्यालय परिसर स्थित स्थानीय निर्वाचन के वेयरहाउस (गोडाउन) में कड़ी सुरक्षा के बीच सुरक्षित रखा जाएगा। स्थानीय निर्वाचन कार्यालय द्वारा इस पूरी प्रक्रिया की पारदर्शिता बनाए रखने के लिए सभी मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के पदाधिकारियों और अधिकृत प्रतिनिधियों से इस दौरान विशेष रूप से उपस्थित रहने का आग्रह किया गया है।

घुमका में मतगणना से पहले अशांति फैलाने वाले दो बदमाश गिरफ्तार

राजनांदगांव (दावा)। नगर पंचायत घुमका निर्वाचन के मद्देनजर क्षेत्र में शांति व सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद है। मतगणना से ठीक पहले नगर में बदमाशी करने और शांति व्यवस्था भंग करने का प्रयास करने वाले दो शातिर बदमाशों को घुमका पुलिस ने धर दबोचा है। दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार चुनाव परिणामों और मतगणना के दौरान किसी भी अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए पुलिस द्वारा असामाजिक तत्वों के विरुद्ध सख्त प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की जा रही है। इसी कड़ी में पुलिस ने दोनों बदमाशों के खिलाफ अलग-अलग इस्तगासा तैयार कर तहसीलदार घुमका के समक्ष पेश किया।

बेचना हैं

चिखली थाना के पीछे दीनदयाल कॉलोनी में एक प्लाट (साईज 20x50 वर्ग फीट) डायवर्सन, भवन अनुज्ञा एवं बोर किया हुआ है जिसे शीघ्र बेचना हैं।

-: संपर्क :-
मो.-8103434815

एबीस ग्रीन होटल में 'द नेक्स्ट लेवल यू' कार्यशाला संपन्न, प्रतिभागियों ने सीखे आत्मपरिवर्तन के गुर

एनएलपी कोच दीप्ति बिंदल के मार्गदर्शन में 24 प्रतिभागियों ने पाया मानसिक स्पष्टता और भावनात्मक संतुलन का अनुभव

राजनांदगांव (दावा)। स्थानीय एबीस ग्रीन होटल में बीते दिनों 'द नेक्स्ट लेवल यू' नामक एक दिवसीय ट्रांसफॉर्मेशनल वर्कशॉप का सफल आयोजन किया गया। सुबह 10 बजे से शाम 6 बजे तक आयोजित इस विशेष और गहन सत्र में कुल 24 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। कार्यशाला के दौरान प्रतिभागियों ने आत्मपरिवर्तन, मानसिक स्पष्टता तथा भावनात्मक संतुलन का व्यावहारिक अनुभव प्राप्त किया।इस उच्च स्तरीय कार्यशाला का संचालन जानी-मानी एनएलपी कोच एवं एनबीआई होल ब्रेन थिंकिंग ट्रेनर श्रीमती दीप्ति बिंदल द्वारा किया गया। सत्र के दौरान प्रतिभागियों को विभिन्न अनुभवात्मक एनएलपी (न्यूरो लिंग्स्टिक प्रोग्रामिंग) प्रक्रियाओं से गुजारा गया। इसका मुख्य उद्देश्य अवचेतन मन में मौजूद सीमित मानसिक पैटर्न्स और धारणाओं को पहचानना, उन्हें दूर करना तथा चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में बेहतर व सटीक निर्णय लेने की क्षमता को मजबूत करना था।

क्या है एनएलपी विज्ञान?

कार्यशाला के विषय पर प्रकाश डालते हुए ट्रेनर श्रीमती दीप्ति बिंदल ने बताया कि एनएलपी मस्तिष्क और इंसानी व्यवहार को समझने की एक पूरी तरह से विज्ञान-आधारित पद्धति है। यह व्यक्ति को उसके भीतर छिपे भावनात्मक अवरोधों और पुराने ढर्रे के व्यवहारिक पैटर्न पर काम करने में मदद करती है। इसके माध्यम से कोई भी व्यक्ति अपने विचारों और व्यवहार को अपने जीवन के लक्ष्यों के अनुरूप पुनर्संगठित (रिस्ट्रक्चर) कर सकता है।

तनाव और आलोचनाओं के बीच शांत रहने की मिली ट्रेनिंग

दिनभर चले इस सत्र में प्रतिभागियों को सिखाया गया कि समाज में नकारात्मक लोगों, तीखी आलोचनाओं और अत्यधिक तनावपूर्ण परिस्थितियों के बीच भी स्वयं को कैसे शांत, केंद्रित और भावनात्मक रूप से संतुलित रखा जाए। इसके साथ ही हाई परफॉर्मेंस स्टेट, आत्मविश्वास में वृद्धि, स्पष्ट सोच और भावनात्मक दृढ़ता (इमोशनल रेजिलिएंस) विकसित करने पर विशेष रूप से प्रैक्टिकल कार्य किया गया।

कार्यक्रम के समापन पर प्रतिभागियों ने अपने अनुभव साझा किए। उन्होंने बताया कि वे अब स्वयं को पहले की तुलना में अधिक शांत, स्पष्ट और आत्मविश्वासी महसूस कर रहे हैं। साथ ही जीवन की चुनौतियों का सामना करने के लिए उनके पास अधिक जागरूकता और बेहतर विकल्प मौजूद हैं। श्रीमती दीप्ति बिंदल ने बताया कि वे व्यक्तिगत काउंसलिंग के लिए 'वन-ऑन-वन पर्सनल ब्रेकथ्रू सेशन्स' भी संचालित करती हैं। जिसमें व्यक्ति की विशिष्ट चुनौतियों पर गहराई से काम किया जाता है। कार्यशाला की भारी सफलता और प्रतिभागियों के उत्साहजनक प्रतिसाद को देखते हुए 'द नेक्स्ट लेवल यू' का अगला संस्करण शीघ्र ही आयोजित किया जाएगा।

महापौर और कलेक्टर ने राजीव नगर में साफ-सफाई का लिया जायजा, मरीजों के घर जाकर जाना स्वास्थ्य का हाल

राजनांदगांव(दावा)। शहर की मूलभूत सुविधाओं जैसे बिजली, पानी और साफ-सफाई का जमीनी हाल जानने के लिए महापौर मधुसूदन यादव एवं कलेक्टर जितेन्द्र यादव ने सुबह-सुबह विभिन्न वार्डों का सघन दौरा किया। इस दौरान उन्होंने वार्ड नंबर 42 राजीव नगर पहुंचकर साफ-सफाई व्यवस्था का जायजा लिया और वहां के पीलिया प्रभावित परिवारों से सीधे मुलाकात कर उनका कुशलक्षेम जाना। इसके अलावा निर्माण कार्यों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों ने ऑडिटोरियम मरम्मत कार्य तथा गंजपारा स्कूल जीर्णोद्धार कार्य का भी बारीकी से निरीक्षण किया। दौरे के दौरान नगर निगम आयुक्त अतुल विश्वकर्मा, निगम अध्यक्ष टोपेन्द्र सिंह, पारस वर्मा, सांसद प्रतिनिधि देवशरण सेन और पार्षद प्रतिनिधि राजेश यादव मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

पानी उबालकर और छानकर पीयें : महापौर

राजीव नगर में पीलिया पीड़ित परिवारों से चर्चा के दौरान मरीजों ने बताया कि अत्यधिक गर्मी और बच्चों द्वारा बाहर के खान-पान के कारण स्वास्थ्य बिगड़ा है, जबकि नल से आने वाला पानी वर्तमान में साफ है। इस पर महापौर मधुसूदन यादव ने ढांढस बंधाते हुए कहा कि इस मौसम में खान-पान का विशेष ध्यान रखें और पानी हमेशा उबालकर व छानकर ही पीयें। उन्होंने स्वास्थ्य अधिकारी को निर्देशित किया कि वार्ड में सफाई व्यवस्था को दुरुस्त किया जाए। क्लोरीन टैबलेट बांटी जाएं और जहां भी गड्ढों में पानी भरा है, उसकी तत्काल निकासी कराई जाए।

पानी की रोजाना हो क्लोरीन जांच : कलेक्टर

कलेक्टर जितेन्द्र यादव ने जल विभाग और स्वास्थ्य अमले को सख्त निर्देश देते हुए कहा कि सप्लाई होने वाले पानी में क्लोरीन की मात्रा की नियमित जांच की जाए। उन्होंने कहा कि नालियों की सफाई के बाद कचरा तुरंत उठाया जाए। प्रभावित क्षेत्रों में दवाओं का छिड़काव हो और विशेष स्वास्थ्य शिविर लगाकर लोगों का परीक्षण किया जाए। निगम आयुक्त अतुल विश्वकर्मा ने इस संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि पीलिया से ग्रसित 5 मरीजों का जिला चिकित्सालय में इलाज चल रहा था। जिनमें से 1 मरीज डिस्चार्ज हो चुका है और 1 का इलाज घर पर ही जारी है। प्रभावित क्षेत्र में सफाई और जल विभाग का अमला पूरी सक्रियता से जुटा हुआ है तथा पानी के सैंपल जांच के लिए लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग भेजे गए हैं।

स्मार्ट क्लास की तर्ज पर संवर रहा गंजपारा स्कूल

निर्माण कार्यों के निरीक्षण के क्रम में अफसरों ने गंजपारा अंग्रेजी माध्यम स्कूल के जीर्णोद्धार कार्य को देखा। महापौर ने बताया कि स्कूल की पुरानी बिल्डिंग की मरम्मत कर इसे स्मार्ट क्लास की तर्ज पर सर्व सुविधायुक्त बनाया जा रहा है। कलेक्टर ने इस कार्य की सराहना करते हुए शिक्षा विभाग को इसी तर्ज पर शहर के अन्य स्कूलों का भी जीर्णोद्धार करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही ऑडिटोरियम मरम्मत कार्य को समय-सीमा और गुणवत्ता के साथ जल्द पूरा करने को कहा ताकि वहां पुनः आयोजन शुरू हो सकें।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक व मुद्रक दीपक भाई बुद्धदेव द्वारा स्वस्तिक ऑफसेट एण्ड स्क्रीन प्रिंटर्स, बल्देव बाग रोड, राजनांदगांव से मुद्रित कर प्रकाशित। सम्पादक दीपक भाई बुद्धदेव।
* समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार। * किसी भी विवाद की स्थिति में न्यायिक क्षेत्र राजनांदगांव रहेगा। फोन नं. - 07744-406631, e-mail : dainikdawa_rjn@yahoo.com